Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 10

औरंगाबाद, आरा एवं रांची से प्रकाशित

शुक्ल पक्ष, विशाखा, विक्रम संवत् 2081

• औरंगाबाद • बुधवार • 19 जून 2024 • वर्ष 26 • अंक 189 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

खेल

क्रिस गेल का रिकॉर्ड टूटा, एस्टोनिया के साहिल चौहान ने 27 गेंदों पर ठोका शतक

देश

दिल्ली जल संकट पर बढ़ा सियासी घामासान, अब वीवीआईपी इलाकों तक...

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 24 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 72, 220	₹91,500

आज का इतिहास

- 2004 : भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के दौरान, राष्ट्रपति ए। पी। जे। अब्दुल कलाम ने घोषणा की कि तमिल को भारत की कानूनी मान्यता प्राप्त शास्त्रीय भाषा बनाया जाना चाहिए।
- 1997 : बैंकाक में भारत, बांग्लादेश श्रीलंका एवं थाईलैंड ने बिस्टेक नामक आर्थिक सहयोग समूह का गठन किया।

न्यूज बाइट्स

बीएड प्रवेश परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी

पटना (नि.सं.)। दो वर्षीय बीएड व शिक्षा शास्त्री में नामांकन के लिए होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए सोमवार को आधिकारिक वेबसाइट पर एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। सीईटी-बीएड 2024 के राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो. अशोक कुमार मेहता ने बताया कि प्रवेशपत्र डाउनलोड करने के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर अपना आइडी व पासवर्ड डालकर अपने अकाउंट से लाग इन करेंगे।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (नि.सं.)। पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पटना हवाई अड्डा निदेशक के मुताबिक यह धमकी ई-मेल से आई है। धमकी मिलने के बाद पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। मंगलवार की दोपहर चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी एक मेल के जरिए बम की सूचना मिली। जिसके बाद हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया।

बिहार राज्य आईटीआई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चुने गए शशिभूषण

पटना (नि.सं.)। बिहार राज्य आईटीआई कर्मचारी संघ की ओर से दो दिवसीय 33वें राज्य सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें शशिभूषण आर्य अध्यक्ष चुने गए। मनोज कुमार यादव महासचिव और अविनाश कुमार कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। बिहार विधान परिषद सदस्य शशि यादव ने संबोधन में देश के किसानों और मजदूरों की रक्षा और पुरानी पेंशन लागू किए जाने पर अपनी बात रखी। एआईसीसीटीयू के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कमल उसरी और महासंघ के अध्यक्ष निरंजन कुमार सिन्हा, शत्रुघ्न प्रसाद सिंह, नितेश आनंद, उप प्राचार्य अशोक कुमार राम और अशोक कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया।

पीएनजी व सीएनजी पर वैट दर घटाने की मांग

पटना (नि.सं.)। पटना। बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सुभाष कुमार पटवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त वाणिज्य कर मंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पीएनजी व सीएनजी की वैट दरों को 20 प्रतिशत से घटाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल की ओर से मंत्री को बताया कि राज्य के उद्योगों की अपनी इकाइयों को पीएनजी व सीएनजी में परिवर्तन करना है। पीएनजी व सीएनजी की वैट दरों के कारण इसमें परेशानी हो रही है।

देशभर के 9.26 करोड़ किसानों के लिए खुशखबरी

पीएम ने जारी की किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त

- देशभर के 9.26 करोड़ को मिला योजना का लाभ
- पीएम मोदी ने 30 हजार कृषि सखियों को दिया प्रमाण पत्र
- आज नालंदा में पहुंचेंगे पीएम

एजेंसी | वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पीएम किसान सम्मान योजना के 9.26 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि 17वीं किस्त के रूप में जारी की। इसमें वाराणसी के दो लाख 74 हजार 615 किसान भी लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कृषि सखी के रूप में मान्यता प्राप्त 30,000 से अधिक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को भी प्रमाण पत्र जारी किया। इसमें वाराणसी की 212 कृषि सखी शामिल रही।

पीएम ने कहा कि अभी मैं जी-7 की मीटिंग के लिए इटली गया था। सारे देशों के सारे वोटर्स को मिला दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है। इस चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया है।

पीएम ने कहा कि काशी के लोगों ने तो सिर्फ सांसद नहीं, तीसरी बार पीएम भी चुना है। इस चुनाव में जो जनादेश दिया है वह अभूतपूर्व है। लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है। कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करे। भारत की जनता ने यह भी इस बार करके दिखाया है। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था। तब से भारत में किसी सरकार ने हैट्रिक नहीं लगाई। आपने यह सौभाग्य अपने सेवक को दिया। पीएम मोदी ने हर-हर महादेव से भाषण शुरू किया। चुनाव जीतने के बाद आज हम पहली बार बनारस आइल है। काशी के जनता जनार्दन के हमारा प्रणाम। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद, काशी के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद ले लिया है। मैं यहीं का हो गया। इतनी गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में आप आशीर्वाद देने आए। आपकी तपस्या देखकर सूर्य देवता भी ठंडक बरसाने लग गए।

माता-बहनों के बिना खेती की कल्पना संभव नहीं

पीएम ने कहा कि माता-बहनों के बिना खेती की कल्पना संभव नहीं है। बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है। कृषि सखी कार्यक्रम ऐसा ही एक प्रयास है। काशी में बनास डेयरी संकुल की स्थापना हुई। काशी और पूर्वांचल के किसान मजबूत हुए हैं।उ बनास डेयरी ने पशु पालकों का भाग्य बदलने का काम किया। डेढ़ साल में काशी के 16 हजार पशु पालकों को अपने साथ जोड़ने जा रही। दूध उत्पादकों की कमाई में वृद्धि हुई है।

मेरा सपना दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई खाद्यान्न जरूर हो

पीएम ने कहा कि मैंने किसान, नौजवान, नारी शक्ति को विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है। इसलिए मैंने सरकार बनने के बाद सबसे पहले इन्हीं को प्राथमिकता में रखा, सरकार बनने के बाद किसानों से जुड़ा। पीएम किसान सम्मान निधि दुनिया की सबसे बड़ी ट्रांसफर निधि बन चुकी है। मेरा सपना है दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई न कोई खाद्यान्न यानी फूड प्रोडक्ट होना चाहिए। बनारस का लंगड़ा आम, जौनपुर की मूली, गाजीपुर की भिंडी ऐसे अनेक उत्पाद विदेशी मार्केट में पहुंच रहे हैं।

सीएम ने संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये निर्देश

निज संवाददाता | पटना।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 01 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक भी जुड़े रहे। बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग, पटना के निदेशक ने इस वर्ष मॉनसून सत्र के दौरान वर्षापात के पूर्वानुमान की जानकारी देते हुए बताया कि दो से तीन दिनों में मॉनसून के आने की संभावना है। सभी जिलों में वर्षा होने की संभावना है। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संभावित बाढ़, सुखाड़ एवं अन्य आपदाओं की पूर्व तैयारियों से संबंधित मुख्य बातों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार बाढ़ पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने नाव संचालन, पॉलिथिन शीट, राहत सामग्री की उपलब्धता, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट्स/फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र आदि के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। बैठक में विकास आयुक्त सह जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार एवं कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने अपने-अपने विभागों द्वारा संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से निपटने को लेकर की गई तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत ने बाढ़/सुखाड़ आदि आपदाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने तथा आपदा के क्षेत्र में किये गये कार्यों के बारे में जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें।

आवश्यक दिशा-निर्देश

» बाढ़ और सुखाड़ दोनों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के अधिकारी और जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें।

» सभी तैयारियां ससमय पूरी कर ली जाय। आपदा प्रबंधन विभाग सतत् अनुश्रवण करते रहे कि और क्या-क्या करने की जरूरत है ताकि लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो।

» हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी।

» जिलाधिकारी अपने-अपने जिलों की स्थिति का आकलन करें और उसके अनुसार सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण रखें। वे क्षेत्रों में जाएं और वस्तु स्थिति की जानकारी लें।

» जिलाधिकारी क्षेत्र में लोगों से बात करें और पिछले वर्षों में आपदा की स्थिति में किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए आपदा से निपटने हेतु कार्ययोजना बनाएं।

» भू-जलस्तर पर नजर रखें और पेयजल का इंतजाम रखें। हर घर नल का जल योजना से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसे पूरी तरह मेंटेन रखें।

» जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर कार्य किए जा रहे हैं, इसकी सतत् निगरानी करें और इसे बेहतर ढंग से क्रियान्वित करें।

» राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें।

अररिया में उद्घाटन के पहले ही ढह गया पुल, 12 करोड़ की लागत से था बना

निज संवाददाता | अररिया

अररिया जिले में निर्माणाधीन पुल उद्घाटन से पहले ही ढह गया। जिसकी लागत 12 करोड़ बताई जा रही है। मंगलवार की दोपहर नेपाल से पानी आने के बाद सिकटी प्रखंड क्षेत्र होकर बहने वाली बकरा नदी के पड़रिया घाट पर बने पुल के दो पिलर ध्वस्त हो गये। वहीं एक धंस गया। हालांकि इस पुल का निर्माण तो हो गया था लेकिन एप्रोच पथ नहीं बनने के कारण पुल पर आवागमन शुरू नहीं हुआ था। इस पुल पर तीसरे चरण में यहां आठ पाया का निर्माण हुआ था। पहले व दूसरे चरण में पुल निगम की ओर से आठ पाया का निर्माण हुआ था। तीसरे चरण में आरईओ की ओर से आठ करोड़ की लागत से आठ पाया का निर्माण हुआ था। पहले और दूसरे चरण में बने सभी आठ पाया सुरक्षित है।

बिहार में हटाए गए 550 सर्वे अमीन, प्रदर्शन

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के राजस्व विभाग ने चार साल पहले संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए 550 विशेष सर्वेक्षण अमीनों को सेवामुक्त कर दिया है। इस संबंध में विभाग ने हाल ही में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किया था। जिसके बाद अमीनों में इस फैसले को लेकर रोष है। उन्होंने अमीन अमानत संघ के बैनर तले मंगलवार को इस फैसले के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने सरकार के इस कदम को क्रूर बताया है और इसे वापस लेने की मांग की है। पटना की सड़कों पर मंगलवार को सर्वेक्षण अमीनों ने भूमि राजस्व एवं पंजीकरण कार्यालय के बाहर अर्द्धनग्न अवस्था में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए, नहीं तो हम अपना विरोध और तेज कर देंगे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य में सर्वेक्षण का कार्य अबतक पूरा नहीं हुआ है। फिर भी अमीनों को पद से हटाया जा रहा है। अब जब हम लोग सड़क पर हैं तो हम कहां जाएं? ऐसी स्थिति में हमारे पास क्या विकल्प है? हम लोगों का भविष्य अंधेरे में चला गया। मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना एवं भविष्य बाल बच्चे का चिंता के वजह से जिंदगी मौत से जूझने का एकमात्र विकल्प बच गया, इसलिए हम प्रदर्शन कर रहे हैं।

चार साल की सेवा के बाद बेरोजगार

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि सरकार एक तरफ जहां नए अमीनों की नियुक्ति की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर हमें नौकरी से हटाया जा रहा है, जबकि हम लोगों की नियुक्ति खास तौर पर सर्वे के लिए की गई थी। हम लोग चार साल से बिहार के सभी अंचलों के बंदोबस्त कार्यालयों में अपनी सेवा दे रहे हैं। अचानक 13 जून को सभी जिलों के डीएम के पास एक पत्र आया कि बिहार के बंदोबस्त कार्यालयों में सभी 550 सर्वेक्षक अमीनों की सेवा की अब जरूरत नहीं है। 15 जून 2024 से अगले आदेश तक इनसे काम नहीं लिया जाए।

डॉ.अनुराग बत्रा बने इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज के सदस्य

एजेंसी | नई दिल्ली

एक्सचेंज फॉर मीडिया के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. अनुराग बत्रा को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन एंड साइंसेज का सदस्य चुना गया है। डॉ. बत्रा 60 से अधिक देशों के 900 से ज्यादा सदस्यों के उस समूह में शामिल हो गए हैं, जो दुनिया की अग्रणी टेलीविजन और मीडिया कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनुराग बत्रा को एक्सचेंज फॉर मीडिया को संस्थागत बनाने, मीडिया, टेलीविजन और डिजिटल से संबंधित डोमेन में एक नया और अग्रणी प्लेटफॉर्म बनाने के उनके योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अनुराग बत्रा एक आंत्रप्रेन्योर, राइटर, एंजेल इन्वेस्टर, टीवी शो होस्ट हैं। ये कई बड़े मीडिया ब्रांड्स का प्रबंधन करते हैं। डॉ. बत्रा बीडब्लू बिजनेसवर्ल्ड मीडिया समूह के भी चेयरमैन और एडिटर इन चीफ हैं।

डॉ. बत्रा ने मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के तौर पर भी काम किया है। साथ ही डॉ. बत्रा कई प्रमुख मीडिया मालिकों, संपादकों, पत्रकारों के संपर्क में रहे हैं। बत्रा मीडिया, टेलीविजन और नए मीडिया के विशेषज्ञ माने जाते हैं। डॉ. बत्रा की मीडिया जगत पर एक किताब 'मीडिया मोगल्स ऑफ इंडिया' वर्ष 2025 में प्रकाशित होगी।

सरकारी विभागों में आटउसोर्सिंग पर काम करने वाले कर्मियों को अनिवार्य तौर पर मिलेगी न्यूनतम मजदूरी

निज संवाददाता | पटना

बैंक खाते में ही वेतन का भुगतान

श्रमिकों से एक दिन में ओवरटाइम को छोड़कर अधिकतम नौ घंटे का कार्य लिया जा सकता है। इसमें एक घंटे का विश्राम अंतराल भी शामिल रहेगा। किसी दिन कार्य की अधिकता है तो दो घंटे कार्य लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए ओवरटाइम का भुगतान करना होगा। एक व्यक्ति तीन महीने में अधिकतम 50 घंटे का ओवरटाइम करेगा। ओवरटाइम की मजदूरी दर सामान्य से दोगुनी होगी। आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सभी कर्मियों को ईएसआई और ईपीएफ का लाभ दिया जाना है। ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान उसके वेतन से कटौती की जाएगी, लेकिन नियोजन के अंशदान की कटौती कामगार के वेतन से नहीं की जाएगी। बोनस का भुगतान नियोजकों को ही करना होगा। किसी भी संवेदक को काम देने से पहले स्थापना का पंजीकरण लिया जाए। श्रमिकों को सीधे बैंक खाते में ही भुगतान किया जाए।

राज्य के सरकारी विभागों में आटउसोर्सिंग पर काम करने वाले कर्मियों को अनिवार्य तौर पर न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। श्रम संसाधन विभाग ने इसे सुनिश्चित करने को कहा है। विभाग के प्रधान सचिव डॉ. बी राजेन्दर की ओर से सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव के साथ ही जिलाधिकारियों को भी पत्र लिखा गया है। विभाग ने कहा है कि सरकार के कई विभागों, समितियों, बोर्ड और आयोग में बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग एजेंसी या संवेदकों के माध्यम से श्रमिकों से कार्य लिया जा रहा है। विभिन्न श्रम संगठनों द्वारा कई बार विभाग के संज्ञान में लाया जाता है कि इन आउटसोर्सिंग एजेंसी या संवेदकों द्वारा श्रम कानूनों का समुचित ढंग से अनुपालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही प्रधान नियोजकों द्वारा भी इसकी निगरानी नहीं की जा रही है। सरकार की ओर से न्यूनतम मजदूरी तय है। न्यूनतम मजदूरी की दर श्रमिकों की कार्यकुशलता और योग्यता के आधार पर अकुशल, अर्धकुशल, कुशल एवं अतिकुशल के रूप में वर्गीकृत है।

राशन कार्ड को 30 जून तक करवा लें आधार सीडिंग

पटना (नि.सं.)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत आच्छादित राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य की आधार सीडिंग (ई-केवाईसी) कराना अब अनिवार्य कर दिया गया है। बिना आधार सीडिंग के राशन कार्ड में शामिल संबंधित सदस्य का नाम कार्ड से हट सकता है। बता दें कि आधार सीडिंग की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। उससे पहले आधार सीडिंग कराना जरूरी है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य के लिए आधार सीडिंग की अनिवार्यता हो जाने के बाद लाभुक परिवारों के राशन कार्ड से बिना आधार सीडिंग वाले सदस्य के नाम भविष्य में हटाने की बाध्यता होगी।

बिहार विभूति स्व. डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह को उनकी जयंती पर किया गया नमन

निज संवाददाता | पटना

बिहार विभूति स्व. डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। बिहार विधानमंडल परिसर स्थित डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शत्-शत् नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चैधरी, सहकारिता तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चैधरी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, बिहार गीत एवं देषभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया।

» मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने किया माल्यार्पण
» कलाकारों द्वारा आरती पूजन और बिहार गीत प्रस्तुत

नीट विवाद- सुप्रीम कोर्ट का एनटीए को नोटिस, कहा

धोखाधड़ी से डॉक्टर बना व्यक्ति खतरनाक : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गंभीर अनियमितताओं के आरोपों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2024 रद्द कर इसे दोबारा आयोजित कराने की मांग वाली एक याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से कहा कि भले ही किसी की ओर से 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई हो, उसे स्वीकार करें और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए उचित समय पर उचित कार्रवाई कर इस मामले को पूरी तरह निपटाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने ये टिप्पणियां करते हुए केंद्र और एनटीए के अधिवक्ता से आगे कहा, "ऐसी स्थिति की कल्पना करें, अगर धोखाधड़ी करने वाला कोई व्यक्ति डॉक्टर बन जाए तो वह समाज के लिए और अधिक हानिकारक होगा। हम जानते हैं कि ऐसी परीक्षाओं की तैयारी में कितनी मेहनत लगती है। हम समय पर कार्रवाई चाहते हैं।

शीर्ष अदालत ने पांच मई 2024 को परीक्षा आयोजित कर चार जून 2024 को परिणाम घोषित करने वाली एनटीए को नसीहत देते हुए कहा कि एक एजेंसी के रूप में आपको निष्पक्षता से काम करना चाहिए। यदि कोई गलती हुई है तो 'हाँ' कहें, यह एक गलती है और हम यह कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम यह आपके काम में विश्वास जगाता है। शीर्ष अदालत ने मेडिकल स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए आयोजित नीट यूजी 2024 में अनियमितता के आरोप लगाने वाली इस याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि वह (एनटीए) इस मामले में आत्ममंथन करे। न्यायमूर्ति नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान केंद्र और एनटीए से कहा कि वे निष्पक्षता से काम करें और अगर नीट यूजी 2024 में कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करें और छात्रों में आत्मविश्वास जगाने के लिए उचित कार्रवाई करें।

पीठ ने कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र सार्वजनिक होने और परीक्षा की तैयारियों में अन्य अनियमितताओं के कारण नीट यूजी 2024 को रद्द करने की मांग वाली इस याचिका पर केंद्र और एनटीए को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई अन्य संबंधित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले शीर्ष अदालत ने नीट परीक्षा में देर से प्रश्नपत्र मिलने के बदले अतिरिक्त अंक (ग्रेस मार्क्स) पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को 23 जून को दोबारा परीक्षा देने का विकल्प देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को 13 जून को मंजूरी दी थी।

पीएम 30 जून को करेंगे मन की बात, देशवासियों से मांगे सुझाव

एजेंसी | नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केन्द्र में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद आगामी 30 जून को एक बार फिर आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे। श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर खुद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि चुनाव के कारण कुछ महीने के अंतराल के बाद 'मन की बात' की एक बार फिर से वापस हो रही है। इस महीने का कार्यक्रम 30 जून को होगा। आप सब इस कार्यक्रम के लिए 'माईगोव ओपन फोरम' या 'नमो एप' पर अपने विचार साझा करें। आप 1800117800 पर अपने संदेश रिकार्ड भी कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी ने वर्ष 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद देशवासियों के साथ संवाद के लिए आकाशवाणी पर मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' शुरू किया था।

बिहार-बंगाल सीमा पर पहुंचा मानसून, आज से बारिश की उम्मीद

पटना (नि.सं.)। बिहार में लोगों को जल्द गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून बिहार और बंगाल सीमा पर इस्लामपुर पहुंच चुका है। यह 19 और 20 जून को बंगाल-बिहार के पूर्वी इलाके को कवर कर लेगा। इस दौरान यहां झमाझम बारिश हो सकती है।

वहीं, राजधानी पटना में आज हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने आज बिहार के 9 जिलों में भीषण गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी किया है। जिसमें पटना, जहानाबाद, गया, औरंगाबाद, अरवल, रोहतास, कैमूर, भोजपुर और बक्सर शामिल है।

नालंदा विवि में 15 मिनट भ्रमण कर सकते पीएम, दो बजे के बाद नालंदा खंडहर पर्यटकों के लिए बंद

निज संवाददाता। नालंदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजगीर आ रहे। राजगीर और नालंदा में सुरक्षा के चाक-चौबंद की व्यवस्था की जा रही है। नालंदा खंडहर आगमन को लेकर मंगलवार के 2:00 बजे से पर्यटकों का प्रवेश बंद हो जाएगा। इसके बाद इसकी कमान सीधे एसपीजी के हाथों होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गया से सेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर पर सवार होकर नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर पहुंचेंगे। इसके पूर्व विश्वविद्यालय के अंदर हेलीकॉप्टर लैंडिंग का रिहर्सल किया जा रहा है। 19 जून को ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष का अवलोकन करेंगे। बताया जा रहा है कि करीब 10 से 15 मिनट तक (यह समय बढ़ भी सकता है) प्रधानमंत्री प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में भ्रमण करेंगे। जहां पुरातत्व विभाग के डायरेक्टर एस भट्टाचार्य प्रधानमंत्री को प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के इतिहास और भूगोल से अवगत कराएंगे।

एसपीजी के हाथों होगी कमान

रंग-रोगन और सफाई का चल रहा कार्यः नालंदा के भग्नावशेष के मुख्य द्वार को रंग रोगन कर आसपास साफ-सफाई कराई जा रही है। नालंदा के भग्नावशेष के पास रासबिहारी प्लस टू स्कूल के खेल मैदान में और नव नालंदा महाविहार के पास हेलीपैड बनाया गया है। राजगीर स्थित नालंदा यूनिवर्सिटी से लेकर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय तक सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग की जा रही है।

सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रमः नालंदा विश्वविद्यालय में स्थित सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। जहां 240 कुर्सियां लगाई जाएगी। मंच पर प्रधानमंत्री के कुर्सी के अलावा पांच अन्य कुर्सियां लगाई जाएगी। इसके अलावा कैंपस के दूसरे हाल में 500 कुर्सियां लगाई जाएगी। जहां विश्वविद्यालय के फैकल्टी, छात्र अन्य वीआईपी को बैठने की व्यवस्था की गई है। जहां प्रोजेक्टर के माध्यम से लोग इस कार्यक्रम को देख सकेंगे। सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम के पास ही शिलापट लगाया गया है।

ट्रैफिक रूट में किया गया परिवर्तनः 19 जून को प्रधानमंत्री के राजगीर आगमन को लेकर यातायात में परिवर्तन किया गया है। ट्रैफिक डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कारगिल चौक से नालंदा सिलाव होते हुए राजगीर जाने वाली हाईवे पर सभी वाहनों का परिचालन पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। बिहार शरीफ से राजगीर जाने वाले वाहन पावापुरी, गिरियक होते हुए राजगीर जाएंगे। नवादा से आने वाली सभी गाड़ियां गिरियक, पावापुरी होते हुए बिहार शरीफ आएगी। गया से बिहार शरीफ की ओर जाने वाली गाड़ियां सरवहदा से खुदागंज, इस्लामपुर, एकंगरसराय होते हुए बिहार शरीफ आएगी। छबीलापुर से आने वाली सभी गाड़ियां परवलपुर होते हुए बिहार शरीफ आएगी। छबीलापुर से राजगीर आने वाली सभी गाड़ियां कटारी मोड़, सीआरपीएफ कैंप, विरायतन होते हुए राजगीर जाएगी। नवादा से राजगीर आने वाली सभी गाड़ियां झूला मोड़, अंबेडकर चौक, पीटीजेएम कॉलेज होते हुए राजगीर बाजार आएगी। दीपनगर बाजार से राजगीर आने वाली सभी गाड़ियां वास्तु विहार, नानंद, गिरियक रोड होते हुए राजगीर आएगी।

आज 2 बजे से खंडहर में प्रवेश प्रतिबंधितः प्रधानमंत्री के नालंदा खंडहर आगमन को लेकर मंगलवार के 2:00 बजे से पर्यटकों का प्रवेश बंद हो जाएगा। इसके बाद इसकी कमान सीधे एसपीजी के हाथों होगी। नालंदा खंडहर के संरक्षक सहायक अमृत झा ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर मंगलवार को 2:00 बजे से पर्यटकों का प्रवेश बंद हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जेपी सेनानी के निधन पर राजद ने जताया शोक

टिकारी। जेपी सेनानी व राजद नेता मो हबीब अंसारी के निधन पर राजद नेताओं ने शोक प्रकट किया। स्थानीय डाकबंगला परिसर में आयोजित बैठक में राजद नेताओं ने मो अंसारी को श्रद्धांजलि दी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रो मुंद्रिका नायक ने कहा कि मो अंसारी के निधन से राजद परिवार मर्माहत है। मो अंसारी सदैव गरीबो की सेवा के लिए समर्पित रहते थे। शोक जताने वाले में बाल्मीकि प्रसाद, जगरूप यादव, नाथुन पासवान, बंटी यादव, अवधेश यादव, मो मोख्तार असलम सहित अन्य राजद नेता शामिल थे।

रेलवे नहीं संभाल पा रहे, केंद्रीय रेलमंत्री दें इस्तीफा

गया। कंचनजंगा एक्सप्रेस से मालगाड़ी टकरा गई है जिसमें कई लोगों के जन जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। रेलवे अभी तक कोई आंकड़ा जारी नहीं कर रहा है। उक्त बातें कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. गगन कुमार मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन चलने का दावा करने वाली सरकार पुरानी रेल व्यवस्था को भी नहीं संभाल पा रही है। सरकार ने रेलवे को सिर्फ कमाई का जरिया बनाकर रखा है। लेकिन, उसके रखरखाव का ख्याल नहीं रख रही है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

पनशाला का हुआ उद्घाटन, लोगों को मिलेगा शीतल जल

मानपुर। भीषण गर्मी को देखते हुए निर्जला एकादशी के दिन मानपुर बाजार स्थित बागेश्वरी मंदिर के सामने बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ द्वारा शीतल जल सेवा पनशाला शुरू किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन वजीरगंज कैंप एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल पटवा, दुखन पटवा और अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।इस अवसर पर एसडीपीओ ने कहा कि गर्मी के मौके पर राहगीरों, फुटकर दुकानदारों के लिए शीतल जल की व्यवस्था करवाना सच्ची मानवता है। इस अवसर पर नगर आयुक्त से निगम क्षेत्र के कलाली मोड, बाबा खिरू रविदास धर्मशाला, सुर्य पोखर मोड़ व मोफसिल मोड पर पनशाला खोलने का अनुरोध अनुरोध किया। मौके पर दुर्गेश कुमार, दीपक स्वर्णकार, श्याम कुमार उर्फ कारू लाल, भोजपुरिया बाबा, छोटू चौधरी सहित बड़ी संख्या में बाजार के लोग शामिल रहे।

गुप्त सूचना पर चोरी की चार मवेशी की बरामदगी

करायपरसुराय। इसलामपुर से 15 और 16 जून की रात चोरों ने पशुपालकों के 4 मवेशियों को चुरा लिया था। घटना की सूचना इसलामपुर पुलिस ने करायपरसुराय थाना को दी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि चोरी की मवेशी थाना क्षेत्र के सांध बिगहा में है। सूचना पर करायपरसुराय एवं इसलामपुर थाने की पुलिस ने सांध बिगहा गांव में छापेमारी कर तीन भैंस एवं एक भैंस के बच्चा को बरामद कर लिया। बरामद मवेशी को इसलामपुर थाने को सपुर्द कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी है।

समाजसेवी किशोरी साव को दी गई श्रद्धांजलि

गया। विजय लड्डू भंडार के संस्थापक 80 वर्षीय किशोरी साव के निधन के बाद एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में शहर के प्रबुद्ध बुद्धिजीवियों के साथ-साथ कई प्रसिद्ध व्यवसायी भी शामिल हुए। स्व. किशोरी साव के पुत्र चितरंजन उर्फ गोल्डी, विजय कुमार व रंजीत कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

पशु सखी को द गोट ट्रस्ट इंडिया ने दी ट्रेनिंग

बोधगया। बोधगया के बसाढी, मोचारिम एवं अतिया पंचायत के 13 गांवों के साथ अग्रगामी इंडिया आजीविका संवर्धन पर कार्य कर रही है। उक्त संस्था बोधगया के बसाढी , मोचारिम एवं अतिया पंचायत के 12 गांवों में 12 पशु सखी का चयन किया गया एवं द गोट ट्रस्ट इंडिया द्वारा प्रशिक्षण तथा सतत तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। इन सभी 12 पशु सखी को 5 दिवसीय प्रशिक्षण द गोट ट्रस्ट के विशेषज्ञ एवं पशु चिकित्सक द्वारा दिया गया। सभी पशु सखी अपने संबंधित गांव में बकरी की देखभाल एवं इलाज कर ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब पशुपालकों के लिए वरदान साबित हो रही है। अग्रगामी इंड़िया के प्रोजेक्ट समन्वयक त्रिपुरारी प्रसाद सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य गांवों में बकरी के मरने के दर को कम करना, महिला उद्यमकर्ता को तैयार करना व बकरी से होने वाले आय में बढ़ोतरी करके गरीबी को दूर करना है।

अध्यापक ने एमयू बायोटेक्नोलॉजी विभाग देखा

बोधगया। मगध विवि का बायो टेक्नोलॉजी विभाग स्ववित्तपोषित विभाग होने के बावजूद बहुत ही अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उच्च मानदंड स्थापित किया है। यहां के शिक्षक अपनी लगन और मेहनत से विभाग की अलग पहचान बनाने में सक्षम है, जो सराहनीय है। डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़ के प्रो रूपेश देशमुख एवं प्रो अमन दीप मगध विवि के बायो टेक्नोलॉजी विभाग के प्रयोगशाला एवं विभाग में हो रहे नवाचार के बारे जानकारी प्राप्त करने के बाद उक्त बातें कही। बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ एलके तरुण ने उन्हें विभाग के स्थापना काल से अबतक की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार या विवि यदि इस स्ववित्तपोषित विभाग को अपना आर्थिक सहयोग देकर रेगुलर डिपार्टमेंट की मंजूरी दे, तो यह विभाग शिक्षण व शोध की गुणवत्ता से बिहार का नाम रौशन करेगा। इतने कम संसाधन और कम आर्थिक सहयोग से विगत वर्षों में सेमिनार और वर्कशॉप करना, यहां के शिक्षकों का विभाग के प्रति समर्पण को दर्शाता है। ग्रीष्मावकाश में भी यहां के शिक्षक और कर्मी अपने कार्य को निभा रहे हैं। इस मौके पर प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ एलके तरुण, डॉ सरफराज अली, डॉ बीरेंद्र कुमार, बलबीर सिंह, गौतम कुमार, राकेश कुमार एवं अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

कुर्सी खींचकर मरीज को वार्ड तक पहुंचाया, ANMMCH में मरीज को नहीं मिला स्ट्रेचर

राजद विधायक ने नजारा देख कहा- ये घोर लापरवाही

निज संवाददाता। गया

गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हीट स्ट्रोक से पीड़ित मरीज को स्टील की कुर्सी पर लेटाकर अस्पताल के अंदर ले जाया गया। दो-तीन लोग कुर्सी को घसीट रहे थे और मरीज कुर्सी पर लेटे हुए थे। अस्पताल की ओर से एक स्ट्रेचर तक नहीं दिया गया। इसी दौरान वहां गुरुआ के राजद विधायक विनय यादव पहुंच गए। उन्होंने भी देखा मरीज को कैसे वार्ड तक ले जाया जा रहा है। वे खड़े होकर देखते ही रह गए। उन्होंने काफी नाराजगी जताई। कहा कि पिछली बार भी आए थे तो डीएम को अवगत कराएं थे। यहां घोर लापरवाही है।

बहुत ही दयनीय स्थिति हैः विधायक ने कहा कि एक स्ट्रेचर तक बिहार सरकार की ओर से व्यवस्था नहीं हो रही है। हमारी सरकार बोलती है कि सुशासन की सराकर है। आज मरीज को देख लीजिए कि कुर्सी पर उतारा जा रहा है। ये बहुत ही निंदनीय है। गया में लू से प्रत्येक दिन 20 से 30 लोगों की मौत हो रही है और कोई देखने वाला नहीं है। सरकार एकदम कान में रुआ डालकर सोई है। आज देखिए स्ट्रेचर नहीं है। कैसे मरीज का इलाज होगा। मगध मेडिकल की ये स्थिति दयनीय है।

45 के पार जा चुका पाराः मालूम हो कि गया में गर्म हवाओं की वजह से लोग लू के शिकार हो रहे हैं। पिछले 9 दिन से कड़ी धूप हो रही है। पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो चुका। ऐसे में लोग बीमार पड़ रहे।

19 जून तक बंद रहेगी क्लास 1-8 तक की पढ़ाई

निज संवाददाता। गया

बिहार में प्रचंड गर्मी हो रही है। ऐसे में एक बार फिर से स्कूलों की छुट्टी आगे बढ़ा दी गई है। गया में भीषण गर्मी को लेकर जिलाधिकारी डॉ.त्यागराजन एसएम ने 1 से 8 तक के क्लास को 19 जून तक बंद कर दिया है। साथ ही सभी कोचिंग संस्थानों को भी लू के बढ़ते प्रभाव को लेकर बंद रखने का निर्देश दिया है। हीटवेव से बचने के लिए जिलाधिकारी डॉ.त्यागराजन एसएम ने प्रेस रिलीज जारी किया है। उन्होंने कहा कि 18 और 19 जून को हीटवेव और लू को देखते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के क्लास 1 से 8 तक को बंद करने का निर्देश दिया है। साथ ही सभी कोचिंग संस्थानों को भी हीटवेव और लू के बढ़ते प्रभाव को

लेकर बंद रखने का निर्देश दिया है। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को भी उक्त अवधि तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

जिले वासियों से किया अपीलः जिलाधिकारी डॉ.त्यागराजन एसएम ने गया के जिलेवासियों से अपील की है कि आपदा विभाग द्वारा हीटवेव को लेकर जारी किए गए एडवाइजरी का पूरी तरह से पालन करें। जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें।

बदमाशों ने सरकारी स्कूल में लगाई आग

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में बदमाशों ने सरकारी स्कूल में आग लगा दी। अगलगी में 22 बोरा चावल जल गया। मामला बिन्द प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय इब्राहिमपुर का है। घटना का खुलासा मंगलवार की सुबह हुई जब ग्रामीण खेतों में काम करने के लिए निकले, तब उन्हें विद्यालय से धुआं निकलता हुआ दिखाई पड़ा। विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष पति ने बताया कि सुबह में स्कूल के पास ग्रामीणों की भीड़ जमा थी। स्कूल के ऑफिस के अंदर से धुआं निकल रहा था। विद्यालय के प्रधानाचार्य को घटना की जानकारी देने के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। नहीं तो ऑफिस का सारा सामान जलकर राख हो जाता।

जल्द बदमाशों को पकड़ लिया जाएगाः उत्क्रमित मध्य विद्यालय इब्राहिमपुर के प्रधानाचार्य मोहम्मद अरशद इमाम ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बिन्द थाना में आवेदन दिया है। जिसमें उन्होंने बताया कि मंगलवार की अहले सुबह ग्रामीणों के से सूचना मिली कि स्कूल के ऑफिस से धुआं निकल रहा है। ग्रामीणों ने कार्यालय का ताला तोड़कर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण 22 बोरा चावल जलकर राख हो गया। इसके पूर्व भी विद्यालय में आग लगाने की घटना और विद्यालय के समाग्रियों की चोरी की घटना घट चुकी है। बिन्द थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। अज्ञात बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

गुजरात से घर लौट रहे व्यक्ति की संदिग्ध मौत, परिजन लू लगने की जता रहे आशंका

आधार कार्ड से पुलिस ने की शव की पहचान

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में संदिग्ध हालत में एक अधेड़ की मौत हो गई। मामला पावापुरी ओपी क्षेत्र के चोरसुआ पुल के समीप का है। पॉकेट में मिले आधार कार्ड से शव की पहचान मानपुर थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी विशेश्वर महतो के (48) वर्षीय पुत्र रंजीत प्रसाद के रूप में की गई। परिजन पुलिस की मदद से शव को देर रात पोस्टमॉर्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। मृतक के भतीजे ने बताया कि उसके चाचा गुजरात में रहकर फैक्ट्री के अंदर मजदूरी करने का काम करते थे। गुजरात से ट्रेन पकड़कर गया उतरे थे। जहां सोमवार को बस पकड़कर बिहार शरीफ पहुंचे और ऑटो से मानपुर के लिए निकले थे। मानपुर पुलिस

ने घटना की जानकारी दी। परिजन अंदेशा व्यक्त कर रहे हैं कि ऑटो से मानपुर आने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई होगी और उन्हें चोरसुआ पुल के समीप ऑटो वाला उतार कर चला गया होगा। गर्मी के कारण वे लू की चपेट में आ गए हैं और उनकी मौत हो गई।

आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगीः पावापुरी ओपी प्रभारी रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली की एक शव चोरसुआ पुल के समीप पड़ा हुआ है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अधेड़ के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान कर परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। प्रथम दृष्टिया लू लगने से मौत की आशंका व्यक्त की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

तार के पेड़ से गिरकर युवक की मौत, नीरा निकालने के लिए चढ़ा था, बैलेंस बिगड़ने पर हुआ हादसा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में तार के पेड़ से गिरकर एक युवक की सोमवार को मौत हो गई। मामला नगरनौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बलधा गांव का है। मृतक की पहचान बलधा गांव निवासी फग्गू चौधरी के (39) वर्षीय पुत्र पुनीत चौधरी के रूप में की गई है। परिजन देर शाम शव के पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। मृतक के परिजन ने बताया कि हर दिन की तरह पुनीत चौधरी नीरा निकालने के लिए तार के पेड़ पर चढ़ा था। अचानक उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह तार के पेड़ से नीचे गिर गया। जिसके कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए चण्डी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल बिहार शरीफ में भी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। रास्ते में ले जाने के दौरान युवक की मौत हो गई।

♦ पीएमसीएच ले जाने के दौरान तोड़ा दम

आवेदन मिलने पर कार्रवाई होगीः मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। नगरनौसा थानाध्यक्ष शैलेश कुमार झा ने बताया कि तार के पेड़ से गिरने के कारण युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन से कटकर किशोरी की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में फतुहा-इस्लामपुर रेलखंड पर ट्रेन से गिरकर एक किशोरी की मौत हो गई। मामला एकंगरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत महुआ बाग गांव के समीप की है। मृतका की पहचान महुआ बाग निवासी सुरबिंद प्रसाद की (15) वर्षीया पुत्री पायल कुमारी है। मंगलवार की सुबह शव के पोस्टमॉर्टम को लेकर परिजन बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। घटना के संबंध में पायल कुमारी के भाई प्रिंस राज ने बताया कि हटिया-इस्लामपुर ट्रेन से बहन सोमवार की शाम पटना जा रही थी। एकंगरसराय स्टेशन पर सवार होकर जैसे ही वह पटना जाने के लिए निकली, तभी अचानक महुआ बाग के समीप वह ट्रेन से नीचे गिर गई। जिसके कारण ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी तो परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं, इस मामले में एकंगरसराय थाना अध्यक्ष

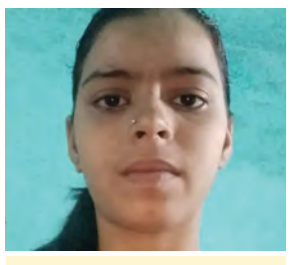

♦ हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस से जा रही थी पटना, फतुहा-इस्लामपुर रेलखंड पर गिरकर तोड़ा दम

अखिलेश कुमार झा ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से मौत की सूचना पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

रॉन्ग साइड से आ रहे टेम्पो में अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर, महिला की मौत

- कारणः रॉन्ग साइड से आ रहे टेम्पो में अनियंत्रित कार की जोरदार टक्करयात्रियों के बीच चलाया जा रहा जागरूकता अभियान
- टेम्पो में सवार एक महिला की मृत्यु इलाज के दौरान
- टेम्पो चालक और एक 15 माह का बच्चा गंभीर रूप से घायल
- घायलों को शिक्षकगण पप्पू शर्मा, मुकेश कुमार सिंह, और मौसम कुमारी ने अस्पताल पहुँचाया
- टेम्पो चालक द्वारा रॉन्ग साइड से लाइन चेंज करने के दौरान दुर्घटना

निज संवाददाता

रजौली (नवादा)। थाना क्षेत्र के हरदिया के सेक्टर बी के समीप रॉन्ग साइड से आ रहे टेम्पो में अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में टेम्पो में सवार एक महिला की मृत्यु इलाज के दौरान हो गई है। वहीं टेम्पो चालक समेत एक 15 माह का बच्चा गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हरदिया एवं चितरकोली से आ रहे शिक्षकगण पप्पू शर्मा, मुकेश कुमार सिंह एवं जीविका की मौसम कुमारी बाइक एवं ई-रिक्शा की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल भर्ती कराया। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. सतीश चन्द्र सिन्हा ने बताया कि घायल बच्चे की पहचान चितरकोली गांव निवासी अखिलेश सिंह के 15 माह के पुत्र नन्दन कुमार व पत्नी नेहा देवी एवं हरदिया के सेक्टर डी निवासी राजेन्द्र पण्डित के पुत्र पिन्टू कुमार के रूप में हुई है। चिकित्सक ने बताया कि घायल बच्चा एवं उसकी मां के सिर एवं अन्य हिस्सों में गम्भीर चोटें आई है। जिसका प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है। वहीं टेम्पो चालक के सिर एवं पैर टूट गया है, जिसका प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं घायलों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं घायलों के परिजनों ने बताया कि नेहा देवी अपने बच्चे को लेकर रजौली बाजार जा रही थी। टेम्पो चालक सवारी बैठाने को लेकर रॉन्ग साइड से हरदिया के सेक्टर बी के समीप बने कट से लाइन चेंज करने के दौरान अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटनाग्रस्त के बाद कार सवार भागने का प्रयास किया, किन्तु कार का रेडीवाटर फट जाने के कारण कार हरदिया मोड़ के समीप ब्रेक डाउन हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने कार पर सवार लोगों को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं सड़क दुर्घटना की सूचना पर थाने से पुलिस बल पहुंच दुर्घटनाग्रस्त टेम्पो संख्या बीआर52ए9012 एवं कार संख्या जेएच10बीएल6819 को जप्त किया गया। कार पर सवार रहे दो सहोदर भाइयों ने बताया कि वे बाढ़ में अंतिम संस्कार कर वापस झारखण्ड लौट रहे थे। इस बाबत पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों का प्राथमिक इलाज अस्पताल में किया गया एवं तीनों घायलों को नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया था।सदर अस्पताल में इलाज के दौरान घायल महिला नेहा देवी की मौत होने की सूचना मिल रही है। हालांकि अभी तक किसी के द्वारा लिखित आवेदन नहीं प्राप्त हुआ है। आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस अग्रतर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित किया जाएगा।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, मची सनसनी

निज संवाददाता

नवादा। गया-किऊल रेलखंड पर अज्ञात व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक के किनारे पुलिस क़ो पड़ी मिली, जिसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। शव मिलने के बाद आसपास के इलाके में सनसनी मच फैल गयी, पहचान के लिए ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गयी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शव का पहचान नहीं हो सका है। चौकीदार पिंटू कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना क़ो सूचना मिली कि शादीपुर हॉल्ट के समीप गया -किऊल रेलखंड के रेलवे ट्रैक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच किया और पहचान कराने की कोशिश की ।जब पहचान नहीं हुई तो कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव क़ो पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां पहचान के लिए शव क़ो रखा जाएगा। स्थानीय लोगों एवं पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया घटना रेल दुर्घटना प्रतीत होती है। ट्रेन के चपेट में आकर टक्कर लगने से मौत हुई होगी। मृतक के शरीर पर दुर्घटना के चोट के निशान है। बहरहाल मृतक के परिजनों की तलाश है, परिजन के पहचान और थाने क़ो दिए आवेदन के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार

नवादा (नि.सं.)। जिले के उग्रवाद प्रभावित परनाडावर पुलिस ने दो अलग अलग स्थानों पर छापामारी कर चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी व फरार अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इस बावत थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष रंजन चौधरी ने बताया कि थाना कांड संख्या 75/24 के फरार आरोपी जिरवातरी गांव के अरविंद प्रसाद पिता राजेन्द्र प्रसाद यादव के लवनीमढ़ी से मोटरसाइकिल के द्वारा अपने घर वापसी की गुप्त सूचना मिली। सूचना के आलोक में की गयी घेराबंदी के क्रम में उसे धर दबोचा। जांच में फर्जी पाया गया। बरामद मोटरसाइकिल के इंजन व चेचिस नम्बर की जांच करने पर वह सिरदला थाना लौंद हेमजादेवपाल गांव के सुनील चौधरी पिता प्रसादी चौधरी के नाम रजिस्टर्ड नम्बर बी आर 27- बी- 0209 पाया गया।

बारिश नहीं होने से खेती किसानी का कार्य पिछड़ा

- मानसून की देरी से जून माह के आधे बीत जाने के बाद भी तेज धूप और गर्मी।

निज संवाददाता

रजौली (नवादा)। नगर पंचायत समेत प्रखण्ड में मानसून इस साल रूठता हुआ नजर आ रहा है। ज्येष्ठ माह समाप्त होने को है, परंतु तेज धूप तथा गर्मी के मारे लोगों का बुरा हाल है। तेज गर्मी का असर भूजल स्तर से लेकर धान की फसल तक में नजर आ रहा है। जून माह का आधा महीना बीतने के बाद भी कई स्थानों पर अब धान के खेतों में दरारें नजर आने लगी हैं तथा किसानों को बादल ताकना पड़ रहा है।जिसका असर धान की फसल पर पड़ता हुआ नजर आ रहा है। तेज धूप की वजह से खेतों की नमी भी तेजी से सूखती जा रही है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गयी है। बारिश नहीं होने से प्रखण्ड में इस वर्ष कृषि कार्य बेहद पिछडने लगे हैं। यदि इसी प्रकार बारिश ना हुई तथा तेज धूप रही तो आगामी एक सप्ताह बाद धान की फसल को तगड़े नुकसान की आशंका हो सकती है। विदित हो कि इस वर्ष मौसम विशेषज्ञों ने जोरदार मानसून की भविष्यवाणी की थी, जिसके बाद अब तक मानसून ने दस्तक नहीं दी है। कृषि प्रधान क्षेत्र रजौली प्रखण्ड में रोहन मध्य होते ही अगात धान रोपनी करने वाले किसान बिचड़ा गिराने का कार्य शुरू कर देते थे। परंतु इस वर्ष रोहिणी नक्षत्र के शुरुआत से ही सूर्यदेव के प्रचंड ताप के कारण किसानों द्वारा बिचड़ा गिराने की शुरुआत भी नहीं की गई। अब आधे से अधिक मृगशिरा समाप्त होने के बाद किसान बिचडा गिराना शुरू किया है। लेकिन सूर्य के प्रचंड ताप से बचने के लिए किसानों को जद्दोजहद करनी पड़ रही है। बता दें कि किसानों के लिए नगदी उपार्जन का एकमात्र जरिया धान और गेंहू की खेती ही रह गई है। जो लगभग प्रखंड के हर गांव के सभी खेतों में आच्छादित को जाती है। कृषि समन्वयक सह नोडल पदाधिकारी धनंजय कुमार ने बताया कि रजौली क्षेत्र में 660 हेक्टेयर में बिचड़ा लगाने का लक्ष्य रखा गया है। किंतु बारिश नहीं होने एवं जलस्तर में कमी रहने के कारण किसानों के द्वारा अबतक मात्र 1% बिचड़ा खेतों में गिराया गया है।

रेल मुख्यालय हाजीपुर में देवकी नंदन खत्री की जयंती सह हिंदी कार्यशाला का आयोजन

निज संवाददाता

हाजीपुर (वैशाली)। पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय हाजीपुर में साहित्यकार देवकी नंदन खत्री की जयंती व हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मनीष शर्मा मुख्य महाप्रबंधक सिगनल व दूरसंचार इरकॉन पटना ने कहा कि हिंदी संघर्ष की भाषा है और उसका स्वरूप बदलता रहा है। हिंदी में कार्य करने के लिए परंपरागत माध्यमों के साथ नए माध्यमों को अंगीकार करना होगा। आज के दौर में कई ऐप हैं जो हिंदी सीखा रहे हैं और हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। भारतीय रेल पूरे देश को जोड़ता है और हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए स्वयं सबसे बड़ा माध्यम है। हमें हमारी मानसिकता को बदलना होगा और अपनी भाषा पर गर्व करना होगा। हमें अपनी भाषा के प्रति कट्टर नहीं। उदार होना चाहिए। तकनीक का सदुप्रयोग हमें आगे बढ़ा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है उन्होंने देवकी नंदन खत्री के उपन्यासों की चर्चा करते हुए बताया कि चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति ने कैसे हजारों लाखों लोगों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हिंदी के सुपरिचित कवि विजय कुमार विनीत भी उपस्थित थे। उन्होंने सारगर्भित वक्तव्य देते हुए देवकी नंदन खत्री के महत्व को रेखांकित किया। अन्य वक्ताओं में मनीष राज सिगनल विभाग पूमरे हाजीपुर एवं अजय कुमार सिंह भंडार विभाग पूमरे हाजीपुर थे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ। वक्ता के रूप में बोलते हुए सुरेन्द्र कुमार सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी पूमरे हाजीपुर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने में हिंदी कार्यशाला का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने भारत सरकार के राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निर्देशों का उल्लेख किया और बताया कि राजभाषा में कार्य करने के लिए नीति-नियमों को जानना जरूरी है। उनका कहना था कि हमारी मातृभाषा हिंदी है। परंतु साथ में यह भी सत्य है कि इससे हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ती है कि हम अपनी मातृभाषा के प्रयोग-प्रसार में क्या सार्थक योगदान करते हैं। उन्होंने ई-ऑफिस का उल्लेख करते हुए कहा कि आजकल शत-प्रतिशत कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से संपन्न हो रहे हैं और इस माध्यम से हिंदी में कार्य करना बहुत आसान है। इस कार्यक्रम का संचालन राजकिशोर सिंह वरिष्ठ अनुवादक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुरेश महतो कनिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया।

परिवार नियोजन के लिए लोगों को जागरूक करे : प्रभारी

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में मंगलवार को एएनएम, आशा के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डा. नवीन कुमार ने की। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संस्थागत प्रसव कराने में आप सभी अपनी भागीदारी को अवश्य निभाये, प्रसव कार्य के लिए सीएचसी में पूर्ण व्यवस्था है। आप अपने पोषक क्षेत्र सभी लोगों को जागरूक करें। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने नियमित टीकाकरण, आरसीएच पंजी समेत अन्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा एएनएम अपने पोषक क्षेत्र में परिवार नियोजन को बढ़ावा दे।

केवीके में किसानों को दिखाया गया पीएम मोदी के सम्बोधन का सजीव प्रसारण

निज संवाददाता

कौआकोल (नवादा)। प्रखण्ड के जेपी आश्रम परिसर अवस्थित राजेन्द्र भवन में मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के तत्वाधान में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली 17 वीं किस्त राशि ट्रांसफर के मौके पर यूपी के वाराणसी में आयोजित पीएम मोदी के सम्बोधन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान किसानों ने पीएम मोदी से केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार के योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। वहीं पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान किसानों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की तथा कहा कि केंद्र सरकार राष्ट्रनिर्माण एवं राष्ट्र के विकास में बहुमूल्य योगदान दे रहे।

कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर

Email Id – nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

अतिअल्पकालीन कोटेशन/दर आमंत्रण सूचना संख्या– NPB-49/2023-24(2nd Call)

नगर परिषद्, बिश्रामपुर कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी द्वारा इच्छुक पंजीकृत निर्माणकर्ता/अधिकृत विक्रेता से निम्नलिखित चापाकल मरम्मती से संबंधित सामाग्रियों के क्रय हेतु मुहरबंद निविदा के माध्यम से दर (सभी कर सहित) निविदा आमंत्रित किया जाता है। दर निविदा दिनांक– 26.06.2024 को समय 2:00 बजे अपराहन् नगर परिषद्, बिश्रामपुर के कार्यालय में प्राप्त किया जायेगा, सभी सामानों के प्रत्येक कम्पनी के अनुसार दर उल्लेख करना होगा तथा प्राप्त निविदा उसी दिन अपराहन् समय 4:00 बजे निविदादाता या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर के प्रोक्योरमेन्ट कमिटि के समक्ष खोला जायेगा।

Sr. No.	Equipment
1	Slender washer (5/2')
2	Chain Mark -II
3	Pipe Socket (5/4')
4	Tata Pipe (5/4')
5	Head Handle Mark -II
6	Body Stand Mark - II (Barrel)
7	Connecting Rod 10' 12 MM
8	M-Seal
9	Plunger Set (Brass)
10	Grease
11	Bearing (6204z)

नोटः– नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट एवं https://udhd.jharkhand.gov.in/ULB/Bishrampur/ Bishrampur. aspx पर देखा जा सकता है:–

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद् बिश्रामपुर।

PR.NO.326713 District(24-25):D

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू (जिला शस्त्र शाखा)

दूरभाष सं0–06562–224033 (का)/224044 (आ) Email Id: dc-pal@nic.in

आम–सूचना

आसन्न लोकसभा आम चुनाव, 2024 की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। आदर्श आचार संहिता समाप्ति की घोषणा के फलस्वरूप पलामू जिला में पंजीकृत शस्त्र अनुज्ञप्ति पर धारित शस्त्रों को स्थानीय थानें/शस्त्रागार दुकान में जमा शस्त्र को मुक्त किया जाता है। सभी अनुज्ञप्तिधारी अपने जमा शस्त्रों को स्थानीय थाना/शस्त्रागार दुकान से प्राप्त कर लें।

ह0/–
उपायुक्त, पलामू

PR 326682 Palamu(24-25)#D

बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए सदा रहूंगा तत्पर : विवेक

निज संवाददाता

नवादा। नवादा संसदीय सीट पर विजय का परचम लहराने के बाद मंगलवार को पकरीबरावां प्रखंड के बुधौली ग्राम जाने के क्रम में वारिसलीगंज नगर परिषद मुख्यालय के सरदार पटेल चौक पहुंचे सांसद विवेक ठाकुर का एनडीए कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने विवेक ठाकुर को फूल मालाओं से लाद दिया। उनके चौपहिया वाहनों के काफिले के साथ जिले के सैंकड़ों एनडीए के नेता और कार्यकर्ता साथ चल रहे थे।स्वागत से अभिभूत विवेक ठाकुर ने कहा कि बिना भेद भाव के समाज के हरेक वर्ग के लोगों के मान-सम्मान, हक-हुकूक तथा कल्याण के लिए मैं सदैव आपके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि विकसित नवादा मेरा संकल्प है। वारिसलीगंज क्षेत्र का सर्वांगीण विकास का खाका मेरे पास है, जिसे हर हाल में पूरा करना है। इस अवसर पर नवादा जिला भाजपा मीडिया प्रभारी अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा, अखिल भारतीय धानुक संघ के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कुमार राय, जेडीयू नगर अध्यक्ष अजय कुमार राय, सोशल एक्टिविस्ट रणविजय कुमार, नगर परिषद उपाध्यक्ष अरुण कुमार, समाजसेवी भूषण प्रसाद, पूर्व वार्ड पार्षद डा. कैलाश प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र कुमार, अनिल यादव, लोजपा नेता भगवान दास, अशोक कुमार, दिनेश प्रसाद जानकी प्रसाद, गुड्डू कुमार, विकास मिस्त्री आदि ने सांसद विवेक ठाकुर को विकास कार्यों में सहयोग का भरोसा दिया।

निबंधन संख्या 18/ नवादा 2008

खरांट प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति लिमिटेड

प्रखण्ड – नवादा, 805123, जि. नवादा (बिहार)

आवश्यकता

खरांट प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति लि०. प्रखंड- नवादा सदर निबंधन सं0 - 18/ नवादा 2008 दिनांक 6.11.2008 में आदर्श सेवा नियमावली के तहत एक प्रबंधन की नियुक्ति की जाती है। इच्छुक उम्मीदवर दिनांक 30.06.2024 तक पैक्स कार्यालय, पकड़िया, (खरांट), नवादा सदर 805123 में आकर संपर्क करें। आवेदक शैक्षणिक योग्यता, स्नातक, कम्प्यूटर - ADCA/DCA (टैली के साथ), उम्र -18 वर्ष से 45 वर्ष तक।

रीता देवी
अध्यक्ष, खराट पैक्स
जिला–नवादा

कार्यालय :– कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), लातेहार

सयुंक्त जिला कृषि कार्यालय भवन, प्रथम तल, कीनामाड़, लातेहार–829206

Website :- www.atmalatehar.in E-mail :- atmalatehar@gmail.com

आवश्यक सूचना

राज्य मिशन निदेशक, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–126 दिनांक 28.05.2024 एवं 129 दिनांक 07.06.2024 के द्वारा दलहन, धान, मोटे अनाज, तेलहन एवं न्युट्री सिरियल योजना अन्तर्गत 50% अनुदान पर कृषि उपादान किसानों के बीच वितरण हेतु लक्ष्य प्राप्त है जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है:–

क्र०	कृषि उपादान नाम	भौतिक लक्ष्य	अधिकतम अनुदान की राशि (रू०में)
1	माईक्रोन्युट्रीएन्ट	1199 ha	Rs. 500 Per ha or 50 % of Cast whichever is less
2	जिप्सम	934 ha	Rs. 750 Per ha or 50 % of Cast whichever is less
3	लाईम	733 ha	Rs. 1000 Per ha or 50 % of Cast whichever is less
4	बायोफर्टिलाईजर	787 ha	Rs. 300 Per ha or 50 % of Cast whichever is less
5	पी०पी० केमिकल	921 ha	Rs. 500 Per ha or 50 % of Cast whichever is less
6	खरपतवारनाशी	599 ha	Rs. 500 Per ha or 50 % of Cast whichever is less

अतः किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि निम्न शर्तो के अनुसार योजना का लाभ लिया जा सकता है:–

1. आवेदन पत्र प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक से अभिप्रमाणित कराकर जमा करें।
2. प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक/सहायक तकनीकी प्रबंधक/जनसेवक के द्वारा किसानो को कृशि उपादान वितरण टोकन आधारित होगी।
3. अनुदान की राशि का भुगतान किसानों के खाते में DBT के माध्यम से किया जाएगा।

परियोजना निदेशक,
आत्मा, लातेहार।

PR 326724 Agriculture(24-25)D

बिहार सरकार

समाहरणालय, औरंगाबाद (जिला कल्याण शाखा)

नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

औरंगाबाद जिला अन्तर्गत अत्यन्त पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग समुदाय के बालकों के लिए संचालित जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास, ग्राम– कर्मा भगवान औरंगाबाद में स्वीकृत छात्रबल के विरूद्ध 100 सीट पर नामांकन की कार्रवाई की जा रही है, जिसमें अत्यन्त पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के समुदाय के छात्रों को निःशुल्क आवासन की सुविधा के साथ–साथ प्रतिमाह रू0 1000/– अनुदान, प्रमिताह 15 कि0ग्रा0 खाद्यान्न, डिजिटल अध्ययन केन्द्र एवं पुस्तकालय आदि की सुविधा उपलब्ध है। उक्त छात्रावास में नामांकन हेतु आवेदन–पत्र संबंधित जिला कल्याण कार्यालयय, औरंगाबाद सूचना प्रकाशन की तिथि से अगले दस दिनों तक प्रत्येक कार्य दिवस में आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए छात्र/अभिभावक प्रत्येक कार्य दिवस को अपराह्न 01:00 बजे से 03:00 बजे तक जिला कल्याण कार्यालय, औरंगाबाद में सम्पर्क कर सकते हैं।

नामांकन की शर्तें :–

1. आवेदक अत्यनत पिछड़ा वर्ग जाति का छात्र हो।
2. बिहार राज्य का निवासी हो।
3. औरंगाबाद स्थित किसी भी सरकारी/मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में प्रवेशिकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकित हो।
4. अहर्त्ता प्राप्त आवेदकों में उच्च प्राप्तांक वाले छात्रों को प्राथामिकता दी जायेगी।

आवेदन की प्रक्रिया :–

1. आवेदन–पत्र, विहित–प्रपत्र में हस्तलिखित/टंकित होना चाहिए।
2. आवेदन–पत्र के साथ सभी वांछित प्रमाण–पत्रादि (आवेदन–पत्र के निम्नभाग में अंकित संलग्न किया जाना आवश्यक है।

आवेदन पत्र के सभी कॉलम सही–सही भरा हुआ होना चाहिए, अपूर्ण भरे हुए आवेदन–पत्र एवं वांछित अनुलग्नक नहीं संलग्न किये गए आवेदन–पत्र रद् कर दिये जायेगें। निर्धारित समय–सीमा के बाद प्राप्त आवेदन–पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। आवेदन–पत्र में दी गई सूचना गलत पाये जाने पर गलत सूचना अंकित करने वाले छात्रों का नामांकन रद्द करने का अधिकार नामांकन समिति को होगा।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
औरंगाबाद

PR. No. 002003 (Welfare) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

पानी गिराने के विवाद में मारपीट, तीन घायल

आरा। संदेश थाना क्षेत्र के सुंदर पुर गांव में छत पर पानी गिराने के विवाद में दो पक्षों के बिच हुई मारपीट की घटना में महिला समेत तिन लोग घायल हो गए। घायल लोगो में संदेश थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव निवासी शिव कुमारी देवी उम्र 65 वर्ष पति शिव प्रसाद सिंह , शिव प्राशन सिंह उम्र 70 वर्ष पिता स्वर्गीय रिखीमुनी सिंह और संतोष कुमार सिंह उम्र 30 वर्ष पिता शिव प्रसन सिंह है। घटना के बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने तीनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां सभी का इलाज चल रहा है। घायल संतोष कुमार सिंह ने बताया की मेरे घर के बगल के ही लोगों ने मेरे छत पर पानी गिरा रहा था। जिसका विरोध मैंने किया। इसी बात पर मारपीट हो गई। जिसमें हम सभी घायल हो गए।

घटना के 14 दिन बाद भी कमलेश हत्याकांड का नहीं हुआ खुलासा

आरा। आरा कोईलवर थाना की पुलिस ने कमलेश हत्या कांड की 14 दिन बित जाने के बाद भी कांड का उद्भेदन नही कर पाई है और न ही नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी ही हो सकी है। कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम कुमार ने बताया की कमलेश कुमार हत्या कांड में शामिल नामजद आरोपियों की अभी गिरफ्तारी नही हो पाई है। सभी आरोपी घर छोड़कर फरार है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है। जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 4 जून मंगलवार की रात 10.30 बजे कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेर चक कुल्हाड़िया गांव निवासी कई कांडों में फरार चल रहा । कुख्यात अपराधी मिथलेश पासवान को नामजद लोगों ने गोली मार कर हत्या दिया था। कमलेश पासवान कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेरचक कुल्हाड़िया गांव निवासी सुरेश पासवान का 28 वर्षीय पुत्र था। मृतक को एक गोली सर में पीछे और 6 गोली कमर के ऊपर सिने तक मारी गई थी। कमलेश पासवान का शव कोईलवर पुलिस को कुल्हाड़िया गांव से कुछ दूर पहले ही सड़क किनारे गढ़े में पड़ा मिला था। राहगीरों द्वारा सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची थी। शव को पोस्ट मार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज शव की पहचान कर मृतक के परिवार के लोगों को घटना की सूचना दे दिया था।

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार, भेजा जेल

बक्सर। टाउन थाना पुलिस ने रविवार की शाम शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। टाउन थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर स्टेशन रोड से कोरान सराय गांव के रामजी साह के पुत्र गुड्डू साह को करीब 18 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। युवक यूपी से शराब की खेप लेकर आ रहा था।

किशोरी अपहरण मामले का खुलासा, आरोपित को भेजा जेल

गड़हनी। गड़हनी सोमवार को गड़हनी पुलिस ने एक नाबालिग के अपहरण के मामले एक आरोपी को जेल भेज दिया।मामला गड़हनी थाना क्षेत्र के बराप गांव से जुड़ा हैं,जहाँ बीते दिनों बराप निवासी एक विधवा महिला ने अगिआंव (ग) थाने में अपनी पुत्री का अपहरण करने के खिलाफ़ में चार लोगों को आरोपित करते हुए आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई थी। पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष रणवीर कुमार ने तत्वरित करवाई करते हुए तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से नई दिल्ली स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया।बतादें की किशोरी की विधवा माँ ने आवेदन में बताया था कि उनकी 14 वर्षीया पुत्री 12 जून की दोपहर करीब तीन बजे अपने घर से राशन लाने गड़हनी बाजार निकली थी। काफी देर बीत जाने के बाद जब पुत्री घर वापस नहीं आयी, तो इसकी सूचना अपने पुत्र एवं परिजनों को दी।

पटना आनन्द विहार स्पेशल ट्रेन रद्द, परेशानी

बक्सर। गर्मी में रेलयात्रियों को सफर करने में काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ट्रेनों में धक्का मुक्की की स्थिति हर देखी जा रही है। इसका मुख्य वजह ट्रेनों का कैंसिल होना और लेट होना बताया जा रहा है। सोमवार को कुछ ऐसा ही हुआ। जब पटना आनन्द विहार 02351 स्पेशल अप ट्रेन को कैंसिल होने की सूचना मिली। यात्रियों में मायूसी छा गई।

मृतक पकड़ी गैस एजेंसी वार्ड नंबर 15 का था निवासी

आरा। रविवार को टाउन थाना क्षेत्र के गांगी पुल के पास एक शव मिला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवा कर शव को पहचान के लिए रख दिया था। सोमवार को परिवार के लोगों ने शव की पहचान कर लिया। मृतक श नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी गैस एजेंसी वार्ड नंबर 15 निवासी स्व. ललन प्रसाद के 51 वर्षीय पुत्र राम बाबू प्रसाद था। वह चंदवा मोड़ पर दुकान में सब्जी बेचते थे। परिजनों ने बताया कि रविवार की दोपहर वह घर से बाजार जाने के लिए निकले थे। देर शाम तक घर नहीं लौटे, तो काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। सोमवार की सुबह अखबार में अज्ञात शव मिलने की खबर पढ़ सदर अस्पताल पहुंचे और पोस्टमार्टम गृह में जाकर शव की पहचान की। पुलिस द्वारा लू-लगने के कारण अधेड़ की मौत होने की आशंका जताई गई थी। बताया जा रहा है कि सब्जी विक्रेता अपने पांच भाई व तीन बहनों में बड़े थे।

सुविधा एक्स. के ठहराव से यात्रियों को लाभ नहीं

ब्रह्मपुर। रघुनाथपुर के यात्रियों को सुविधा एक्सप्रेस के स्टॉप का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुंबई जाने के लिए इस ट्रेन में टिकट खाली होने के बावजूद यात्री यात्रा करने में कतराते नजर आते हैं। कारण है इसका डायनेमिक फेयर प्राइस सिस्टम। इस प्रणाली के कारण इस ट्रेन में रघुनाथपुर से मुंबई तक के टू टियर एसी का किराया कभी कभी 8000 रुपए तक भी चला जाता है, जिस कारण इसकी पूरी टिकटें भी बुक नही हो पाती। अभी हाल ही में रघुनाथपुर स्टेशन पर पटना लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस का भी स्टॉप हुआ है लेकिन अमूमन यह बर्थ की अनुपलब्धता और लंबी वेटिंग का शिकार रहती है। ऐसे में सुविधा एक्सप्रेस यहां के यात्रियों के लिए एकमात्र विकल्प हो सकती थी लेकिन डायनेमिक फेयर प्राइस के कारण यात्री इसमें यात्रा करने से बचते नजर आते हैं।

बारिश नहीं होने से कृषि कार्य अबतक शुरू नहीं

बक्सर। मृगशिरा नक्षत्र को बीते 9 दिन हो चुके, लेकिन जिले में अब तक कृषि कार्य भी शुरू नहीं हो सका है। जिले में वर्षा के अभाव में बिचड़ा गिराने का रफ्तार भी धीमी है। वर्षा नहीं होने के कारण जल स्तर भी नीचे चला गया है। इससे पेयजल संकट भी बना हुआ है। जिसके कारण किसान अपने खेतों में धान का बिचड़ा नहीं बो सके हैं। इससे किसानों को परेशानी बढ़ी हुई है।रोहिणी नक्षत्र में जैसे आसमान से आग के गोले बरस रहे थे। वैसे हीं मृगशिरा नक्षत्र भी तप रहा है। मौसम में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं आया है। किसान अजय कुमार, रविन्द्र कुशवाहा समेत अन्य किसान कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र में किसान धान का बिचड़ा गिराने का काम करते थे। ऐसी मान्यता है कि इस नक्षत्र में बोए गए धान का बिचड़ा से अच्छी फसल होती थी। लेकिन इस बार खेतों में नमी नहीं रहने के कारण खेत की तैयारी करने में भी देर हुई है।

मार्ट मालिक समेत दो को मारी गोली, फरार

निज संवाददाता। आरा

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर की आगजनी

भोजपुर में सोमवार की रात गोलीबारी हुई। नमस्ते मार्ट के मालिक और एल्यूमीनियय दुकान स्टाफ को गोली लगी है। अपराधी पांच की संख्या में आएं थे और 6 राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। मार्ट के मालिक को बाएं साइड पेट में और एल्यूमीनियय दुकान के स्टाफ को बाएं साइड बाह पर गोली लगी है। दोनों का बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गोलीबारी का सीसीटीवी भी सामने आया है। वारदात के बाद स्थानीय दुकानदार और लोगों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जीरो माइल के समीप सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी भी की गई। सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। आवागमन ठप हो गया। सूचना पर सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार और उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दुकानदार और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। दुकान और आसपास के लगे सीसीटीवी को खंगाला। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

CCTV में फायरिंग करते दिखे अपराधी: पूरी वारदात की सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें देखा जा सकता है दो युवक बाइक से उतरे और दुकान की ओर जाने के बाद फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान दो लोगों को गोली लग जाती है। अपराधियों का चेहरा साफ दिख रहा है। जिसमें एक अपराधी काली टीश-र्ट और पैंट में है। मुंह पर मास्क भी लगाया है। जो दुकान के समीप आता है और बंदूक निकालकर गोली चलने लगता है। दूसरा चेहरा ढक कर दुकान की ओर फायरिंग करते हुए जाता है। जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी स्व. जग दयाल सिंह के 65 वर्षीय पुत्र सह नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह और स्टाफ चरपोखरी थाना क्षेत्र काउप गांव निवासी अजीत कुमार सिंह का 27 वर्षीय पुत्र पप्पू कुमार है। फायरिंग का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

प्रकार का विवाद और दुश्मनी नहीं: जख्मी नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह के बेटे राजीव कुमार ने बताया कि वे लोग दुकान पर काम कर रहे थे। तभी दो अलग-अलग बाइक पर सवार पांच हथियारबंद अपराधी दोनों दुकान पर आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। दो लोगों को गोली लगी है। दुकान के आगे का ग्लास क्षतिग्रस्त हो गया। राजीव कुमार ने अपराधियों से किसी भी विवाद, दुश्मनी और रंगदारी मांगने से इनकार किया है।

सीसीटीवी को खंगाला जा रहा: सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित दुकान पर गोली चली है। पहले सूचना मिली के एक युवक को गोली लगी है। फिर दूसरे युवक को भी गोली लगने की बात सामने आई। हम लोग इस घटना की जांच कर रहे हैं और आसपास के लगे सभी सीसीटीवी के फुटेज को भी खंगाल रहे हैं।

जिसने भी घटना को अंजाम दिया उसे छोड़ा नहीं जाएगा: सहायक पुलिस अधीक्षक ने कहा घटना को जिसने भी अंजाम दिया है उसे छोड़ नहीं जाएगा। 24 घंटे के लिए सुरक्षा भी प्रोवाइड कर रहे हैं। कल भी गोलीबारी की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने एक्शन भी लिया है और जो भी सीसीटीवी फुटेज हमे मिला था उसकी भी जांच की जा रही है। गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। आज भी जिन लोगों ने गोली चलाई है। वह वही लोग हैं या किसी और गैंग के हैं। उसकी जांच की जा रही है।

दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया: सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी मार्ट के मलिक को गोली पेट के निचले हिस्से में गोली लगी थी। गोली लगने के कारण उनके पेशाब की थैली और बड़ी आंत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि दूसरे जख्मी को बाएं हाथ में बांह पर गोली लगी। जो बाएं साइड सीने में जाकर फंस गई थी। तत्काल दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है। डायमंड पाट्र्स को रिपेयर कर दिया गया है। हालांकि अभी दोनों लोगों को 72 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

अवैध रूप से यात्रा कर रहे 25 यात्री गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

सोमवार को वरीय अधिकारी के निर्देशन पर ट्रेनों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने तथा मुख्य रूप से एसी कोचों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में विशेष रूप से अभियान चलाया गया। निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि दानापुर मंडल के टीटीई एवं आरपीएफ अधिकारी एवं जवानों के साथ गाड़ी संख्या 15125 जन शताब्दी एक्स,15657 ब्रह्मपुत्र मेल, 20802 मगध एक्सप्रेस, 13237 पटना कोटा एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 12792 दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस से 25 व्यक्तियों को पकड़ा गया। जिनसे टीटीई के द्वारा ईएफटी के माध्यम से लगभग 16000/ जुर्माना वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों को हमेशा स्टेशन पर उद्घोषणा के माध्यम से तथा पंपलेट ,पोस्टर के माध्यम से ट्रेनों में अधिकृत यात्री ही एसी कोच में चढ़ने हेतु जागरूकता अभियान एवं उद्घोषणा कराया जाता है। फिर भी कुछ यात्री एसी कोच में अनाधिकृत रूप है चढ़ते हैं। जिनको जुर्माना भरना होता है। साथ ही जुर्माना नहीं जमा करने पर जेल भी हो सकता है। यह अभियान लगातार रेलवे की तरफ से चलाया जा रहा है, ताकि पहले से आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लू लगने से चालक समेत दो की मौत, रेलवे स्टेशन रोड से शव किया बरामद

निज संवाददाता। आरा

दूसरे की पहचान के लिए पुलिस कर रही कोशिश

भोजपुर में लू लगने से दो लोगों एक चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई। एक की पहचान नहीं हुई है। आरा-सासाराम रेलखंड पर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के पीरो पुराने रेलवे स्टेशन रोड स्थित पानी टंकी के समीप चालक की मौत हो गई। सूचना पीरो थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। मृतक पीरो थाना क्षेत्र के देवचंदा गांव निवासी स्व. गोरख राय का 35 वर्षीय पुत्र धनजी राय उर्फ बबुआ है। वह पेशे से चालक था। इधर पीरो थाना के चौकीदार राज नारायण सिंह ने बताया कि वह पीरो पुराना स्टेशन रोड स्थित पानी टंकी की ओर गया हुआ था। जहां लू-लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार मृतक चालक की मौत लू-लगने के कारण प्रतीत हो रही है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

आरा में अज्ञात युवक का शव बरामद: वहीं, दूसरी तरफ नवादा थाना क्षेत्र के एकता नगर मोड़ बिहारी मिल के समीप एक अज्ञात 25 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना नवादा थाना को दी गई। सूचना पाकर नवादा थाना के अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल लाया। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार मृतक अज्ञात युवक की मौत लू-लगने के कारण होना प्रतीत होती है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

भीषण गर्मी को लेकर 19 जून तक स्कूल-कोचिंग बंद, बढ़ते तापमान को लेकर DM ने दिया आदेश

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के कारण एक बार फिर 18 और 19 जून तक विद्यालय को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। जिससे छात्र छात्राओं के अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। हालांकि शिक्षकों को समय से विद्यालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। डीएम अंशुल अग्रवाल द्वारा पत्र जारी करते हुए कहा गया की सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा आठ तक के शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। उक्त अवधि में विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी विद्यालय/कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने कार्यों का संपादन करेंगे। अंशुल अग्रवाल, जिला दंडाधिकारी बक्सर के द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत बक्सर जिला अंतर्गत सभी विद्यालय (प्री स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र सहित, सभी निजी कोचिंग संस्थान) एवं केंद्रीय विद्यालय इत्यादि की शैक्षणिक गतिविधियों पर दिनांक 19 जून तक पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है।

मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के बाद लिया गया निर्णय: डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा की भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बक्सर जिला में भीषण गर्मी एवं लू की स्थिति है, जिसके कारण पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं/ बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। जिसको देखते हुए फिलहाल 19 तक विद्यालय बंद रखने का आदेश दिया गया है।

अलग-अलग मामलों में 14 अभियुक्त गिरफ्तार, 9000 रुपए वसूला जुर्माना

निज संवाददाता। बक्सर

अपराध नियंत्रण को लेकर जिले के विभिन्न थानों के पुलिस के द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष छापेमारी अभियान में पुलिस को सफलता भी मिल रही है। पुलिस ने पिछले 24 घंटे में छापेमारी कर 14 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार हत्या के प्रयास में 4, शराब के सेवन में 2, शराब बरामदगी में 2 अभियुक्त को व अन्य मामलों में 5 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। वहीं वाहन जांच क्रम में 9000 रुपए जुर्माना वसूला है। वहीं 32 वारंट का निष्पादन किया गया। बता दें कि एसपी मनीष कुमार की निर्देश पर जिले के विभिन्न थानों की पुलिस के द्वारा विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है ताकि जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे अपराधियों की नाक में नकेल कसने के लिए पुलिस के द्वारा सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत पुलिस को यह सफलता मिली है।

सड़क पर नाली का पानी बह रहा, परेशानी

निज संवाददाता। ब्रह्मपुर

प्रखण्ड के दक्षिणी नैनीजोर पंचायत के बदलईया मल्लाह बस्ती और दक्षिणी नैनीजोर पंचायत के मुखिया आवास के समीप नैनीजोर ब्रह्मपुर मुख्य सड़क पर ग्रामीणों के द्वारा अतिक्रमण कर नाली का गन्दा पानी बहाने से वाहनों से लेकर आम लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त सड़क मार्ग से होकर थाने की गस्ती पुलिस से लेकर प्रखण्ड अनुमंडल के साथ जिला प्रशासन की गाड़ीयों का आना-जाना होते रहता है। लेकिन आज तक इस समस्या का निदान के प्रति कोई आवाज नहीं उठा रहा है। नाली का गन्दा पानी बहाने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

उक्त सड़क मार्ग से सैकड़ों छोटे बड़े वाहनों के साथ साथ साईकिल और पैदल आना जाना करते हैं। लेकिन कुछ खास लोगों द्वारा अतिक्रमण कर नाली और नाले का गन्दा पानी बहाने से आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। ऐसी परिस्थिति में सड़क पर पैदल तक चलना मुश्किल हो गया है। बीडीओ हो या अनुमंडल पदाधिकारी हो डीएम कई बार आवागमन करते हैं,बावजूद ध्यान नहीं देते।

चीन से पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का सम्मान, प्रिंस ने जीते कांस्य और आरा के आदित्य ने रजत

निज संवाददाता। बेगूसराय

चीन के झेंगझोऊ में आयोजित मॉडर्न पेंटाथॉलन लेजर रन विश्व चैंपियनशिप 2024 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने एवं पदक प्राप्त कर देश लौटने पर आज बिहार के तीनों खिलाड़ियों का बिहार मॉडर्न पेंटाथॉलन एसोसिएशन द्वारा जीरोमाइल स्थित मां शैल सर्विस के सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के मौके पर चीन में भारत देश का प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों खिलाड़ियों प्रिंस कुमार, जतिन गौतम एवं आदित्य आनंद के साथ-साथ उनके पिता एवं उपस्थित अतिथियों को भी सम्मान अंगवस्त्र देकर और माला पहनाकर बिहार एवं बेगूसराय पेंटाथॉलन एसोसिएशन के संयुक्त बैनर तले सम्मानित किया गया। बिहार मॉडर्न पेंटाथॉलन एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग कुमार ने बताया कि बेगूसराय के प्रिंस कुमार एवं जतीन गौतम और आरा के आदित्य आनंद ने चीन में 6 से 10 जून तक हुए विश्व चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया। जिसमें प्रिंस ने कांस्य और आदित्य आनंद ने रजत पदक जीतकर देश एवं राज्य का मान-सम्मान बढ़ाया है। मॉडर्न पेंटाथॉलन के प्रदेश चेयरमेन डॉ.सोनू शंकर ने कहा कि हमारा संगठन खिलाड़ियों के लिए हमेशा तन-मन धन से खड़ा है। अब वह दिन दूर नहीं जब बेगूसराय और बिहार का बच्चा ओलंपिक में पदक लाएगा। उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व करने वाले तमाम खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को डॉ. रौशन भारद्वाज, पेंटाथॉलन के प्रदेश सचिव कनक कुमार, कोषाध्यक्ष सिद्धांत कुमार, भाजपा क्रीडा प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश कुमार राजू और छात्र नेता राकेश कुमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित एआईवाईएफ नेता शंभू देवा, डॉ. रणजीत मिश्रा, कुंदन कुमार, प्रमोद कुमार, महेश कुमार, संजय सिंह, अजय कुमार, सौरभ, जीत बलराज, राजा एवं अमृत समेत अन्य लोगों ने भी सभी खिलाड़ियों और मॉडर्न पेंटाथॉलन के पदाधिकारियों को बधाई दिया। इस खेल और खिलाड़ियों को हरसंभव मदद का भरोसा देने के साथ कहा कि बेगूसराय और बिहार सभी खेल विधाओं में आगे रहा है, इसमें भी ऊंचाई पर जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

19 जून तक ऑनलाइन स्कूल आवंटित होगा

भागलपुर। पहली कक्षा में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चे अपने घर के पास वाले निजी स्कूलों में मुफ्त नामांकन ले सकेंगे। नामांकन के लिए शिक्षा विभाग के ज्ञापदीप पोर्टल पर 16 जून तक आवेदन किया है। 19 जून तक ऑनलाइन स्कूल आवंटित किया जाएगा और 18 से 30 जून तक चयनित छात्रों का सत्यापन किया जाएगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत नामांकन के लिए यह मौका दिया गया है। जानकारी देते हुए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जमाल मुस्तफा ने बताया कि अलाभकारी समूह और ईडब्लूएस श्रेणी के छात्र-छात्राएं इस प्रक्रिया का लाभ उठा कर निजी स्कूलों में नामांकन करवा सकते हैं।

छात्रों को शपथ पत्र देने का मिला एक और मौका

भागलपुर। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से ऋण लेने वाले छात्रों को वापस करने में परेशानी ना हो। इसके लिए छात्रों को 30 जून तक शपथ-पत्र देना होगा। 15 से 30 जून तक शपथ पत्र देने पर इनको ऋण चुकाने से छह महीने तक की राहत मिलेगी। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से ऋण लेकर पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थियों को ऋण लौटने में शपथ पत्र देने पर मोहलत मिलेगी। जिले के लगभग 700 अभ्यर्थियों को ऋण लौटाना है, जो पढ़ाई पूरी कर चुके हैं। ऋण भुगतान या शपथ पत्र जमा नहीं करने वाले छात्रों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज कराया जाएगा। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से अधिकतम चार लाख रुपये तक शिक्षा ऋण देने का प्रावधान है। डीआरसीसी के सहायक प्रबंधक जागेशवर प्रसाद ने बताया कि वैसे आवेदक जो वर्तमान में नियोजित नहीं है या स्वरोजगार एवं अन्य साधनों से भी आय प्राप्त नहीं कर रहे हैं, उन्हें वसूली को अगले छह माह तक निलंबित रखने के लिए शपथ-पत्र देना होगा। शपथ पत्र में बताना होगा कि वे अब तक बेरोजगार हैं। शपथ-पत्र व भुगतान नहीं करने वाले छात्रों की सूची बना कर भेजा है। 30 जून तक भुगतान या शपथ पत्र जमा न करने वाल पर जुलाई से सर्टिफिकेट केस होगा। पुरुष आवेदकों के लिए ब्याज दर चार व महिला, दिव्यांगों के अलावा ट्रांसजेंडर आवेदकों के लिए एक है।

सरकारी स्कूलों में नए सत्र में ठीक से एक सप्ताह भी नहीं हुई पढ़ाई, मासिक परीक्षा का शेड्यूल जारी

भागलपुर। भागलपुर नए सत्र शुरू हुए करीब ढाई महीने बीत चुके हैं, पर सरकारी स्कूलों में एक सप्ताह भी ठीक से कक्षाएं नहीं चली हैं। दूसरी ओर जिले के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत नौंवी से 12वीं तक के छात्रों को पुस्तकें भी नहीं मिली हैं और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 9वीं, 10वीं और 12वीं के बच्चों की मासिक परीक्षा की तिथि जारी कर दी है। जारी शिड्यूल के अनुसार 21 जून से मासिक परीक्षा शुरू होगी। बता दें कि सरकारी स्कूलों में एक अप्रैल से नए सत्र की शुरुआत हुई थी। करीब 15 दिन कक्षाएं संचालित होने के बाद 15 अप्रैल से 15 मई तक गर्मी की छुट्टी को लेकर स्कूल बंद रहा। 16 मई को स्कूल खुलने के कुछ दिन बाद ही भीषण गर्मी को लेकर फिर से स्कूल बंद कर दिया गया। जो अभी तक बंद है।

कर्मी विवि के समक्ष 20 जून से करेंगे अनिश्चित धरना

मुंगेर। आउटसोर्सिंग कर्मियों का हाल बुरा है। उसमें भी भुगतान का हाल बहुत बुरा है। मुंगेर विश्वविद्यालय में एलीट फाल्कन कंपनी लिमिटेड के अंदर कार्यरत करीब 70 आउटसोर्सिंग कर्मियों को लगभग 21 माह से लगातार कार्य करने के बावजूद मानदेय का भुगतान नहीं हो रहा है। उनका धैर्य अब जबाव दे रहा है। भुगतान के नाम पर केवल दो बार उन्हें 20-20 हजार रुपए दिया गया है। वह भी दुर्गा पूजा एवं छठ पूजा के अवसर पर आंशिक तौर पर अग्रिम भुगतान किया गया है। लिहाजा 20 जून से ये आउटसोर्सिंग कर्मी अपने पूरे मानदेय भुगतान की मांग को लेकर विश्वविद्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना पर बैठेंगे। जिसकी सूचना बतौर पत्र के रूप में संबंधित कंपनी के अलावा विश्वविद्यालय की कुलपति सहित अन्य अधिकारियों को भी दिया गया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि 19 जून तक कर्मियों को वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है, तो सभी आउटसोर्सिंग कर्मी कार्य बंद कर विश्वविद्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन देंगे।

गंगटा मोड़ ने कटियारी टीम को 27 रन से किया पराजित

टेटिया बंबर। गंगटा थाना क्षेत्र के गंगटा पंचायत अंतर्गत ऊपर चक विहवै गांव स्थित मैदान पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरा दिन गंगटा मोर की टीम एवं कटियारी की टीम के बीच मैच खेला गया। टॉस गंगटा मोर की टीम ने जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए किशु कुमार के शानदार 69 रन, सुनील के 30 रन एवं रंजन के द्वारा बनाए गए 36 रन की बदौलत 12 ओवर में 182 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में उतरी कटियारी की टीम पवन के 40 रन, विश्वजीत के 36 रन के बावजूद 12 ओवर में मात्र 155 रन ही बना पाई। इस तरह गंगटा मोड़ की टीम 27 रन से टूर्नामेंट के इस दूसरे मुकाबले को जीत लिया। गंगटा मोड़ टीम के किशु कुमार को शानदार 69 रन बनाए जाने को लेकर उसे मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मौके पर रिशु कुमार, मुन्ना यादव, डब्ल्यू कुमार समेत सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद थे।

छात्रावास अधीक्षक सिमरन भारती पति को क्वार्टर से नहीं हटाएंगी तो उनपर भी कार्रवाई होगी

भागलपुर। टीएमबीयू के दो गर्ल्स हॉस्टलों की अधीक्षक की आपसी लड़ाई में एक को अधीक्षक के पद से हटा दिया गया है। जबकि एक को हॉस्टल के क्वार्टर से अपने पति को हटाने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर उन पर भी यही कार्रवाई की जाएगी। कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने प्रोबेशन पीरियड में गर्ल्स हॉस्टल पांच की अधीक्षक बनाई गई शोभा कुमारी पर कार्रवाई करते हुए उन्हें इस पद से मुक्त कर दिया है। इस हॉस्टल में नई अधीक्षक की नियुक्ति होने तक वार्डन इंदु कुमारी प्रभार में रहेंगी। उधर कुलपति ने हॉस्टल नंबर चार की अधीक्षक सिमरन भारती को हॉस्टल नंबर पांच के बैचलर क्वार्टर से अपने पति को हटाने को कहा है और इसके लिए 24 घंटे की मोहलत दी है। कुलपति ने कहा है कि ऐसा नहीं होने पर सिमरन भारती को भी अधीक्षक के पद से हटा दिया जाएगा। हालांकि अभी तक इस मामले में जांच कमेटी बनाने की बात कही जा रही थी। लेकिन डीएसडब्ल्यू प्रो. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि दोनों अधीक्षकों के बीच विवाद की जानकारी कुलपति को मिली जिसके बाद कुलपति ने खुद ही एक्शन लिया है। कुलपति ने कहा है कि किसी शिक्षक को प्रोबेशन पीरियड के दौरान कोई प्रशासनिक पद नहीं दिया जा सकता है। शोभा कुमारी को उनके प्रोबेशन पीरियड में रहते हुए हॉस्टल की अधीक्षक बनाया गया था। सिमरन भारती भी हॉस्टल के अधीक्षक क्वार्टर में पति के साथ रह रही हैं जबकि यह भी नियम के विपरीत है। इस मामले में अबतक कार्रवाई नहीं हो पायी है। पिछले माह हॉस्टल की छात्राओं की शिकायत पर नहीं हुई थी कार्रवाई मई में हॉस्टल नंबर पांच की छात्राओं ने हॉस्टल अधीक्षक के कमरे में अधीक्षक सिमरन भारती के पति के रहने की शिकायत डीएसडब्ल्यू कार्यालय से की थी। छात्राओं ने यह शिकायत भी की थी कि अधीक्षक क्वार्टर में किसी भी तरह के शोरगुल से असुरक्षा और अशांति का डर बना रहता है। इधर दोनों अधीक्षकों के बीच कैंपस स्थित आम के पेड़ से आम तुड़वाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे पर कई तरह के आरोप लगाए थे जिस पर डीएसडब्ल्यू ने जांच कमेटी बनाने की बात कही थी।

21 जून तक डीजे कॉलेज में 11 वीं का रजिस्ट्रेशन

मुंगेर। मुंगेर विवि में पीजी सेमेस्टर-4, सत्र 2022-24 की परीक्षा 20 जून से शुरू होगी। जो 22 जून तक चलेगी। इसके लिए परीक्षा फॉर्म भरे जाने का कार्य संपन्न हो चुका है। बता दें कि 8 जून से परीक्षा फॉर्म भराया जा रहा था। जिसमें अंत में 13 से 14 जून के बीच विद्यार्थियों को 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरने का समय दिया गया था। इधर इस सत्र में अंतिम तिथि तक कुल 1,881 विद्यार्थियों ने परीक्षा फॉर्म भरा। जिसमें कला संकाय में 1,536, विज्ञान संकाय में 257 तथा वाणिज्य संकाय में 88 विद्यार्थियों ने परीक्षा फॉर्म भरा। इधर अब विश्वविद्यालय द्वारा जल्द ही परीक्षा के लिए एडमिट जारी किया जाएगा।

साहब...पुलिस ने जबरदस्ती थाने में बेल्ट-डंडा से पीटा

सुमेश हत्याकांड में 7 को हिरासत में थाने लाई, आरोपी का नाम पूछा, नहीं बताने पर प्राइवेट-पार्ट में डाला पेट्रोल

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में हुए सुमेश मंडल की हत्या मामले में पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया था। इन सभी लोगों का आरोप है कि वे और उसके परिजन पुलिस को अपनी बेगुनाही की गुहार लगाते रहे। लेकिन पुलिस नहीं मानी और इन लोगों के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं पीड़ितों का आरोप है कि उनके प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल छिड़का और लाठी-डंडे से कई घंटे मारे। सभी पीड़ितों को 1 दिन तक हिरासत में रखकर मारपीट की है। पीड़ितों ने गोराडीह पुलिस थानाध्यक्ष शंता सुमन पर ये आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही 2-3 पुलिस पर आरोप लगाए हैं। एक पीड़ित धनेश्वर दास ने बताया कि शनिवार रात 2 बजे पुलिस मेरे घर पहुंची। हमको घर से थाना लेकर चली गई। वहां पर सुमेश मंडल हत्याकांड मामले में आरोपी के नाम पूछने लगी। जब हमने कहा कि मुझे नहीं पता, तो पुलिस मुझे एक कमरे में ले गई और वहां पर लाठी, बेल्ट से जमकर पिटाई की। पुलिस एक घंटे तक तलवे में बेल्ट से मारती रही। बार-बार पुलिस से हम अपनी जान की गुहार लगाते रहे, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी।

शुक्रवार को हुई थी सुमेश मंडल की हत्याः मामला गोराडीह थाना क्षेत्र के पहाड़िया स्थान के पास का है। शुक्रवार देर रात सुमेश मंडल(49) की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। इसी मामले में पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया था। उनसे पूछताछ करने के लिए उन्हें थाना लाई थी। एक दिन आगे-पीछे कर इन सातों लोगों को पुलिस ने घर से उठाया। फिर थाने ले जाकर इन लोगों की अलग-अलग कमरे में जमकर पिटाई की। इसके बाद मंगलवार को कैसे-कैसे पीड़ित पुलिस का हाथ-पैर जोड़ कर के वहां से भागे हैं। पीड़ितों ने बताया कि पुलिस उनसे 5 हजार रुपए भी मांग रही थी। लेकिन हम गरीब हैं,हम नहीं दे पाए।

हमलोग निर्दोष हैंः मंगलवार को मायागंज में इलाज कराने आए घायल धनेश्वर दास ने बताया कि पुलिस पूछताछ के लिए थाना लाई। वहां पर जबरदस्ती अपराधियों के नाम को कबूल करवाने चाह रही

थी। पूरे मामले में हम लोग निर्दोष हैं। उसके बावजूद पुलिस हम पर दबाव बना रही थी। पुलिस ने दोनों हाथ को बांधकर एक घंटे तक पिटाई की। 24 घंटे तक पुलिस ने थाने में रखा। धनेश्वर दास ने आगे बताया कि प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल डाल दिया। करंट की तार को भी सटाने की लगातार धमकी दे रहे थे। बार-बार कह रहे थे कि अपराधी कौन है नाम बताओ? जबकि हम नहीं जान रहे थे। साहब, पुलिस ने बहुत पीटा है। हम लोग गरीब आदमी हैं। हरिजन जाति से आते हैं, इसलिए हम लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर मारपीट किया है।

सभी पीड़ित मजदूरी कर करते हैं भरण-पोषणः पुलिस ने जिन लोगों को हिरासत में लिया था उसमें से सभी 50 साल से ऊपर के हैं। सभी मजदूरी कर अपने घर का भरण-पोषण करते हैं। पुलिस ने सभी की पिटाई की है। एक साथ 6 पीड़ित मायागंज अस्पताल सोमवार को इलाज कराने पहुंचे। घायल में शामिल कन्हैया दास, फुलेश्वर दास, अमीकर दास, संजीव दास, संतोष दास, धनेश्वर दास शामिल

है। वहीं, 1 व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं आई थी, इसलिए वो नहीं आया। इसका नाम अमबेडकर दास है। मायागंज में एक्स-रे के बाद सभी घायलों का डॉक्टर इलाज कर रही है। इन घायलों में किसी के तलवे पर जख्म है, तो किसी के पैर में। किसी के शरीर के कई हिस्सों में मारपीट करने का जख्म है।

थाने की गाड़ी से थाना लायाः मायागंज अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे 6 घायलों में से सभी का कहना था कि थाना प्रभारी शंता सुमन ने प्यार से घर से उठाकर थाने की गाड़ी से थाना लाया। यहां पर पूछा कि सुमेश मंडल की गला रेत कर हत्या किसने की है? हम लोगों ने जब कहा कि हमें जानकारी नहीं तो एक कमरे में ले गए और वहां पर जमकर पिटाई की। पुलिस ने लाठी बेल्ट और अन्य चीजों से एक घंटे तक मारते रहे। इसके बाद पुलिस ने फिर उनसे पूछा कि अपराधी कौन है बताओ। जब उनसे बार-बार कहा गया कि हम नहीं जानते हैं। तो फिर दुबारा उनकी पिटाई की। घटना में पांचों घायल हैं।

घायल संजीव दास की आपबीतीः घायल संजीव दास ने बताया कि थाने में लगातार अपराधियों के नाम कबूल करने को लेकर पुलिस दबाव बना रही थी। जब हम लोगों द्वारा कहा गया कि मुझे कुछ मालूम नहीं तो थाना प्रभारी शंता सुमन ने लाठी बेल्ट से एक कमरे में खूब पिटाई की। पुलिस ने बेवजह इतना पीटा की सही से चल नहीं पा रहे हैं। अब काम कैसे करेंगे और पत्नी-बच्चों का भरण-पोषण कैसे करेंगे।

सिटी एसपी का बयानः सिटी SP राज ने बताया कि संबंधित SDPO को निर्देशित किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्य एकत्रित कर सामने रखा जाएगा। इसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे। उस पर कार्रवाई की जाएगी।

अपराधियों ने किसानों के फसल को लूट, पीड़ितों का आरोप-पुलिस मूकदर्शक बन देखती रही

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में किसानों ने पुलिस के सामने फसल लूटने का आरोप लगाया है। दरअसल, विक्रमशिला सेतु के नीचे करीब 70 बीघा रेयती जमीन है। इसके सारे दस्तावेज किसान के पास मौजूद है। पीड़ित किसान द्वारा पुलिस से लिखित शिकायत की गई है। लेकिन पुलिस ने शिकायत लेने से साफ इनकार कर दिया। उनके साथ गलत व्यवहार करने का आरोप भी लगाया है। मामला औद्योगिक प्रक्षेत्र (जिरोमाइल) थाना क्षेत्र के बरारी विक्रमशिला TOP का है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि विक्रमशिला सेतु के नीचे करीब 70 बीघा रेयाती जमीन है। जिसमें किसान गणेश यादव द्वारा फसल की उपज वर्षों से की जा रही थी। फसल को पुलिस के सामने अपराधी काटकर भाग रहे हैं। इसकी शिकायत लेकर पीड़ित परिजन औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना पहुंचे, लेकिन वहां पर थानेदार ने डांट फटकार लगाकर भगा दिया। पीड़ित का कहना है कि दबंग की शिकायत लेकर जब वह औद्योगिक प्रक्षेत्र के थाना अध्यक्ष मुरलीधर शाह के पास गए तो थाना अध्यक्ष ने आरोपियों से साठ-गांठ काटकर उन्हें खरी खोटी सुनाई। घटना के बाद पीड़ित किसान ने मामले की जानकारी एसएसपी, डीआईजी से

भी की। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गणेश यादव ने बताया कि पुलिस ने उन्हें अपने ही जमीन पर जाने से रोक दिया और खेती में लगाई गई फसल को पुलिस की मदद से अपराधी लूट रहे हैं। गणेश यादव ने आगे बताया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह जिला अधिकारी के कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठ जाएंगे। मामले की जानकारी एसएसपी को देते हुए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर कार्रवाई की उन्होंने मांग की है।

नहीं लिया आवेदन

जमीन वापस करने की मांग की है। मामले को लेकर थाना अध्यक्ष मुरलीधर शाह ने बताया कि विक्रमशिला TOP के नीचे कुछ निजी और सरकारी जमीन है। जिस पर कब्जा जमाए हुए हैं। दो पक्ष आपस में लड़ झगड़ रहे हैं। करीब 8 दिन तक अंचलाधिकारी ने इस मामले को लेकर जमीन की नापी करवाई। लेकिन पूरी नहीं हो पाई है। इस संबंध में ज्यादा जानकारी अंचल अधिकारी ही दे पाएंगे। हम लोग विधि व्यवस्था के लिए हैं।

स्नातक सेमेस्टर-1 सत्र 2024 से 2028 में नामांकन की उपलब्ध कराई जानकारी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर विश्वविद्यालय छात्र राजद की ओर से सोमवार को जेआरएस कॉलेज जमालपुर में छात्र सहायता शिविर लगाया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को खासकर सीबीसीएस पर आधारित चार वर्षीय स्नातक सेमेस्टर-1, सत्र 2024-28 में नामांकन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। उल्लेखनीय है कि इस सत्र में इन दिनों आवेदन के बाद नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। फिलहाल दूसरी मेरिट लिस्ट के अनुसार की प्रक्रिया 15 जून से चल रही है। जो 21 जून तक चलेगी। उसके बाद तीसरी मेधा सूची जारी की जाएगी।

छात्र राजद के विवि उपाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि छात्र सहायता शिविर से नामांकन के लिए कॉलेज आ रहे छात्र-छात्राओं को काफी सहूलियत हो रही है। उन्हें कॉलेज काउंटर की बजाय सहायता शिविर में ही समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

बाजार में पहुंच रहे कार्बाइड से पके आम, सेहत को खतरा

निज संवाददाता। भागलपुर

इस बार समय पर बारिश नहीं होने से आम पकने में देरी हो रही है, लेकिन व्यापारी पैसा कमाने और आम को जल्दी पकाने के लिए जहरीले केमिकल (कार्बाइड) का उपयोग कर रहे हैं। इन दिनों बाजार में जो आम आ रहा है, वह कार्बाइड से पकाया जाता है। डॉक्टरों के अनुसार कार्बाइड की मदद से पके आम खाने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इससे पाचन तंत्र में गड़बड़ी, सांस, गले में जलन समेत कई अन्य तरह की बीमारी होने की संभावना रहती है। कार्बाइड का इस्तेमाल कर इसे खुलेआम सड़क पर फेंक दिया जाता है। सोमवार को बागवाड़ी मंडी में सड़क पर अलग-अलग जगह काफी संख्या कार्बाइड की पैकिंग पुड़िया और खुले कार्बाइड भी सड़कों पर बिखरा दिखा। जिस पुड़िया को कैरेट में देकर आम पकाया जा रहा था, उसपर मोटे अक्षर में डू नोट ईट लिखा था। इस पैकेट पर लगा क्यूआर कोड को जब स्कैन किया तो उसमें आया कि यह प्रोडेक्ट यूपी के मेरठ जिले में बनता है। वहीं से अलग-अलग शहरों में पहुंचता है। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने इसपर रोक लगाने की जिम्मेदारी जिस फूड सेफ्टी विभाग को दी है, वो उस इलाके में झांकने तक नहीं जाते हैं। फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी सिर्फ होली-दिवाली में ही मिठाई दुकानों में जांच करते हैं। मामले में फूड सेफ्टी अधिकारी को फोन किया तो, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इस तरह से कार्बाइड से पके आम की करें पहचान आम को पहले पानी से भरे बाल्टी में डालिए, अगर ये तैरने लगे तो समझिए आमों को केमिकल की मदद से पकाया गया है। इसके अलावा आमों को हाथ में उठाकर देखिए, इसकी बाहरी छिलके पर हल्की झुर्रियां दिखाई देंगी। आमतौर पर लोग मानते हैं कि आमों पर झुर्रियां हो तो वे प्राकृतिक रूप से पके होते हैं, ऐसा नहीं है।

आम हल्का सा हरापन लिया हो और झुर्रियां भी दिखायी दे तो तय है कि आम को पेड़ पर पकने से पहले ही तोड़ लिया गया है और कार्बाइड से पकाया गया है। दो घंटे पानी में रखने के बाद ही खाएं आम वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विनय कुमार झा ने बताया कि कार्बाइड से पकाए आम खाने से पाचन तंत्र में गड़बड़ी, उल्टी, गले में जलन, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर, कमजोरी, बार-बार प्यास लगने जैसी समस्या हो सकती है। डॉक्टर का कहना है कि केमिकलयुक्त आम होने के कारण लोगों को सतर्क रहना होगा। खाने से पहले आम और अन्य फलों को पानी में दो-तीन घंटे तक डुबाकर रखें। उसके बाद ही खाएं।

जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने बच्चों में अपने अभिभाषण से भरी ऊर्जा

निज संवाददाता। मुंगेर

बिहार स्कूल ऑफ म्यूजिक एंड आर्टस की ओर से 21वां समर कैंप-सह-ग्रैंड फिनाले का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी, विशिष्ट अतिथि मेयर कुमकुम देवी, एसडीपीओ पंकज कुमार, एडीजे धीरज कुमार मिश्रा आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। एसपी ने कहा कि संगीत आज की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से कहा कि संगीत व नृत्य को अपने जीवन में

आत्मसात कर जीवन का सर्वांगीण विकास करें। वहीं मेयर कुमकुम देवी ने समर कैंप में शामिल सभी बच्चों को गीत-संगीत की दुनिया में आगे बढ़ने की बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों के प्रतिभा में निखार आती है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक : 14.06.2024। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: टीएन-83-24-25। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/सियालदह के अधिकार क्षेत्र के अधीन सहायक अभियंता/सियालदह के खंड में क्षतिग्रस्त ग्लूएड जॉइंट्स/ब्लॉक जॉइंट्स की बदली के सम्बन्ध में इनसीटू ग्लूएड जॉइंट्स (52/60 किग्रा.) का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 36,65,457.60। **जमा बयाना राशि:** ₹ 73,300। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: टीएन-87-24-25। कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/सियालदह के अधिकार क्षेत्र के अधीन मानक गैंग हट के नए निर्माण का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 70,56,058.35। **जमा बयाना राशि:** ₹ 1,41,100। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: टीएन-88-24-25। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/सियालदह के अधिकार क्षेत्र में दमदम जंक्शन-डानकुनी अप लाइन (किमी. 8.00 से 10.00 तक), दमदम जंक्शन-डानकुनी डाउन लाइन (किमी. 8.00 से 10.00 तक) तथा दमदम जंक्शन-कांकुरगाछी रोड जंक्शन डाउन मेन लाइन (किमी. 4.00 से 5.00 तक) में सेस की मरम्मत/सब बैंक द्वारा किनारों की पुनर्बहाली। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,25,40,123.80। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,12,700। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: टीएन-89-24-25। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/सियालदह के अधीन वरिष्ठ सेक्शन अभियंता [पी.वे]/बैरकपुर के खंड में टीटागढ़ वैगन लिमिटेड पर वर्तमान डिस्पैच लाइन के साथ कनेक्टिंग प्रस्तावित द्वितीय डिस्पैच। **निविदा मूल्य:** ₹ 7,53,705.58। **जमा बयाना राशि:** ₹ 15,100। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 08.07.2024 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए) तथा 03 (तीन) महीना (क्रम संख्या 4 के लिए)। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिए गए हैं। निविदा हेतु बोलियां उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के जरिये जमा करनी होंगी। मैनुअल प्रस्ताव सीधे रद्द कर दिए जायेंगे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 08.07.2024 को अपराह्न 3.30 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए)।

(SDAH-85/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना संख्या: डीटीई_जेएमपी_01/24-25/एसपीएल., दिनांक: 14.6.2024। सहायक नगर अभियंता, पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** जमालपुर- जमालपुर वर्कशॉप में एसएसवाई की संरचना का सुधार। **विज्ञापित निविदा मूल्य:** ₹ 1,88,23,735। **बयाना राशि:** ₹ 2,44,119। **खुलने की तारीख :** 05.07.2024। **कार्य पूरा करने की अवधि :** 12 महीना।

(MISC-75/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2024-25-12, दिनांक: 13.06.2024। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/पूर्व रेलवे, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वैध विद्युतीय ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस रखने वाले तथा निम्नलिखित कार्य को आर्थिक रूप से पूरा करने में सक्षम सम्माननीय निविदादाताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा केस संख्या: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2024-25-12। कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल- 160 केएमपीएच मार्ग को छोड़कर 160 वर्ग मिमी. लार्ज जंपर्स द्वारा वर्तमान 105 वर्ग मिमी. आइसोलेटर जंपर्स की बदली। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,28,21,749.49। **बयाना राशि:** ₹ 2,64,100। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 19.07.2024 को सुबह 11.00 बजे। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। **कार्य हेतु प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-85/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मार्ट मालिक समेत दो को मारी गोली:पांच अपराधी 6 राउंड फायरिंग कर हुए फरार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में सोमवार की रात गोलीबारी हुई। नमस्ते मार्ट के मालिक और एल्यूमीनियय दुकान स्टाफ को गोली लगी है। अपराधी पांच की संख्या में आएं थे और 6 राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। मार्ट के मालिक को बाएं साइड पेट में और एल्यूमीनियय दुकान के स्टाफ को बाएं साइड बाह पर गोली लगी है। दोनों का बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गोलीबारी का सीसीटीवी भी सामने आया है।

वारदात के बाद स्थानीय दुकानदार और लोगों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जीरो माइल के समीप सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी भी की गई। सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। आवागमन ठप हो गया।

सूचना पर सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार और उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दुकानदार और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। दुकान और आसपास के लगे सीसीटीवी को खंगाला। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

सीसीटीवी में फायरिंग करते दिखे अपराधी

पूरी वारदात की सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें देखा जा सकता है दो युवक बाइक से उतरे और दुकान की ओर जाने के बाद फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान दो लोगों को गोली लग जाती है। अपराधियों का चेहरा साफ दिख रहा है। जिसमें एक अपराधी काली टीश-र्ट और पैंट में है। मुंह पर मास्क भी लगाया है। जो दुकान के समीप आता है और बंदूक निकालकर गोली चलने लगता है। दूसरा चेहरा ढक कर दुकान की ओर फायरिंग करते हुए जाता है। जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी स्व. जग दयाल सिंह के 65 वर्षीय पुत्र सह नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह और स्टाफ चरपोखरी थाना क्षेत्र काउप गांव निवासी अजीत कुमार सिंह का 27 वर्षीय पुत्र पप्पू कुमार है। फायरिंग का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर की आगजनी

किसी प्रकार का विवाद और दुश्मनी नहीं

जख्मी नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह के बेटे राजीव कुमार ने बताया कि वे लोग दुकान पर काम कर रहे थे। तभी दो अलग-अलग बाइक पर सवार पांच हथियारबंद अपराधी दोनों दुकान पर आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। दो लोगों को गोली लगी है। दुकान के आगे का ग्लास क्षतिग्रस्त हो गया। राजीव कुमार ने अपराधियों से किसी भी विवाद, दुश्मनी और रंगदारी मांगने से इनकार किया है।

सीसीटीवी को खंगाला जा रहा

सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित दुकान पर गोली चली है। पहले सूचना मिली के एक युवक को गोली लगी है। फिर दूसरे युवक को भी गोली लगने की बात सामने आई। हम लोग इस घटना की जांच कर रहे हैं और आसपास के लगे सभी सीसीटीवी के फुटेज को भी खंगाल रहे हैं।

जिसने भी घटना को अंजाम दिया उसे छोड़ा नहीं जाएगा

सहायक पुलिस अधीक्षक ने कहा घटना को जिसने भी अंजाम दिया है उसे छोड़ नहीं जाएगा। 24 घंटे के लिए सुरक्षा भी प्रोवाइड कर रहे हैं। कल भी गोलीबारी की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने एक्शन भी लिया है और जो भी सीसीटीवी फुटेज हमे मिला था उसकी भी जांच की जा रही है। गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। आज भी जिन लोगों ने गोली चलाई है। वह वही लोग हैं या किसी और गैंग के हैं। उसकी जांच की जा रही है।

दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया

सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी मार्ट के मलिक को गोली पेट के निचले हिस्से में गोली लगी थी। गोली लगने के कारण उनके पेशाब की थैली और बड़ी आंत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि दूसरे जख्मी को बाएं हाथ में बांह पर गोली लगी। जो बाएं साइड सीने में जाकर फंस गई थी। तत्काल दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है। डायमंड पार्ट्स को रिपेयर कर दिया गया है। हालांकि अभी दोनों लोगों को 72 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गायत्री जयंती का पावन पर्व मनाया गया

छपरा/दरियापुर, एजेंसी। गायत्री शक्तिपीठ ऋृंभरा प्रज्ञा आश्रम डेरनी में गायत्री जयंती का पावन पर्व काफी हर्षोल्लास व भक्तिमय वातावरण के साथ मनाया गया। प्रवाचक सदुरु मुकेश ऋृषि ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गायत्री जयंती सद्ज्ञान अवतरण का पावन महापर्व है।गायत्री को वेदमाता, देवमाता व विश्वमाता कहा जाता है। गायत्री वेदत्रयी हैं। गायत्री ऋृषियों व देवताओं की उपास्या हैं। गायत्री भारतीय संस्कृति की जननी व यज्ञ भारतीय संस्कृति के जनक हैं। गायत्री जयंती की शुरुआत गुरु वंदना, साधनादिपवित्रिकरण, मंगलाचरण व षट्कर्म के साथ की गई। इसके बाद गुरु आवाहन, गायत्री आवाहन, सर्वदेव आवाहन, सर्वदेव नमस्कार तथा स्वस्तिवाचन किया गया। तत्पश्चात अग्नि स्थापना करके गायत्री महामंत्र से सर्व कल्याण की भावना से आहुतियां प्रदान की गई। वैदिक कर्मकांड सदुरु मुकेश ऋृषि द्वारा संपन्न हुआ। कालीचरण प्रसाद, रेखा देवी, राकेश कुमार, भूषण कुमार , राजीव कुमार, रमेश कुमार, ललीता देवी, आरती देवी, किशोरी देवी, इंदू देवी, धनमंति देवी, आशा देवी, बेबी देवी, पूनम देवी आदि श्रद्धालु ने भाग लिया।

मढौरा में हुई चाकूबाजी में एक जख्मी, केस दर्ज

छपरा/मढ़ौरा, एजेंसी। स्थानीय मुबारकपुर से भावलपुर से लौट रहे एक युवक के साथ कुछ लोगो मारपीट की और चाकू से हमला कर उसे जख्मी कर दिया। इस संबंध में पुलिस ने जख्मी युवक के लिखित बयान पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जख्मी सचिन कुमार ने कहा है कि वे अपने दोस्त आदित्य के साथ मुबारकपुर से भावलपुर जा रहे थे। इस बीच मुबारकपुर मस्जिद के पास पहले से मौजूद हसनपुरा नयका टोला निवासी विक्की कुमार ,पिन्टू कुमार व राजेश महतो व अन्य दो तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और रंगदारी मांगने लगे। जख्मी ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी चाकू से उसके ऊपर हमला कर दिये। वह बुरी तरह घायल हो गया।

पेड़ काटने को ले मारपीट में छह लोग नामजद

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के राजधानी गांव में जामुन का पेड़ काटने के विवाद में पीड़ित कपिल सिंह ने स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें धनेश्वर सिंह,विनोद सिंह,रामचंद्र सिंह,राहुल कुमार ,फूलकुमारी, राजंती देवी को नामजद किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मारपीट में तीन लोग घायल , एक रेफर

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के पचभिंडा गांव में हुई मारपीट में रूही खातून गम्भीर रूप से घायल हो गई हैं जिनको रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। अस्पताल में घायल नन्हे खान व भलुआ भिखारी के राजबलम राय का उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मकान बनाने के विवाद में मारपीट,आठ नामजद

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में मकान बनाने के विवाद को लेकर हुई मारपीट के पीड़ित नंदकिशोर यादव ने स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराकर राजकिशोर यादव,नवल किशोर यादव,बिभू कुमार यादव,विवेक कुमार,मालती देवी, निरमा देवी को नामजद किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तपती गर्मी व हीट वेव से बढ़ा डायरिया का प्रकोप

छपरा/तरैया, एजेंसी। प्रखंड के विभिन्न गांवों में तपती गर्मी व हीट वेव के कारण डायरिया रोग का प्रकोप बढ़ गया है। रेफरल अस्पताल के वार्ड में प्रतिरोज पांच से छह मरीज डायरिया के भर्ती रहते हैं। सबसे अधिक मरीजों को शरीर में पानी की कमी हो जा रही है। साथ ही प्यास बढ़ना व शरीर में तनाव हो जा रहा है। इस अस्पताल से दूरी पर बसे गांवों के इस तरह के मरीज निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

चोरी की बाइक के साथ दो नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

किशनगंज , एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन प्रखंड सहित पूरे जिले में लोग बाइक चोरों के आतंक से काफी परेशान है। जिसमें कार्रवाई करते हुए कोचाधामन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिशनपुर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चोरी हुई तीन बाइक को बरामद करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद सोमवार शाम पुलिस ने आरोपियों की मेडिकल जांच उपरांत उन्हें जेल भेज दिया गया है।

तीन बाइक बरामद : बिशनपुर थाना के थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि पुलिस ने चोरी की तीन बाइक को बरामद करते हुए मौके से आनंद कुमार रजक के बेटे प्रशांत कुमार रजक, (बिशनपुर निवासी), मोहम्मद हाशिम के बेटे येहतेशाम (हांडीभाषा निवासी) के साथ अन्य दो नाबालिग को हिरासत में ले लिया है साथ ही पुलिस कांड दर्ज करते हुए अग्रसर कार्रवाई में जुट गई है।

कजरैली में करंट से युवक की गई जान

भागलपुर/कजरैली, एजेंसी। थाना क्षेत्र के दराधीबहादुरपुर गांव में सोमवार दोपहर में सड़क किनारे लटके बिजली तार से स्पर्श से अरविंद कुमार सिंह (40) गंभीर रूप जख्मी हो गया। परिजन उसे लेकर मायागंज अस्पताल लेकर गये वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर पहुंची बरारी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। युवक के अचानक मौत से घर में कोहराम मच गया। युवक को एक बड़ी बेटी और दो बेटा है। घर के इकलौते कामगार के मौत से परिजनों के सामने भरण पोषण की समस्या खड़ी हो गई है।

साइबर ठगी का अनोखा मामला- ना ओटीपी, ना मैसेज; महिला के खाते से उड़ाए 53 लाख

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले से साइबर ठगी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय से सटे गैयारी गांव निवासी एक महिला के खाते से साइबर ठगों ने 53 लाख से ज्यादा की रकम उड़ा ली। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला के फोन पर न तो कोई ओटीपी आया और ना ही खाते से रुपये कटने का कोई मैसेज मिला। महिला जब बैंक पहुंची और अपने खाते को चेक किया तो स्टेटमेंट देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़ित महिला बीबी साहेब खातून बताई जा रही हैं, अब्दुल मन्नान आजादा एकेडमिक के प्राचार्य की पत्नी हैं। महिला जब अपने अकाउंट को अपडेट कराने बैंक पहुंचीं तो उन्हें साइबर ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों से इसकी शिकायत की और फिर साइबर थाना में मामला दर्ज कराया। खाताधारी पीड़ित बीबी साहेबा खातून ने पुलिस को बताया कि उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अररिया में है। चार दिन पहले वह बैंक गई थी और पासबुक में बचत राशि की जानकारी ली तो पाया कि उनके खाते से अलग-अलग तारीखों में कुल 53 लाख 14 हजार 520 रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़िता ने पुलिस को उन सभी खातों के नंबर भी बताए हैं, जिनमें उनके अकाउंट से राशि ट्रांसफर की गई।

पुलिस अधिकारी बता ठग लिए 103 करोड़, विदेशी खातों में लेनदेन, 6 गिरफ्तार

साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि जालसाजों को ओटीपी देने या उनके भेजे हुए लिंक को क्लिक किए बिना पैसा अकाउंट से नहीं निकल सकता है। खाताधारी ने इनमें से कोई एक गलती जरूर की होगी। पीड़िता ने साइबर ठगों को या तो ओटीपी दिया होगा या उनके द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक किया होगा। ऐसा करने पर ही साइबर ठगों के पास ग्राहकों का फोन रिमोट पर जाता है और वे खाते से पैसे निकाल सकते हैं।

बंगाल रेल हादसा: बिहार के अनिल कुमार थे मालगाड़ी के लोको पायलट, ट्रेनों की टक्कर में हुई मौत

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के न्यूजलपाईगुड़ी स्टेशन से करीब 30 किलोमीटर दूर रंगापानी स्टेशन के पास सोमवार की सुबह पौने 9 बजे के करीब एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से टक्कर मार दी. इस रेल हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि की गयी है जबकि तीन दर्जन से अधिक लोग जख्मी हैं. वहीं इस रेल हादसे में बिहार के बख्तियारपुर निवासी लोको पायलट की भी मौत हो गयी. मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है.

रेल हादसे में बख्तियारपुर निवासी लोको पायलट की हुई मौत

कंकचजंघा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में बख्तियारपुर बाइपास निवासी लोको पायलट सियाशरण प्रसाद के पुत्र अनिल कुमार (42वर्ष) की मौत हो गयी. अनिल कुमार की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों के अनुसार अनिल अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ जलपाईगुड़ी में ही रहते थे. वह पांच भाई- बहनों में दूसरे नंबर पर थे.

हेल्पडेस्क से दी जा रही थी जानकारी

दुर्घटनाग्रस्त कंचनजंघा ट्रेन को लेकर किशनगंज रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जानकारी देने के लिए रेलवे द्वारा हेल्प डेस्क बनाया गया था. हेल्प डेस्क में यात्रियों के परिजनों को यात्रियों की जानकारी के साथ साथ कई ट्रेनों के डाईवर्ट रूट की जानकारी दी जा रही थी. हेल्प डेस्क में

सिटीआई इंचार्ज विवेक कुमार गुप्ता लगातार फोन पर और वहां पहुंचे परिजनों को जानकारी दे रहे थे.

किशनगंज के 12 यात्री कर रहे थे सफर, सभी सुरक्षित

रिजर्वेशन सूची के अनुसार कंचनजंगा एक्सप्रेस में 12 यात्री किशनगंज तक की यात्रा कर रहे थे. दीपांकर दास (42 वर्ष) गुवाहाटी से किशनगंज, दीप केसरी (30 वर्ष) गुवाहाटी से किशनगंज, पूजा केसरी (उम्र 28) गुवाहाटी से किशनगंज, दिपेंदु भौमिक (उम्र 33) अगरतला से किशनगंज, प्रसनजीत देव (उम्र 47) गुवाहाटी से किशनगंज, माधवी देव (उम्र 75) गुवाहाटी से किशनगंज, दिलीप चौहान (उम्र 45) धर्मनगर से किशनगंज, सुबीर सील (उम्र 60) धर्मनगर से किशनगंज, प्रशंता दास (उम्र 39) अगरतला से किशनगंज की यात्रा कर रहे थे.

रास्ते के विवाद में दो महिलाओ को पीटा,एक रेफर

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के छपिया बिंदटोली गांव में घर में जाने के लिए रास्ते के विवाद में दो महिलाओं को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया है। घायल अंशु कुमारी को सरकारी अस्पताल में उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। वहीं मूर्ति देवी का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस टीम पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।

चचेरे भाइयों की मारपीट में पांच लोग जख्मी, बीच-बचाव में आई महिला को भी पीटा

ससुराल को लेकर आपस में हुआ विवाद

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेझाडीह पोरबंदर मोहल्ला में पट्टीदारों में मारपीट हो गई। चचेरे भाई के ससुराल जाने को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट में दोनों ओर से पांच लोग जख्मी हो गए। एक पक्ष से तीन और दूसरे पक्ष से दो लोग घायल हुए हैं। सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मियों में एक पक्ष से मोहम्मद वायुद, मोहम्मद नईम और एक महिला शामिल है। दूसरे पक्ष से मोहम्मद सद्दाम और मोहम्मद रुस्तम है।

बीच-बचाव में आई महिला को भी पीटा

घटना के संबंध में मोहम्मद वायुद ने बताया कि मैं अपने ससुराल गया हुआ था। जब मैं ससुराल से सोमवार देर शाम लौटा तो उसके चचेरे भाई मोहम्मद सद्दाम ने पूछा कि तुम ससुराल क्यों गया था। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद मोहम्मद सद्दाम और उसका भाई मोहम्मद रुस्तम मौके पर पहुंचे। मेरे साथ मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने पहुंचे मोहम्मद नईम और घर की एक महिला के साथ भी मारपीट की गई।

दूसरे पक्ष के मोहम्मद रुस्तम का कहना है कि मैं रास्ते से जा रहा था। इसी दौरान शोर सुनकर रुका तो मोहम्मद वायुद, मोहम्मद नईम आदि ने हमला बोल दिया। जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस दौरान मारपीट की सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी तो बीच बचाव कर सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया है।

आपसी विवाद में मारपीट हुई

मुफस्सिल थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर पिंकी प्रसाद ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर चचेरे भाइयों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस को मौके पर भेजा गया। प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

बिजली की शार्ट सर्किट से लगी आग, एक घर जलकर हुई राख

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। खरीक थाना क्षेत्र के तेलघी गांव में रविवार की देर रात बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें मुन्ना सिंह के घर में रखे अनाज, नगदी, फर्नीचर समेत सारा घरेलू उपयोगी समान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों और की दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया गया। वहीं, पूर्व सरपंच सुमित कुमार, उप सरपंच पप्पू सिंह, गुलशन कुमार आदि ने बताया कि पीड़ित परिवार के शरीर पर पहना कपड़ा छोड़ कर सब कुछ आग की भेंट चढ़ गया।

मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुदंरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च
जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब

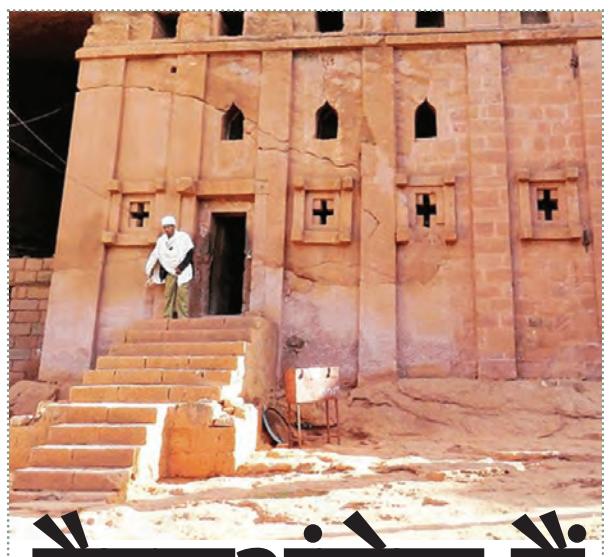

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता। इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है।

दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

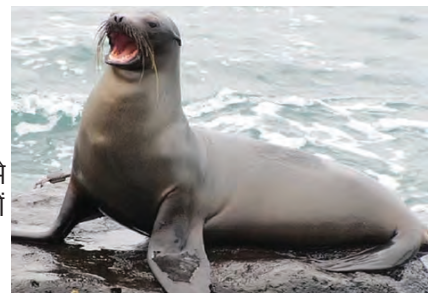

विचार-मंथन

संपादकीय

भारतीयों की चिंता

यह मर्माहत कर देने वाली खबर है कि कुवैती शहर मंगफ में एक आवासीय इमारत में आग लगने से कम से कम 40 भारतीयों की जान चली गई। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आग उसी इमारत में लगी, जहां दर्जनों कर्मचारी रहा करते थे, उन्हें बचने का मौका तक नहीं मिला। निचली मंजिल पर लगी आग ऊपर फैलती चली गई। अधिकांश हताहत दक्षिण भारतीय राज्य केरल और तमिलनाडु से हैं। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। घायलों में नेपाली कामगार भी शामिल हैं। इसमें तो कोई दोराय नहीं कि ये कर्मचारी या मजदूर बहुत अमानवीय माहौल में रह रहे थे। इमारत में करीब 196 कर्मचारी रह रहे थे। जाहिर है, इमारत में काफी भीड़भाड़ थी और इसी वजह से कर्मचारी आग से घिर गए। कुवैती उप-प्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन के चलते यह त्रासदी हुई। वैसे, सिर्फ वजह बताने से काम नहीं चलेगा, हमें यह देखना होगा कि क्या कुवैती सरकार दोषियों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी? ध्यान रहे, तमाम अरब देशों में भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं। छोटे से मुल्क कुवैत की अगर बात करें, तो वहां आबादी का दो-तिहाई हिस्सा विदेशी श्रमिकों से बना है। वहां पर भारतीय श्रमिकों की संख्या अच्छी-खासी है। इतने बड़े हादसे के बाद प्रशासन जागता लग रहा है। प्रशासन सफाई दे रहा है कि ऐसे आवासों में भीड़भाड़ को लेकर अक्सर चेतावनियां जारी की जाती थीं, पर भवन मालिकों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। इस त्रासदी पर मानवाधिकार समूहों ने भी चिंता जताई है। अब चिंता से आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है। तमाम अरब देशों में मजदूरों की स्थिति बहुत अमानवीय है। इन सभी देशों में मजदूरों की सुरक्षा चाक-चौबंद करने पर ध्यान देना होगा। भारत सरकार को अपनी ओर से भरपूर दबाव डालना होगा, ताकि अरब देशों में हमारे कामगारों के प्रति संजीदगी बढ़े। देश के लाखों मजदूरों को रोजगार के लिए विदेश जाना पड़ता है, तो विदेश गए मजदूरों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती है। सबकी नजरें भारत सरकार पर है कि वह आगामी दिनों में अपने लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है? अरब देशों ही नहीं, यूक्रेन, रूस जैसे अनेक देशों में भारतीयों की सुरक्षा को ताक पर रखा जा रहा है। मिसाल के लिए, युवा काम की तलाश में रूस जाते हैं और उन्हें रूस में सैनिक बना दिया जाता है। रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए भारतीय हमें बहुत चिंता में डाल रहे हैं। सरकार को आपत्ति जताने से आगे जाकर अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यहां यह जान लेना चाहिए कि विदेश में भारतीयों की मौत चिंता की एक बहुत बड़ी वजह बनती जा रही है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगे गए एक जवाब के मुताबिक, अकेले साल 2020 में विदेश में कुल 11,439 भारतीयों की मौत हुई। अगर छात्रों की बात करें, तो साल 2018 के बाद से विदेश में 403 भारतीय छात्रों की विभिन्न वजहों से मौत हुई है। इनमें से सर्वाधिक 91 छात्र कनाडा में मारे गए हैं। सोचने वाली बात है, भारतीय छात्रों की मौत के मामले में कनाडा, ब्रिटेन, रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों का दामन साफ नहीं है। अत- भारत सरकार को तगड़ी मोर्चाबंदी करनी पड़ेगी और विदेश जाने वालों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति सजग होना पड़ेगा।

क्या आरएसएस और भाजपा के बीच व्याप्त मतभेदों का सिलसिला कभी थमेगा?

(कमलेश पांडे)

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं। मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसी विचारधारा के लिए संकटापन्न स्थिति है, जिसका सम्यक हल निकट भविष्य में निकलेगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं! यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि

समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई। बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं। यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों? वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुईं। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब 'कुलीन' मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज 'कुटिल' मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी। कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया। वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं! जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्ट्या यही प्रतीत हो रहा है कि भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली।

जी-7 देशों को साधकर चीनी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है भारत

(कमलेश पांडे)

जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। दुनिया की सात सबसे बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के संकल्प प्रस्ताव को जो मंजूरी दी गई है, उसके वैश्विक मायने स्पष्ट हैं। इन संकल्पों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। हालांकि रूस, चीन और अरब देशों के ईरान-तुर्किये समर्थित एक धड़े की तिकड़ी के सामने वो कितने टिकेंगे, यह तेजी से बदलता हुआ वक्त बताएगा। खासकर भारत और उसके पीछे लामबंद तीसरी दुनिया के देश यदि तटस्थ हो गए, तब क्या होगा, यह समझना भी जरूरी है। वैसे तो जी-7 शिखर सम्मेलन में इस प्रस्ताव पर भी सहमति जताई गई कि उन चीनी कम्पनियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद की है। खास तौर पर चीन के उन वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए हथियार हासिल करने में मदद की है। सम्भवतया भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसका रूसी प्रेम जगजाहिर है। वहीं, शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ जिन दो संकल्पों को मंजूरी दी, वो भी निकट भविष्य में अपना असर जरूर दिखाएंगे। क्योंकि इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है। स्वाभाविक है कि भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसने रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल की खरीददारी की और उसे यूरोपीय बाजारों तक पहुंचाकर भारी मुनाफा कमाया। वहीं, जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। लेकिन भारत पर निशाना साधने से पश्चिमी देशों का खेल गड़बड़ा सकता है, इसलिए उन्होंने रणनीतिक रूप से चीन पर निशाना साधा है, जो रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद वैश्विक रणनीतिक पार्टनर बन चुका है। यही वजह है कि जी-7 देशों ने चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया है। खासतौर पर चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने पर जोर देने की बात कही है। इसके अलावा, चीन को निर्यात नियंत्रण के जरिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने से परहेज करने की भी चेतावनी दी गई है, खास तौर पर चिप व इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में काम आने वाले अहम खनिजों पर एकतरफा निर्यात प्रतिबंधों को अनुचित करार दिया। वहीं, जी-7 ने चीन की कुटिल चालों से अपने व्यवसायों की रक्षा करने और चीन के साथ व्यापार में संतुलन लाने के लिए कार्रवाई करने की बात की है। इसके अलावा, अपने मसौदा बयान में कहा है कि हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे। इसके अलावा, जी-7 देश तबतक यूक्रेन के पीछे खड़े रहेंगे जबतक जरूरत होगी। यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए समूह पूरी मदद देता रहेगा। अब गौर करने वाली बात यह है कि जी-7 देश जहां रूस समर्थक चीन को ललकार रहे हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5405

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5404

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

आज का राशिफल

मेष
आज आपको ऑफिस में कुछ अतिरिक्त कार्यभार दिया जा सकता है। ऑफिस में आपके काम को काफी तवजजो मिलेगी। कोई नया काम आपको सौंपा जा सकता है। घरेलू मोर्चे पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। हो सकता है कोई ठोस सलाह आपके काम आएगी और आपको लाभ होगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति आपके लिए खास होगी।

वृष
आज आर्थिक लाभ होगा और ऑफिस में आपकी बात को पूरी तवज्जो दी जाएगी। आपको जिस बात की आशंका है उसकी वजह से आप परेशान रहेंगे। आपको कहीं दूर जरूरी काम से जाना पड़ सकता है। इस यात्रा में आपके सभी काम पूरे होंगे और भाग्य साथ देगा। आपका भलमन साहत में नुकसान हो सकता है। संभलकर रहें।

मिथुन
आज लाभ होगा और राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। आप अपने सभी दायित्व को पूरा कर पाएंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और आपके रुके कार्य भी सम्पन्न होंगे। आज शाम से लेकर रात का समय आनंद में बीतेगा। खानपान का विशेष ध्यान नियंत्रण रखें तो सेहत अच्छी रहेगी।

तुला
आज खास लाभ होगा और आज आपको कुछ जरूरी काम सौंपे जा सकते हैं। चलते फिरते भी अचानक में कोई प्रियजन मिल सकता है जिसकी तत्काल मदद भी आपको करनी होगी। आपके जीवन में कुछ कठिनाई आ सकती हैं और आपका काम करने में मन नहीं लगेगा। आपका दिमाग रिलेक्स होगा और माता-पिता का साथ मिलेगा।

वृश्चिक
आज दिन सफलता से भरा होगा और सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। कृपया दूसरों के लिए अच्छा जरूर सोचें और करें भी। आज आपको जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए बाहर भी जाना पड़ सकता है। आज शाम को कुछ जरूरी खर्च आपके सामने आ सकते हैं। आज किसी मामले में आपको धन लाभ होगा।

धनु
आज का दिन सच्चाई और सतर्कता से भरा होगा और आपको पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति आने पर क्रोध पर काबू रखें तो सब कुछ अच्छा होगा। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जाएगी और आपको राजकीय मदद भी मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं, भाग्य आपका साथ देगा।

कर्क
आज व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी और आपको लाभ होगा। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूरे होंगे। धार्मिक स्थानों की यात्रा का मन बना सकते हैं।

सिंह
आज अचानक से कुछ बड़े खर्च आपको करने पड़ सकते हैं। भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति की खरीद या बेच करने से आपको मुनाफा होगा। सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सांयकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा-पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

कन्या
आज आर्थिक लाभ होगा और आपका जीवन आनन्द में बीतेगा। पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

मकर
आज का दिन शुभ है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा और प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सांयकाल प्रियजनों से भेंट करें और सैर सपाटे में आपका मन लगेगा। मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ
आज आपका गृहोपयोगी वस्तुओं पर खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण आपको तनाव हो सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। आपको दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें आपकी विजय होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

मीन
आज आर्थिक लाभ होगा,आपके लिए शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि से भरा होगा। आय के नए स्रोत बनेंगे और बोलने की कला आपको सम्मान दिलाएगी। विशेष सम्मान प्राप्त होगा। आज भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव सेहत पर पड़ेगा। सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य भी आपको पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

वर्ग पहेली 5405

1	2	3	4		5	6	
7					8		
9			10	11			12
		13				14	
15	16					17	
			18		19		
20		21			22		23
24				25			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1877 को पैदा हुए थे ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (7)
7. जलपक्षी, जलाशयों के समीप रहने वाले पक्षी (4)
8. निशान, चिन्ह, परीक्षा में प्राप्त अंक (2)
9. निर्णीत, ठहराया या निश्चित किया हुआ (2)
10. र वर्ण बोधक अक्षर (3)
14. एक प्रकार का सत जिसे पृथ्वी रूपी गौ से गंधर्वों ने दुहा था (2)
15. परिचर्या, खिदमत, सेवा-सुश्रुषा (3)
17. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, गायन (2)
18. यह क्षेत्र कोयल खनन के लिए प्रसिद्ध है (4)
20. तमाशा देखने वाला व्यक्ति (4)
22. डाला जाना, छोड़ा जाना (3)
24. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
25. अशुचि, पवित्र, पुनीत (2)

ऊपर से नीचे
1. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
2. घुलना, विलय होना, समा जाना (3)
3. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, समुद्री घोंघा जिसे हिंदू धर्म के लोग पवित्र मानते है (2)
4. किनारे पर, समीप, मेड, कारनिस (3)
5. संख्या, हिसाब, लेखा, गिनती (3)
6. लिपिक, हिसाब-किताब एवं पत्राचार करने वाला कर्मचारी, बाबू (2)
11. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
12. तपस्या, तप, पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (3)
13. एक प्राचीन शस्त्र, कंटका, विकट पीड़ा (2)
14. प्रकाश झा निर्देशित बनी अजय देवगन द्वारा अभिनीत एक प्रसिद्ध सफल फिल्म (4)
16. पवनपुत्र, केसरी नंदन (4)
18. यह बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, एक प्रकार की छोटी सरसों (2)
19. नेपाल और बिहार में बहने वाली एक नदी (3)
20. शरीर, देह, काया (2)
21. हर्षित, खुशी, प्रसन्न (2)
23. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5404 का हल

श्री	लं	का		स	र	ह	द
म		नू		गा	इ	ड	
ती	ज	न	बा	ई		स	पा
	ल	ब			मा	न	व
गो	द	ना		स	ही		र
दा		ना	दा	न		म	हा
व			गी		भा		उ
री	ड	र		दे	व	दा	स

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : soneversharvani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

संक्षिप्त समाचार

मझगांव व खडपोस में सादगी से अदा की गयी बकरीद की नमाज

चाईबासा/मझगांव। ईद उल अजहा का त्योहार सोमवार को मझगांव व खड़पोस में सादगी के साथ मनाया गया। मझगांव ईदगाह में सूबह 7 बजे मौलाना सैय्यद हबीबुर्रहमान कासमी व खड़पोस ईदगाह में 7 बजे मौलाना खलीलुर्रहमान नोअमानी, खड़पोस के नमाज गाह में 7ः15 बजे हाफिज रऊफ ने ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई। इससे पहले पेश इमाम हबीबुर्रहमान कासमी ने ईद उल अजहा की फजीलत बयान करते है हजरत इब्राहिम की तरह ईमान को मजबूत करने की बात कही। नमाज के बाद मुल्क की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआएं मांगी गई। बकरीद पर्व को लेकर मझगांव थाना के सबइंस्पेक्टर धीरज कुमार यादव के अगुवाई में पुरे क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन भी मुस्तैद रहे।

वज्रपात की चपेट में आने से महिला हुई घायल

रांची। कर्रा थाना क्षेत्र के केदली गांव निवासी 50 वर्षीय तेतरी मिंज सोमवार को दोपहर लगभग साढ़े चार बजे हुई जोरदार वज्रपात की चपेट में आने से घायल हो गई। मौके पर घायल तेतरी मिंज को परिजनों ने 108 एंबुलेंस से सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया। वहीं ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त समय हल्की बारिश के साथ में बादल गरजने लगे थे। उस समय तेतरी मिंज अपने घर में अकेले बैठी हुई थी। इस दौरान घर के पास ही अचानक जोरदार वज्रपात हुई। जिसके चपेट में तेतरी मिंज आ गई और घर के अंदर ही गिर पड़ी। इस दौरान बगल घर के लोगों ने तेतरी को गिरता हुआ देखा। जैसे ही वहां पहुंचे तो वह बेसुध पड़ी हुई थी। तत्काल इसकी सूचना परिजनों ने 108 एंबुलेंस को दिया। मौके पर एम्बुलेंस से घायल तेतरी को इलाज हेतु सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार चल रहा है।

साकची गुरुद्वारा कमेटी के दो साल पूरे

रांची। साकची गुरुद्वारा के अध्यक्ष सरदार निशान सिंह के कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर उन्हें सम्मानित किया गया। झारखंड सिख विकास मंच के संस्थापक सरदार गुरदीप सिंह पप्पू एवं भारतीय जनता पार्टी के सिख नेता सतबीर सिंह सोमू ने उनके कार्यकाल को बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि देश की गुरुद्वारा कमेटियों के प्रधान को उनकी कार्यशैली का अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने पथ एवं गुरुघर की सेवा पूरी मर्यादा एवं आदर्श के साथ की। उनके कार्यकाल में साकची गुरुद्वारा सौर उर्जा से संचालित होने वाला राज्य का पहला गुरुद्वारा बना। मौके पर सरदार चंचल सिंह भाटिया, गुरविंदर सिंह बंटी, परमजीत सिंह, दलजीत सिंह, त्रिलोचन सिंह तोची, परमजीत सिंह जगतार सिंह, ताज सिंह मां, बलबीर सिंह, दलजीत सिंह व अन्य उपस्थित थे।

सिन्दरी में युवा शक्ति निर्माण पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

धनबाद। सिंदरी के गायत्री ज्ञान मंदिर में सोमवार को युवा शक्ति निर्माण को लेकर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता गायत्री शक्तिपीठ धनबाद के मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी विभूति शरण सिंह ने की। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य सुपर 50 के अंतर्गत 50 सक्रिय युवा भाई बहनों की टीम जन्म शताब्दी वर्ष तक मिशन के विचार क्रांति अभियान को हर भुले भटके युवाओं तक पहुंच सके। जवानी को सही दिशा देकर व्यसन से छुड़ाकर नवसृजन में नियोजन हेतु शांतिकुंज यूथ सेल के प्रतिनिधि नीरज महतो एवं प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ झारखंड के यूथ मोटिवेटर सुरेश कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में मार्गदर्शन किया। केंद्रीय प्रतिनिधि एवं प्रांतीय प्रतिनिधि नीरज महतो एवं सुरेश कुमार बीआईटी सिंदरी के असिस्टेंट प्रो. नीरज यादव का मंत्र चादर तिलक लगाकर मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी एवं युवा टीम ने स्वागत किया। गायत्री जयंती पर सुपर 50 के रूप में सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया है। मौके पर मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी रामप्रवेश शाह सिंह, सिंदरी युवा प्रतिनिधि संदीप, अनूप, चंदन, रौशन, मधुरेंद्र सिंह, नरेश भट्ट, उपजोन युवा प्रतिनिधि वीर जवाहर, विमल, विनोद, महुदा गायत्री ज्ञान मंदिर के मुख्य ट्रस्टी मनोहर महतो, शालिनी यादव आदि थे।

शिवराज सिंह चौहान को क्यों मिली झारखंड में बड़ी जिम्मेदारी,

'मामा' के सामने 3 चुनौतियां

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारियों में आक्रामक तरीके से जुट गई है। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाया है, जबकि हिंदूवादी विचारधारा के बड़े चेहरे के तौर पर स्थापित असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है। दोनों प्रभारियों के समक्ष लोकसभा चुनाव में मिली बढ़त को बरकरार रखने की चुनौती है।

शिवराज सिंह चौहान को को बनाया गया चुनाव प्रभारी : दोनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव में भी झारखंड में जम कर चुनाव प्रचार किया था। शिवराज सिंह चौहान ने रांची में युवा सम्मेलन किया था, वहीं गोड्डा-महगामा में भी रैलियां की थीं। सरमा ने भी धनबाद लोकसभा में आक्रामक तरीके से चुनाव प्रचार किया था। खूंटी लोकसभा के तमाड़ में भी उनका कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन उनका कार्यक्रम यहां नहीं हो पाया था। लोकसभा चुनाव में भाजपा-आजसू ने विधानसभा की 50 सीटों पर बढ़त ली थी। पांच जनजातीय आरक्षित विधानसभा सीटों पर भी भाजपा ने बढ़त ली है, हालांकि चुनाव में सभी पांच आरक्षित लोकसभा सीटें भाजपा हार गई थी।

'मामा' को क्यों मिली झारखंड में बड़ी जिम्मेदारी : चुनाव प्रबंधन में शिवराज सिंह चौहान को विशेषज्ञ माना जाता है। 20 साल से अधिक के एंटी इनकमबैंसी के बाद भी उन्होंने मध्यप्रदेश में चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत दिलाई थी। शांत व सौम्य छवि वाले शिवराज सिंह चौहान को बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जोड़ने में माहिर माना जाता है। भाजपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव के दौरान जीत के लिए मध्यप्रदेश फार्मूले पर भी चर्चा की थी। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा भी अच्छे संगठनकर्ता के साथ-साथ आक्रामक छवि वाले नेता माने जाते हैं। स्थानीय भाजपा नेताओं के मुताबिक इस जोड़ी से नई ऊर्जा मिलेगी।

क्या-क्या हैं चुनौतियां : साल 2019 में कोल्हान प्रमंडल में भाजपा खाता नहीं खोल पायी थी, संताल के किसी भी जनजातीय आरक्षित सीट पर भाजपा को जीत नहीं मिली थी। हालांकि राज्य के 28 में महज दो जनजातीय आरक्षित सीटों खूंटी और तोरपा पर भाजपा जीती थी। इस बार चुनौती पाले से छिटक चुके जनजातीय आबादी को भाजपा से जोड़ने की है।

बीते विधानसभा चुनाव 2019 में भाजपा और आजसू के बीच सीट शेयरिंग का मामला फंस गया था। गठबंधन नहीं होने की वजह से 11 सीटों पर भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार आजसू के साथ सीट शेयरिंग व कुर्मी वोट को अपने साथ जोड़ने वाले जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस से निपटने की भी चुनौती होगी। भाजपा आजसू के परंपरागत कुर्मी वोट लोकसभा में छिटक गए, जिसकी वजह से पार्टी को वोट शेयर का बड़ा नुकसान हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उन्हें लेकर सहानुभूति की लहर है। इस लहर से निपटने की चुनौती भी शिवराज-हिमंता के समक्ष होगी।

विजिटिंग रजिस्टर में अधिकारी ने लिखा डॉक्टर एब्सेंट, उस दिन की हाजिरी भी बनी हुई मिली

रांची, एजेंसी। शहर की आबादी को अपने घर के आसपास चिकित्सा सुविधा का लाभ देने के लिए नगर निगम की ओर से जिले के विभिन्न वार्डों में 24 आयुष्मान भारत-अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का संचालन किया जा रहा है। इन सेंटरों में रोगियों को कितना लाभ मिल पा रहा है, इसका अंदाजा इस रिपोर्ट को पढ़ने के बाद खुद ही लगा सकेंगे...। सभी सेंटर्स में ड्यूटी का समय निगम द्वारा सुबह 9 से शाम 5 बजे तक निर्धारित है।

पड़ताल के क्रम में रिपोर्टर ने अर्बन सेंटर में उपलब्ध विजिटर्स बुक देखा, इसमें एक अधिकारी ने निरीक्षण के क्रम में 31 मई को डॉक्टर को अनुपस्थित पाकर एब्सेंट लिखा। जबकि अटेंडेंस रजिस्टर में उक्त डॉक्टर की उस दिन की उपस्थिति दर्ज मिली। ऐसे में साफ जाहिर होता है कि मैनुअल अटेंडेंस बनाने के नाम पर चिकित्सक धांधली करते हैं और हर दिन सुबह या शाम में कुछ देर के लिए सेंटर में आकर हाजिरी बनाकर वापस चले जाते हैं। यही हाल वार्ड नं. 3, वार्ड नंबर 33, 38, 40 समेत अन्य जगहों पर मिला।

दोपहर 2ः15 बजे। रिएलिटी चेक करते हुए वार्ड 3 के अर्बन हेल्थ सेंटर जाने पर यहां भी डॉक्टर ड्यूटी में अनुपस्थित मिलीं। इस बीच वहां एक मरीज और एमपीडब्लू स्टाफ के बीच बकझक हो रही थी। स्टाफ से पूछने पर कि डॉक्टर कहां हैं उसने बताया कि मैम अभी निकली है सर। जबकि इलाज कराने आए एदलहातू के मरीज अखिलेश कुमार ने कहा कि मैं दिन में दूसरी बार इलाज कराने आया हूं। सुबह 10 बजे आया और 10ः45 तक रुका रहा, लेकिन डॉक्टर नहीं आई। कहा गया कि दोपहर में आएं। मैं अभी 2 बजे आया हूं और फिर कहा जा रहा है कि डॉक्टर नहीं हैं। अखिलेश बाएं हाथ में दर्द की समस्या लेकर पहुंचा था, उसने दावा किया कि आज डॉक्टर ड्यूटी में आई ही नहीं है।

दोपहर के 3 बजे हैं। धुर्वा स्थित हाईकोर्ट गेट नंबर 2 के सामने अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में भी डॉक्टर उपस्थित नहीं मिले। डॉक्टर रूम खाली था। एमपीडब्लू स्टाफ ने कहा कि मैम थोड़ी देर पहले ही गई हैं। विजिटर्स रजिस्टर देखने पर पता चला कि 28 मई को डॉक्टर अनुपस्थित थीं। 12 अप्रैल को भी निरीक्षण के क्रम में अनुपस्थित पाई गई थीं। 30 मार्च को भी एब्सेंट, 27 को भी एब्सेंट, 21 मार्च और 19 मार्च को भी वे उपस्थित नहीं मिलीं।

काम बंद कराने की घोषणा के बाद मजदूर व कंपनी के कर्मचारी हुए आमने-सामने

लोयाबाद , एजेंसी। बांसजोड़ा में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनी में 18 जून को प्रस्तावित बंदी को लेकर खूनी संघर्ष की पृष्ठभूमि तैयार हो चुकी है। एक तरफ बांसजोड़ा बस्ती के लोग कंपनी का काम बंद करने को तैयार हैं। वहीं, दूसरी ओर कंपनी के मजदूर हर हाल में बंदी का विरोध करने का मन बना चुके हैं।जिससे यहां टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इधर, ग्रामीण रैयतों ने बांसजोड़ा में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि हमारी रैयती जमीन पर साकारमास मास ज्वाइंट वेंचर की पेटी कांट्रेक्टर डेको आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा कोयला का खनन किया जा रहा है। कंपनी ने रैयतों को नियोजन नहीं दिया तो 18 जून को कंपनी का काम बंद कर देंगे। कहा कि गोली बम चले फिर भी हम रोजगार के लिए लड़ाई लड़ेंगे। रैयतों की अगुवाई करते हुए सूरज महतो ने कहा कि हम जमीन नहीं देते तो परियोजना का काम नहीं चलता। इसलिए हमलोगों को कंपनी में नियोजन देना होगा। कहा कि कंपनी नई है या पुरानी इससे कोई फर्क नहीं पड़ा है। यहां की 60 से 70 घरों की आबादी परियोजना से प्रभावित है। सभी को नियोजन देना होगा। फूल देवी ने कहा कि हम इस बार आर पार की लड़ाई लडेंगे। इस दौरान ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी भी की। ग्रामीणों ने बंदी को लेकर संबंधित लोगों को पत्र भी दिया है।प्रेस वार्ता में विकास सिंह, गौतम महतो, प्रकाश सिंह, मोहन रवानी, रोहित रवानी, बद्री रवानी, विनय रवानी, गोलू सिंह, जय नारायण सिंह, मनजीत रवानी, शक्ति रवानी आदि थे। ज्ञात हो कि बांसजोड़ा में साकारमास मास ज्वाइंट वेंचर की पेटी कांट्रेक्टर डेको कंपनी ने एक साल बाद दोबारा काम शुरू किया है। इस बार 18 महीने का एक्सटेंशन मिला है। कंपनी ने फिलहाल पुराने 70 मजदूरों को बहाल किया है।

झारखंड में बारिश का ऑरेंज अलर्ट, लेकिन इस इलाके में लू की चेतावनी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्र में सोमवार को हल्के बादल छाए रहे। इससे उमस भरी गर्मी और बढ़ गई। लोग पसीने से तरबतर रहे। रांची का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी और आसपास के क्षेत्र में अगले 24 घंटे के दौरान आंशिक बादल छाए रहेंगे। इस दौरान कहीं-कहीं तेज हवा और गरज तथा वज्रपात के साथ हल्की बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

यहां लू का अलर्ट : राज्य के पलामू क्षेत्र में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, बादल छाए रहने के कारण मंगलवार को तापमान में एक से दो डिग्री कमी आ सकती है। जबकि न्यूनतम तापमान बढ़ने के

पूर्वानुमान से रात में उमस की गर्मी और सताएगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दक्षिणी-पूर्वी मानसून की प्रक्रिया अभी शिथिल है। अगले चार दिनों तक इसके बिहार और बंगाल के कुछ हिस्सों में प्रवेश करने की संभावना है। इसके बाद ही झारखंड में इसके प्रवेश करने की संभावना बन रही है।

कहां कितनी बारिश : मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान रांची के आसपास में बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश रामगढ़ में 6.1 मिमी दर्ज की गई। वहीं, बोकारो और रांची के नामकुम में भी हल्की बारिश हुई। इस दौरान बोकारो, खूंटी आदि जगह में तेज हवा चलने से लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के उत्तरी भाग से लेकर पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र तक एक कमजोर निम्न दबाव का क्षेत्र बना है।

अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची केंद्र के अनुसार, 18 से 20 जून तक राज्य के कई हिस्सों में तेज हवा चलेगी। इसकी रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी। साथ ही वज्रपात की भी संभावना। हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी हो सकती है। पलामू और गढ़वा जिले के आसपास के क्षेत्र में मंगलवार को लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राज्य के विभिन्न भागों में हल्के बादल भी छाए रहेंगे।

झारखंड में चुनाव नतीजों के बाद भाजपा में आपसी तकरार, निशिकांत दुबे पर विधायक ने लगाया मारपीट का आरोप

रांची। झारखंड लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने आठ सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं 'इंडिया' गठबंधन ने पांच सीटों पर कब्जा किया। पिछली बार के मुकाबले भाजपा को तीन सीटों का नुकसान हुआ है। ऐसे में चुनाव नतीजों के बाद भाजपा में अब आपसी तकरार देखने को मिल रही है। भाजपा के एक विधायक और एक सांसद के समर्थकों में हाथापाई हो गई। दिग्गज नेता निशिकांत दुबे पर भाजपा विधायक ने मारपीट का आरोप लगाया है।

दरअसल, गोड्डा लोकसभा के चुनाव परिणाम की समीक्षा को लेकर सोमवार को बुलाई गई बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। इसमें देवघर के भाजपा विधायक नारायण दास व गोड्डा के भाजपा सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे के समर्थकों के बीच हाथापाई हो गई।

निशिकांत पर नारायण ने लगाया मारपीट का आरोप : नारायण दास ने सांसद दुबे पर हंगामा और मारपीट कराने का आरोप लगाया है। कुछ लोगों का नाम लेते हुए कॉलर पकड़ लेने व गाली-गलौज का आरोप लगाया है। पार्टी के दो कार्यकर्ताओं देवाशीष चौधरी व गौतम यादव के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। संताल परगना की तीनों लोकसभा सीटों के परिणामों की समीक्षा करने के लिए पार्टी के प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू और प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय देवघर पहुंचे हैं।

थाने तक पहुंचा मामला : कार्यकर्ता व समर्थक उनके सामने ही बवाल काटने लगे। हंगामा व मारपीट करने के साथ धमकी देने वाले के रूप में निर्मल मिश्रा व राहुल तिवारी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। समाचार लिखे जाने तक अलग-अलग पक्षों की ओर से तीन आवेदन नगर व कुंडा थाने में दिए जा चुके थे।

मैं 48 घंटे से अस्पताल में भर्ती हूं- निशिकांत : गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने इन आरापों पर कहा है कि मैं 48 घंटे से अस्पताल में भर्ती हूं। भाजपा के सभी प्रखंड व जिला के पदाधिकारियों से प्रार्थना है कि कोई भी प्रतिक्रिया, अमर्यादित शब्दों का प्रयोग मीडिया या सोशल मीडिया पर नहीं करें। आपसे बातचीत 20 जून के बाद होगी।

झारखंड में बनेगी मजबूत डबल इंजन सरकार- मरांडी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रदेश चुनाव प्रभारी व असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा को प्रदेश सह प्रभारी बनाए जाने का भाजपा ने स्वागत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि दोनों कुशल संगठनकर्ता के मार्गदर्शन में राज्य की भ्रष्ट गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंकते हुए मजबूत डबल इंजन सरकार बनेगी।

बोकारो में दो समुदायों के बीच झड़प, पथराव में 12 लोग घायल, किस बात पर भड़का बवाल?

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार को दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसमें जमकर पथराव हुआ। पथराव में कुछ पुलिसकर्मी समेत 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के भर्रा बस्ती में दो भैंसों की करंट लगने से मौत होने के बाद बिजली आपूर्ति बाधित हो जाने के कारण यह घटना हुई। पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन ने कहा कि स्थिति काबू में है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

उन्होंने बताया कि एक-दूसरे पर पथराव कर रहे दोनों समूहों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसूगैस का इस्तेमाल करना पड़ा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब एक दो भैंसों पर बिजली का तार गिर गया और दोनों को करंट लग गई। भैंसों के मालिक ने मवेशियों के शवों को बाहर निकालने के लिए कथित तौर पर तार तोड़ दिया। यह तार एक अवैध कनेक्शन का हिस्सा था।

इससे एक पक्ष के कुछ लोग नाराज हो गए। उन्होंने मवेशियों के मालिक की कथित तौर पर पिटाई कर दी। इसके बाद दोनों समुदायों के लोगों के बीच पथराव हुआ। आक्रोशित लोग एक-दूसरे से उलझ गए। इसमें कई लोग घायल हो गए। आक्रोशित लोगों ने एक बाइक को नदी में फेंक दिया।

बवाल बढ़ने के बाद कई थानों की पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पथराव में सिटी डीएसपी भी घायल बताए जाते हैं। पुलिस ने भीड़ को तितिर-बितिर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद हालात काबू में आया। बताया जाता है कि पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने के साथ रबर बुलेट चलानी पड़ी। भर्रा बस्ती और उसके पड़ोस में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

नाबालिग छात्रा के साथ ममेरे भाई ने किया दुष्कर्म

हजारीबाग। हमारे प्रतिनिधि। शहर के एक होटल में एक बार रिश्ते को कलंकित किया गया है। नाबालिग छात्रा के साथ उसके ममेरे भाई ने मुंह काला किया है। सूचना के अनुसार उसे डराने के लिए वीडियो भी बनाया। बताया जाता है कि आरोपी फुफेरी बहन को बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया और वहां चार घंटे तक रखा। दुष्कर्म के बाद उसे शहर स्थित उसके कमरे तक छोड़ा। जहां उसकी तबीयत बिगड़ गयी। फिर उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाजरत है। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया है।महिला पुलिस ने लड़की का फर्द बयान दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में छापामारी भी की जा रही है। नाबालिग लड़की आरोपी के साथ आर्केस्ट्रा में भी काम करती थी। दोनों जिले के एक ही प्रखंड क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं। सूचना के अनुसार आरोपी ने पहले जबरन अपने पास बुलाया। जब वह इंकार की तो दो लड़की को भेज कर डराया धमकाया गया। उसके बाद रविवार की सुबह जबरन मोटरसाइकिल में बिठाकर ले जाया गया। दुष्कर्म के बाद लड़के ने धमकी भी दी। कहा कि घटना की सूचना अगर माता-पिता को दी तो खैर नहीं है। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई चल रही है। इसलिए पुलिस अभी कुछ भी बताने से इंकार कर रही है।

गद्दारों की वजह से हारी, सीता सोरेन ने भाजपा के पूर्व सांसद पर लगाया बड़ा आरोप, जांच की भी बात

रांची। झारखंड के दुमका लोकसभा सीट से मिली भाजपा को हार के बाद भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक अखबार से बातचीत में सीता ने कहा है कि केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व को दुमका में हार की समीक्षा के अलावे ग्रास रूट पर जांच करानी चाहिए। केंद्रीय नेतृत्व टीम बना गांव-गांव में पहुंचकर जांच करे तो पर्दे में रहकर पार्टी को हराने वाले पार्टी में छुपे गद्दारों की सूची सामने आ जाएगी। केंद्र में अगर भाजपा को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला है तो इन्हीं गद्दारों की वजह से। इन पर पार्टी सख्त कार्रवाई करे। बता दें कि इस चुनाव में भाजपा ने सुनील सोरेन का टिकट काटकर सीता सोरेन को चुनावी मैदान में उतारा था। झामुमो से बगावत कर सीता भाजपा में शामिल हुई हैं।

पूर्व सांसद ने पार्टी को हराने में लगा दिया दम- सीता : यह पूछे जाने पर कि पूर्व सांसद सुनील सोरेन का दावा है कि उन्होंने तन, मन, धन से चुनाव के दौरान पार्टी हित में काम किया है। उस पर सीता सोरेन ने कहा कि पूर्व सांसद ने केवल झामुमो का झंडा नहीं पकड़ा था, बाकि भाजपा को हराने व झामुमो को जिताने का काम किया है। चुनाव हारने के तुरंत बाद खुशी में पार्टी मानने का काम किया। सीता ने आरोप लगाया है कि वह काफी कम अंतर से इसलिए हार गई क्योंकि पर्दे में रहकर पूर्व सांसद सुनील सोरेन, पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी व सारठ विधायक रणधीर सिंह ने पार्टी को हराने के लिए पूरी ताकत लगा रखी थी। चुनाव के दौरान पार्टी का मंच तो साझा किया, पर बैकडोर से चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी।

सीता आरोप साबित कर दें तो राजनीति छोड़ दूंगा- सुनील : सीता के आरोपों पर पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि वह साबित कर दें कि चुनाव में मैं बिक गया हूं तो राजनीतिक छोड़ दूंगा। ऐसा आरोप दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरे चरित्र पर कीचड़ उछालने की सूचना मैं प्रदेश व केंद्र इकाई से मिलकर दूंगा। जबकि पूर्व मंत्री लुईस मरांडी से उनके मोबाइल पर बात करने का प्रयास किया गया, पर उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं, सारठ के विधायक रणधीर सिंह ने कहा कि कल पार्टी में शामिल होने वाली सीता सोरेन से काम के बदले सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।

सीता सोरेन के क्या-क्या आरोप :

पार्टी विरोधी काम के बाद भी विधानसभा में फिर से टिकट लेने का संबंधित लोग प्रयास कर रहे

पीएम और मुझे देखकर जनता ने वोट किया

यूनियन की मांगों पर वार्ता होने से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन टला

रांची। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन ने चार सूत्री मांगो को लेकर सोमवार को बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के लिए पहुंचे। इधर सूचना पाकर प्रबंधन ने आंदोलनकारियों को वार्ता के लिए बुलाया गया। यूनियन प्रतिनिधियों के साथ वार्ता मे महाप्रबंधक ने कहा कि 15 दिनों के अंदर सेल पीकर मजदूरों को एच पी एस वेतन भूगतान पर पहल का आश्वासन दिया। इसके साथ सीएमपीएफ का वी वी स्टेटमेंट भी देने की बात कहीं गई। वार्ता मे प्रबंधन द्वारा रीजनल हॉस्पिटल बाघमारा के आकस्मिक सेवा को बेहतर का आश्वासन दिया गया। यूनियन की अन्य मांगो पर भी साकारात्मक पहल करने की बात प्रबंधन द्वारा कही गई। वार्ता में मुख्य रूप से महाप्रबंधान पियूष किशोर, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक हेमंत कुमार हैना, कार्मिक प्रबंधक अलीशा मिंस, संदीप शर्मा के साथ यूनियन के संतोष गोराई, एन डी पांडेय, जगदीश रवानी, राजीव प्रसाद महतो, अरुण रवानी, संतोष कुमार रवानी, अनिल कुम्हार, राजीव विसियार आदि थे।

संक्षिप्त समाचार

बकरीद पर कुर्बानी से बचाने को 11 लाख में खरीद लिए 127 बकरे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत पूरे देश में सोमवार को बकरीद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। परंपरा के मुताबिक कुर्बानी भी दी गई। इस बीच दिल्ली में 127 बकरों को कुर्बानी से बचाने के लिए कुछ लोगों ने मिलकर 11 लाख रुपए खर्च कर डाले। ना सिर्फ इन बकरों को खरीदा गया बल्कि जीवनभर इनकी सेवा का इंतजाम भी किया गया है। सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, यह पहल पुरानी दिल्ली में स्थित धर्मपुरा जैन मंदिर से जुड़े जैन समाज के कुछ लोगों ने की। दिगंबर जैन लाल मंदिर के प्रबंधन से जुड़े

पुनीत जैन ने लाइव हिन्दुस्तान को फोन पर बताया कि मंदिर से जुड़े युवा जैन संगठन ने यह काम किया। उन्होंने कहा, हर जीव को जीने का हक है। हमसे जो भी सहयोग हो सकता है, जितनी हमारी क्षमता है उसके तहत हमने ऐसा किया। पुनीत जैन ने बताया कि बकरों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें दाना-पानी दिया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम सुबह शाम उनकी जांच कर रही है। एक-दो दिन में खतौली के पास एक बकराशाला में भेजा जाएगा, जिसे जैन समाज की ओर से ही संचालित किया जाता है।

क्राउड फंडिंग से जुटाया गया पैसा- बकरीद से दो दिन पहले ही मंदिर से जुड़े कुछ लोगों में मन में यह विचार आया। इसके बाद समाज के लोगों को जोड़ने वाले वॉट्सऐप ग्रुप्स में प्लान को साझा करते हुए आर्थिक मदद की अपील की गई। देखते ही देखते 11 लाख रुपए से अधिक की धनराशि जमा हो गई। इस धनराशि से 127 बकरों की खरीद की गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग बकरों के साथ जियो और जीने दो के नारे लगाते दिख रहे हैं। दिल्ली जैन समाज के अध्यक्ष चक्रेश जैन समेत कई लोगों ने इसमें अहम भूमिका निभाई। मुहिम से जुड़े लोगों ने बताया कि अंकुर जैन और विवेक जैन की मेहनत से यह सफल हो पाया।

दिल्ली एयरपोर्ट को मिला बम की धमकी वाला ईमेल, मचा हड़कंप

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से दुबई जाने वाली एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी एक ईमेल के जरिए डीआइएएल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) कार्यालय को भेजी गई थी। बम की धमकी वाला ईमेल मिलते ही हड़कंप मच गया। तुरंत सुरक्षा बढ़ाते हुए फ्लाइट की जांच की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह धमकी भरा ईमेल 17 जून को सुबह 9.35 बजे मिला था। पुलिस ने बताया कि ईमेल आईजीआई एयरपोर्ट स्थित डीआइएएल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) कार्यालय को मिला जिसमें दिल्ली से दुबई की उड़ान के अंदर बम होने की धमकी दी गई थी। इसके बाद तुरंत फ्लाइट की तलाशी ली गई लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इससे पहले पुलिस ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया है कि आपातकालीन स्थिति में अधिक इकाइयों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पांच बम निरोधक दस्तों (बीडीएस) और 18 बम जांच दलों (बीडीटी) की मौजूदा संख्या में से छोटी टीमें गठित की जा सकती हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 23 बीडीएस/बीडीटी इकाइयां भी तैनात हैं, जिन्हें गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद तैनात किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि बीडीएस/बीडीटी के पांच दस्तों को भी इस संबंध में प्रशिक्षित किया जाएगा, जिनमें प्रत्येक बैच में 15 कार्मिक होंगे। पुलिस ने पहले कहा था कि यहां 4,600 से अधिक स्कूलों के लिए कुल पांच बीडीएस और 18 बीडीटी हैं।

दिल्ली जल संकट पर बढ़ा सियासी घमासान

अब वीवीआईपी इलाकों तक पहुंची कटौती

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जल संकट दिन-प्रतिदिन और विकराल होता जा रहा है। राजधानी के दर्जनों इलाकों में लोग कई दिनों से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। सभी प्रभावित इलाकों में दिल्ली सरकार टैंकर के जरिए पानी पहुंचाने के प्रयास कर रही है, जो नाकाफी साबित हो रहे हैं। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्लीवालों से पानी बचाने और इसका सोच-समझ कर इस्तेमाल करने की अपील की है। दिल्ली पुलिस भी लगातार पाइपलाइनों की रखवाली कर रही है। बढ़ते जल संकट को देखते हुए अब दिल्ली के वीआईपी इलाकों वाले एनडीएमसी क्षेत्र में भी पानी की कटौती की तैयारी की जा रही है। एनडीएमसी ने कहा है कि लुटियंस दिल्ली में पानी की आपूर्ति में कटौती होगी। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच पानी के सवाल पर सियासी वार-पलटवार लगातार जारी है।

जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को वजीराबाद बैराज का दौरा किया और कहा कि हरियाणा से कम पानी आने के कारण वजीराबाद में जल स्तर 6.20 फुट घट गया है। आतिशी ने कहा कि यमुना नदी का पानी हरियाणा से वजीराबाद जलाशय में आता है जहां से वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स को इसकी आपूर्ति की जाती है। उन्होंने कहा कि अगर पानी नहीं मिलेगा तो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स कैसे काम करेंगे? दिल्ली के लोग चिंतित हैं, इसलिए हम हरियाणा से अपील करते हैं कि उन्हें यमुना नदी में पानी छोड़ना चाहिए क्योंकि जब तक वे यमुना में पानी नहीं छोड़ेंगे, दिल्ली में लगातार पानी की कमी बनी रहेगी। वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। सैनी ने कहा कि हरियाणा, दिल्ली के लोगों की परवाह करता है। दिल्ली की आप सरकार पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप

लगाते हुए सैनी ने कहा कि आप को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।

भाजपा ने तस्वीरों के जरिए आप सरकार पर बोला हमला

दिल्ली में जल संकट को लेकर भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी सरकार पर हमलावर बनी हुई है। दिल्ली भाजपा ने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर कहा, ये केजरीवाल के लंदन का दृश्य है, जहां केजरीवाल गैंग जनता को पानी नल की टोटी से नहीं अपने टैंकर माफिया से भिजवाते हैं ताकि मोटी कमाई हो सके!

दिल्ली का जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित : संजय सिंह

: दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार जल संकट के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रही है। दिल्ली में पानी के मुद्दे पर भाजपा पर पलटवार करते हुए आप सांसद संजय सिंह ने सोमवार को बड़ा आरोप लगाते हुए इस जल संकट को भाजपा द्वारा प्रायोजित बताया था।

टैंकरों से बुझाई जा रही दिल्लीवालों की प्यास- दिल्ली के कई इलाकों में आज भी पानी की किल्लत देखी गई। राजधानी में जल संकट के बीच गीता कॉलोनी, चाणक्यपुरी, ओखला और न्यू अशोक नगर और वसंत विहार के कुसुमपुर पहाड़ी इलाके में टैंकरों के जरिये लोगों को पानी की आपूर्ति की जा रही है।

आतिशी बोलीं-

यमुना में कम पानी छोड़े जाने के कारण वजीराबाद में जलस्तर घटा

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को जल संकट पर बोलते हुए कहा कि अगर पानी नहीं मिलेगा तो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट कैसे काम करेंगे? दिल्ली के लोग चिंतित हैं, इसलिए हम हरियाणा से अपील करते हैं कि उन्हें यमुना नदी में पानी छोड़ना चाहिए क्योंकि जब तक वे यमुना में पानी नहीं छोड़ेंगे, दिल्ली में लगातार पानी की कमी बनी रहेगी। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लिए यमुना में कम पानी छोड़े जाने के कारण वजीराबाद में जलस्तर 6.20 फुट घट गया है और इससे दिल्ली में जल संकट पैदा हो गया है।

पानी के मुद्दे पर राजनीति करने से पहले आप को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर राजधानी में पानी की कमी के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। सैनी ने कुरुक्षेत्र में संवाददाताओं से कहा कि हरियाणा को दिल्ली के लोगों की परवाह है। सैनी ने कहा कि आप सरकार पर पानी के मुद्दे पर राजनीति करने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं, क्योंकि उनका ध्यान भ्रष्टाचार पर अधिक रहा है।

1994 का जल समझौता नहीं पूरी कर रहा मांग

कैसे बुझेगी दिल्ली की प्यास; आतिशी ने बताया अगले साल का प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जनता पानी को लेकर त्राहिमाम कर रही है। सरकार और हरियाणा और आप सरकार लगातर एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने पड़ोसी राज्य से मानवीय आधार पर पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। उन्होंने सोमवार को राजधानी के लिए यमुना से पानी के हिस्से के संशोधित आवंटन की मांग की और कहा कि 1994 का जल बंटवारा समझौता, जो यमुना के पानी को विभिन्न उत्तर भारतीय राज्यों में विभाजित करता है, खत्म होने वाला है।

2025 का प्लान

जल समझौते में यह प्रावधान है कि अगर कोई पार्टनर चाहे तो 2025 के बाद इस पर फिर से विचार किया जा सकता है और अगले साल इस पर फिर से बातचीत होगी। वजीराबाद बैराज में घटते जलस्तर का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने कहा कि यमुना और गंगा से आने वाले सरफेस वाटर सोर्स ही ही एकमात्र रिलाएबल (विश्वसनीय) स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि तीन दशक पहले जनसंख्या घनत्व को ध्यान में रखते हुए पानी का बंटवारा किया गया था, जो अब कई गुना बढ़ गई है। आतिशी ने कहा, 1994 के समझौते की अवधि खत्म हो रही है। अगले साल जब दोबारा बातचीत होगी, तो दिल्ली अपनी जनसंख्या वृद्धि के आधार पर अपनी मांगें रखेगी। गर्मियों में पानी की बड़ी किल्लत को रोकने के लिए दिल्ली को एक बड़ा कोटा आवंटित किया जाना चाहिए। समझौते के अनुसार, राजधानी को 0.724 बिलियन क्यूबिक मीटर यमुना जल आवंटित किया गया है और इसका हिस्सा तीन अवधियों- जुलाई से अक्टूबर, नवंबर से फरवरी और मार्च से जून के दौरान बदलता रहता है।

- **1994 में हुआ था समझौता-** जल समझौता ओखला तक यमुना के सरफेस फ्लो के आवंटन को लेकर था। समझौते को लागू करने के लिए 1994 में ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) का भी गठन किया गया था और यह बोर्ड जल शक्ति मंत्रालय के सबऑर्डिनेट ऑफिस (अधीनस्थ कार्यालय) के तौर पर काम करता है। 30 साल पूरे होने के बाद 2025 में समझौते पर फिर से विचार किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान सहित विभिन्न उत्तर भारतीय राज्यों के बीच वर्तमान में जल आवंटन 12 मई, 1994 को तटवर्ती राज्यों द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू के आधार पर किया जाता है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में अनधिकृत और पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है।
- **दिल्ली में बढ़ी मांग-** दिल्ली जल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिंचाई और पेयजल के वर्गीकरण को लेकर हरियाणा और दिल्ली के बीच विवाद है। अधिकारी ने कहा वजीराबाद प्लांट को मुनक नहर के जरिए हैदरपुर से रॉ पानी भी मिलता है। हम विशेष व्यवस्था करके और पानी को रिसाइकिल करके बैराज क्षेत्र से केवल 20 एमजीडी पानी ही खींच पा रहे हैं। वजीराबाद और चंद्रावल दोनों ही प्लांट प्रभावित हैं।

मां हुई बेहोश, खूब रोया पिता; यूपीएससी की परीक्षा में बेटी को देर से पहुंचने पर नहीं मिली एंट्री

नईदिल्ली, एजेंसी। आजकल इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक हैरान करने वाली घटना के वीडियो ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। दरअसल, शनिवार को गुरुग्राम में यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा देने आई एक लड़की को देरी से पहुंचने के कारण उसके परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद उसके माता-पिता का भावुक करने वाला वीडियो सामने आया है। इस वायरल वीडियो में लड़की की मां परीक्षा केंद्र के बाहर बेहोशी की हालत में दिख रही है, जबकि उसके पिता रोते-बिलखते और परीक्षा केंद्र के लोगों को कोस रहे हैं। हालांकि, उनकी बेटी दोनों को समझाने और शांत कराने की कोशिश करती दिख रही है। मानवीय भावनाओं को झकझोर देने वाला यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है, जिसने ऑनलाइन चर्चा को जन्म दे दिया है। वीडियो में यूपीएससी परीक्षार्थी लड़की की मां बेहोशी की हालत में दिखाई दे रही है, जबकि उसके पिता निराशा में विलाप करते हैं। इस परेशानी के बीच, लड़की अपने पिता को सांत्वना देने की कोशिश करते हुए कहती है, पापा, प्लीज पानी पी लीजिए और शांत हो जाइए। आप ऐसा क्यों व्यवहार कर रहे हैं? मैं अगले साल फिर से परीक्षा दे दूंगी। यह कोई बड़ी बात नहीं है। वीडियो मं पिता का दुख स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जब वह विलाप करते हुए कहते हैं, एक साल गया बाबू हमारा। जिस पर लड़की आश्वस्त होकर जवाब देती है कि वह अगले साल परीक्षा देगी और उसे पास करेगी।

यह वीडियो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स के हैंडल से पोस्ट किया गया है। इसके कैप्शन में लिखा है, दिल दहला देने वाला वीडियो। आज यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के लिए अपनी बेटी के साथ आए माता-पिता की हालत देखिए क्योंकि उनकी बेटी को देर से आने की वजह से प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा सुबह 9:30 बजे शुरू होती है और वे सुबह 9 बजे गेट पर थे, लेकिन गुरुग्राम के सेक्टर-47 स्थित एस.डी. आदर्श विद्यालय के प्रिंसिपल ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। वहीं, इस वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए कुछ लोगों ने टिप्पणी की कि परीक्षार्थियों को नियमों का पालन करना चाहिए, अन्य लोगों ने टिप्पणी की कि यह दृश्य कितना दिल दहला देने वाला था। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि प्रतियोगी परीक्षाएं उम्मीदवारों और उनके परिवारों पर कितना भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक बोझ डाल सकती हैं।

समय पर पहुंचेगा सामान, कारोबार को रफ्तार

एफएनजी एक्सप्रेसवे से हजारों छात्रों को भी मिलेगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद, नोएडा और गाजियाबाद (एफएनजी) मार्ग के बनने से एनसीआर के इन तीनों प्रमुख जिलों के हजारों को उद्योगों को लाभ होगा। इन्हें एक नया मार्ग मिल सकेगा और सामान ले जाने और लाने में आसानी रहेगी। प्रतिदिन कच्चे और निर्मित उत्पादों के आदान-प्रदान कम समय में हो सकेगा। गाजियाबाद और नोएडा की छोटी छोटी इकाइयों से फरीदाबाद काफी तादात में कच्चा माल भेजा जाता है। दोनों के बीच सबसे अधिक इंजीनियरिंग गुड्स और फोर्जिंग का कारोबार होता है। इसके अलावा भी कई उत्पादों का कारोबार किया जाता है। ऐसे में एफएनजी परियोजना पूरी होने का सीधा फायदा इन कारोबारियों को होगा। इन्हें एक नया मार्ग मिल सकेगा और सामान ले जाने और लाने में आसानी रहेगी।

गाजियाबाद से फरीदाबाद को सीधे सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए एफएनजी परियोजना तैयार की गई थी। इस परियोजना में गाजियाबाद की कोई भागीदारी नहीं है, लेकिन यह सड़क मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नौ पर नोएडा के छिजारसी कट तक तैयार होगी। इस कारण एफएनजी से आने वाले वाहन सीधे एनएच नौ से जुड़ जाएंगे। वाहन चालकों को दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही जाम की समस्या से भी छुटकारा मिल सकेगा। जानकार बताते हैं कि यह परियोजना तैयार होने का फायदा लाखों लोगों को होगा। नए मार्ग के तैयार होने से लोग कम समय और जाम की समस्या से बचते हुए आसानी से अपने गंतव्य पर पहुंच सकेंगे। वह इस मार्ग के जरिये सीधे फरीदाबाद और गाजियाबाद आ-जा सकेंगे। इस मार्ग के तैयार होने से गाजियाबाद और फरीदाबाद के बीच की दूरी भी कम हो जाएगी।

कारोबार को मिलेगी रफ्तार – फरीदाबाद में बड़े उद्योग लगे हुए हैं। ऐसे में गाजियाबाद की छोटी-छोटी इकाइयों से फरीदाबाद काफी तादात में कच्चा माल भेजा जाता है। दोनों के बीच सबसे अधिक

इंजीनियरिंग गुड्स और फोर्जिंग का कारोबार होता है। इसके अलावा भी कई उत्पादों का कारोबार किया जाता है। ऐसे में एफएनजी परियोजना पूरी होने का सीधा फायदा इन कारोबारियों को होगा। इन्हें एक नया मार्ग मिल सकेगा और सामान ले जाने और लाने में आसानी रहेगी।

छात्रों को भी फायदा मिलेगा – गाजियाबाद और नोएडा में काफी तादाद में शैक्षिक संस्थान है, जिनमें लाखों छात्र पढ़ते हैं। एफएनजी एक्सप्रेसवे तैयार होने का फायदा छात्रों को भी होगा। छात्र फरीदाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों से आसानी से गाजियाबाद पहुंच सकेंगे। इसके अलावा फरीदाबाद में कार्यरत लोगों को इस मार्ग के आसपास आवासीय विकल्प खरीदने या किराये पर लेने की सुविधा मिल सकेगी। लोगों की मांग है कि सरकार इस परियोजना को जल्द सिरे चढ़ाए। इससे शहर के सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल सकेगा।

कम किराया देना पड़ेगा

एफएनजी शुरू होने से नोएडा और फरीदाबाद की औद्योगिक इकाइयों को सहूलियत मिलेगी। नोएडा में ही 11 हजार औद्योगिक इकाइयां काम कर रही हैं। प्रतिदिन कच्चे और निर्मित उत्पादों के आदान-प्रदान कम समय में हो सकेगा। वर्तमान में दोनों शहरों के सामान को लाने और ले जाने के लिए दिल्ली के सरिता विहार से जाना पड़ता है, जिससे समय ज्यादा लगने के साथ ही किराया भी अधिक देना पड़ता है।

एफएनजी का फायदा गाजियाबाद के उद्यमियों को होगा। नई कनेक्टिविटी बनने से गाजियाबाद के आठ हजार से अधिक उद्यमियों का कच्चा और तैयार माल कम समय में फरीदाबाद पहुंच सकेगा। गाजियाबाद में 35 हजार से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां है। इनमें साढ़े चार हजार से अधिक इंजीनियरिंग गुड्स और करीब साढ़े तीन हजार फोर्जिंग इकाइयां संचालित हैं।

उद्यमी बताते हैं कि गाजियाबाद की इंजीनियरिंग गुड्स और फोर्जिंग इकाइयों से कच्चा माल और तैयार माल फरीदाबाद के उद्योगों को जाता है। एफएनजी शुरू होने से नोएडा और फरीदाबाद की कनेक्टिविटी काफी बेहतर होगी। अभी फरीदाबाद सामान भेजने में काफी समय लगता है, साथ ही व्यस्त समय में कोई नहीं जाना चाहता। ऐसे में सामान पहुंचाने में भी कई बार काफी समय लग जाता है। वहीं, सरिता विहार दिल्ली में जाम के कारण वायु प्रदूषण भी बढ़ता है।

संक्षिप्त समाचार

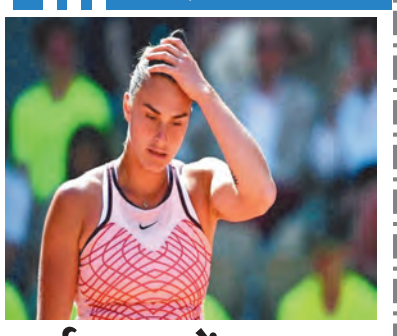

आर्यना सबालेंका स्वास्थ्य कारणों से पेरिस ओलंपिक से हटी

बर्लिन, एजेंसी। विश्व की तीसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका स्वास्थ्य कारणों और हार्ड कोर्ट पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से आगामी पेरिस ओलंपिक से हट गयी हैं। 26 वर्षीय मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन पिछले महीने फ्रेंच ओपन में रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा से हारकर क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई। सबालेंका ने बर्लिन लेडीज ओपन में संवाददाताओं से कहा, ÷विशेष रूप से उन सभी संघर्षों के साथ, जिनसे मैं पिछले महीनों में जूझ रही हूं, मुझे लगता है कि मुझे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। शेड्यूल के हिसाब से यह बहुत ज्यादा है और मैंने अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने का फैसला किया है।

बेलारूसी ने कहा कि मैं शारीरिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सुनिश्चित करने के लिए थोड़ा आराम करना पसंद करती हूं कि मैं हार्ड कोर्ट के लिए तैयार हूं और हार्ड-कोर्ट सीज़न में जाने से पहले मेरी अच्छी तैयारी होगी। मुझे लगता है कि यह मेरे शरीर के लिए सुरक्षित और बेहतर है। आगामी ओलंपिक टेनिस आयोजन एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है क्योंकि यह 1992 में बार्सिलोना के बाद पहली बार क्ले कोर्ट में स्थानांतरित हो रहा है। इस परिवर्तन का मतलब है कि खिलाड़ियों को विंबलडन में घास से रौलां गैरो में मिट्टी में समायोजित करने की आवश्यकता होगी, जिसके बाद उत्तरी अमेरिकी के हार्ड कोर्ट में वापसी होगी।

ग्रीष्मकालीन सीज़न में टोरंटो और सिनसिनाटी में हार्ड कोर्ट पर लगातार डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट शामिल हैं, जो यूएस ओपन में वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम तक ले जाते हैं, जहां सबालेंका पिछले साल फाइनल में पहुंची थी। सबालेंका, जो वर्तमान में बर्लिन लेडीज़ ओपन में भाग ले रही हैं, मंगलवार को राउंड 16 में दुनिया की 14वें नंबर की डारिया कसातकिना के खिलाफ खेलेंगी।

भारत 2025 में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप की मेजबानी करेगा

लुसाने, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड ने अगले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के आयोजन की मेजबानी भारत को दी है। टूर्नामेंट दिसंबर 2025 में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब हॉकी जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल होंगी।

एफआईएच के अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा कि बड़ी और अधिक विविध संख्या में राष्ट्रीय संघों को खेलने के अधिक अवसर देना हमारी सशक्तिकरण और जुड़ाव रणनीति के प्रमुख स्तंभों में से एक है। हमने इस साल ओमान में एफआईएच हॉकी5एस विश्व कप में देखा कि कैसे अधिक विविधता हमारे आयोजनों में एक बड़ा अतिरिक्त मूल्य लाती है। इसलिए, मुझे बहुत खुशी है कि हमने एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिए भाग लेने वाली टीमों की संख्या में वृद्धि की है और मैं अगले साल इन 24 युवा टीमों को हमारे खेल के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं!

टी-20 वर्ल्ड कप 2024

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रन से हराया

● पूरन ने 98 रन बनाए

सेंट लूसिया, एजेंसी। सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट स्थित डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन बनाए।

यह इस वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर रहा। जवाब में अफगानिस्तान 16.2 ओवर में 114 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए निकोलस पूरन ने 53 बॉल में 98 रन बनाए।

वहीं, जॉनसन चार्ल्स ने 43 रन और रोवमैन पॉवेल ने 26 रन की पारी खेली। जबकि, औबेद मैकॉय ने 3 विकेट लिए। गुडाकेश मोती और अकील हौसेन को 2-2 विकेट मिले। आंद्रे रसेल और अल्जारी जोसेफ को 1-1 विकेट हासिल हुआ। अफगानिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा रन इब्राहिम जादरान ने बनाए। उन्होंने 38 रन की पारी खेली। जबकि, गुलबदीन नाइब को 2 विकेट मिले। वहीं, अजमतुल्लाह ओमरजई और नवीन उल हक को 1-1 विकेट मिला। इस मुकाबले का सुपर-8 पर कोई असर नहीं पड़ा।

हालांकि, अफगानिस्तान को टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि वेस्टइंडीज अजेय है।

फुटबॉल

इगोर स्टिमैक भारतीय टीम के कोच पद से बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ ने मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया है। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद AIFF ने यह फैसला लिया है। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

रविवार को मीटिंग के बाद लिया गया फैसला

स्टिमैक को बर्खास्त करने का फैसला ढ्ढस्रस्र अधिकारियों द्वारा रविवार को की गई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता AIFF के उपाध्यक्ष एनए हैरिस ने की। इस दौरान बैठक में मेनला एथेनपा (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति), अनिलकुमार प्रभाकरन (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति), आईएम विजयन (एआईएफएफ तकनीकी समिति के अध्यक्ष) क्लाइमेक्स लॉरेंस (एआईएफएफ तकनीकी समिति के सदस्य) और सत्यनारायण (कार्यवाहक महासचिव) भी शामिल हुए। एआईएफएफ ने बयान में कहा, सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफिकेशन अभियान के

निराशाजनक परिणाम को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि टीम को आगे ले जाने के लिए एक नया मुख्य कोच सर्वश्रेष्ठ होगा। एआईएफएफ सचिवालय ने स्टिमैक को नोटिस जारी किया है और वह तुरंत प्रभाव से अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाते हैं। हालांकि, स्टिमैक को तत्काल प्रभाव से हटाने से भारतीय फुटबॉल संघ को अच्छी खासी कीमत चुकानी होगी। उन्हें जून 2026 तक अनुबंधित किया गया था और एआईएफएफ को अब उनके अनुबंध को जल्दी समाप्त करने के एवज में 360,000 डॉलर (लगभग 3 करोड़ रुपये) के भारी मुआवजे बिल का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत

स्टिमैक का जाना भारतीय फुटबॉल के लिए एक युग का अंत है। फीफा विश्व कप 1998 में एक खिलाड़ी के रूप में कांस्य पदक जीतने वाले स्टिमैक ने स्टीफन कॉन्सटेंटाइन के जाने के बाद 15 मई 2019 को ब्लू टाइगर्स की देखरेख की जिम्मेदारी संभाली थी। स्टिमैक के मार्गदर्शन में भारत ने चार बड़े खिताब जीते हैं। इनमें दो सैफ चैंपियनशिप, एक इंटरकॉन्टिनेंटल कप और एक त्रिकोणीय राष्ट्र सीरीज शामिल है।

स्टिमैक के नेतृत्व में कई खिताब जीते

वह पिछले साल सैफ चैम्पियनशिप, त्रिकोणीय सीरीज और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर एक साल में तीन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच बने थे। हालांकि, भारत इस साल एएफसी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, सीरिया और उज्बेकिस्तान से हार गया था। इसके बाद विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन ने एआईएफएफ को उन्हें बर्खास्त करने के लिए मजबूर कर दिया।

यह दर्शाता है कि एआईएफएफ बड़े बदलाव और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर भी कड़ी नजर रहेगी। फैंस को उम्मीद है कि नया कोच भारतीय फुटबॉल को अगले स्तर पर ले जाने में मदद करेगा।

क्रिस गेल का रिकॉर्ड टूटा

एस्टोनिया के साहिल चौहान ने 27 गेंदों पर ठोका शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने सोमवार को साइप्रस के खिलाफ केवल 27 गेंदों में अपना शतक पूरा करके पुरुषों की टी20ई में सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड बनाया। चौहान ने नामीबिया के जान-निकोल लोफ्टी ईटन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने फरवरी 2024 में नेपाल के खिलाफ अपने टी20ई शतक तक पहुंचने के लिए 33 गेंदें ली थीं।

यही नहीं, चौहान ट्वंटी20 (ओवरऑल) की लिस्ट में भी पहले नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा है। चौहान ने अपनी पारी के दौरान 41 गेंदों पर 6 चौके और 18 छक्कों की मदद से नाबाद 144 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 351 रही।

टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक (ओवरऑल)

27 गेंद- साहिल चौहान , इस्टोनिया बनाम साइप्रस, 2024

33 गेंद - जेन निकोल ईडन, नेपाल बनाम नामीबिया, 2024

34 गेंद - कुशल माला, नेपाल बनाम मंगोलिया, 2023

35 गेंद - डेविड मिलर, दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, 2017

35 गेंद -रोहित शर्मा, भारत बनाम श्रीलंका, 2017

ट्वंटी 20 में सबसे तेज शतक (ओवरऑल)

27 गेंद -साहिल चौहान, इस्टोनिया बनाम साइप्रस, 2024

30 गेंद -क्रिस गेल, आरसीबी बनाम पुणे वारियर्स, 2013

32 गेंद -ऋषभ पंत, दिल्ली बनाम हिमाचल, 2018

33 गेंद -डब्लयू लुबे, नॉर्थ वेस्ट बनाम लिम्पोपो, 2018

33 गेंद - जेन निकोल ईडन, नेपाल बनाम नामीबिया, 2024

एपिस्कोपी के मैदान पर मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी की और तरनजीत सिंह के 17 गेंदों पर 44 रन की मदद से 191/7 रन बनाए।

साइप्रस के लिए चामल सदुन ने 28 रन बनाए जबकि एस्टोनिया के लिए प्रणय घीवाला और अर्सलान अमजद ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे एस्टोनिया की शुरुआत सबसे खराब रही और उसने केवल 40 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद चौहान ने 27 गेंदों में शतक पूरा करने से पहले सिर्फ 14 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने एस्टोनिया को सात ओवर शेष रहते 6 विकेट से जीत दिलाई।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन- सूर्यकुमार यादव चोटिल

बारबडोस, एजेंसी। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप मिशन के दूसरे राउंड के लिए वेस्टइंडीज पहुंच गई है. यहां पहले ही ट्रेनिंग सेशन के दौरान भारतीय टीम की कुछ चिंताएं बढ़ती दिख रही हैं. टी20 इंटरनेशनल के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव यहां बैटिंग प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए.

एक तेज गेंद उनके हाथ पर जा लगी, जिसके बाद वह दर्द में दिखाई दिए. सूर्या को मुश्किल में देखकर फिजियो तुरंत उनके पास पहुंचे और उनका हालचाल जाना. इसके बाद सूर्या ने मैजिक स्प्रे का इस्तेमाल किया और अपनी बैटिंग जारी रखी. हालांकि सूर्या की यह चोट गंभीर है या नहीं इसका मालूम बाद में चलेगा क्योंकि तब उन्होंने मैजिक स्प्रे के कमाल से अपनी बैटिंग जारी रखी थी. बता दें भारतीय टीम ने अपने इस वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत अमेरिका में की थी. उसने शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क में खेलकर फ्लोरिडा का रुख किया था, जहां कनाडा के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया. भारत ने अजेय रहते हुए ग्रुप 8 में अपनी जगह पक्की की. अब वह 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ बारबडोस में इस दौर का पहला मैच खेलेगा. इस मैच से पहले सोमवार को भारतीय टीम ने यहां अपना पहला ही ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया था, जिसमें सूर्याकुमार चोटिल हो गए. भारतीय टीम का यह वैकल्पिक ट्रेनिंग सेशन था लेकिन टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाजों ने इसमें भाग लिया.

टी-20 वर्ल्डकप: 2024

लॉकी फर्ग्यूसन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

तारोबा (त्रिदिदाद एंड टोबैगो), एजेंसी। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने चार ओवर में चार मेडन फेंकते हुए तीन विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप-सी मैच में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 78 रन पर ढेर कर दिया। फर्ग्यूसन (बिना किसी रन के तीन विकेट), टिम साउथी (2/11), टी-20 विश्व कप में अपना अंतिम मैच खेल रहे ट्रेंट बोल्ट (2/14) और ईश सोढ़ी (2/29) की उम्दा गेंदबाजी के सामने पीएनजी की टीम 19.4 ओवर में सिमट गई। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं इसलिए यह महज औपचारिकता का मैच है। ग्रुप-सी से अफगानिस्तान और सह मेजबान वेस्टइंडीज सुपर आठ में पहुंचने वाली दो टीम हैं। मैच में पीएनजी की ओर से चार्ल्स अमीनी (17), नोर्मन वनुआ (14) और सेसे बाऊ

(12) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।

रिकॉर्ड बुक में शामिल हुए लॉकी फर्ग्यूसन

1. इस चमत्कारिक स्पैल के बूते लॉकी फर्ग्यूसन ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। अब वह एक टी-20 इंटरनेशनल मैच में चार मेडन डालने वाले दूसरे गेंदबाज बन चुके हैं, उनसे पहले 2021 में कनाडा के साद बिन जफर ने पनामा के खिलाफ चार मेडन के साथ दो विकेट (4-4-0-2) लिए थे।

2. लॉकी फर्ग्यूसन ने मैच में 24 डॉट गेंदें डालीं। टी-20 वर्ल्ड कप की एक पारी में किसी बॉलर द्वारा डाली गईं ये सर्वाधिक डॉट गेंदें हैं। पिछला रिकॉर्ड बांग्लादेश के तंजीम हसन (21) के नाम था।

ऐसे लिए बिना रन दिए तीन विकेटन्यूजीलैंड ने तरोबा में बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला लिया था। पांचवें ओवर में गेंदबाजी करने आए फर्ग्यूसन ने पीएनजी के कप्तान असद वाला को पहली ही गेंद पर पहली स्लिप में कैच करा दिया।

यूरो कप: रोमानिया ने 24 साल में पहली जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। रोमानिया ने यूक्रेन के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। सोमवार को खेले गए इस मुकाबले में रोमानिया ने यूक्रेन को 3-0 से एकतरफा अंदाज में हराया। रोमानिया की इस टूर्नामेंट में 24 साल में पहली और कुल दूसरी ही जीत

है। इस तरह टीम ने कोच एडवर्ड इओर्डनेस्कु को जन्मदिन का तोहफा दिया। रोमानिया आठ वर्षों में किसी प्रमुख टूर्नामेंट में पहली बार खेल रहा है और राष्ट्रगान बजते ही कई खिलाड़ी रो पड़े। यूक्रेनी फुटबॉल महासंघ ने संघर्ष को उजागर करने के लिए मैच से पहले मई 2022 में रूसी सैनिकों द्वारा नष्ट किए गए स्टेडियम के स्टैंड की म्यूनिख में झलक भी दिखाई।

स्टेनसियू ने दिलाई बढ़त

निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। स्टेनसियू का एक शॉट क्रॉस बार से भी टकराया लेकिन इसके बावजूद रोमानिया ने यूक्रेन को आसानी से हरा दिया। 24 साल पहले इंग्लैंड को 3-2 से हराकर उलटफेर के बाद से रोमानिया की किसी बड़े टूर्नामेंट में यह पहली जीत थी। इओर्डनेस्कु 2016 में अपने पिता एंगेल के बाद यूरोपीय चैंपियनशिप में रोमानिया की टीम का मार्गदर्शन करने वाले पहले कोच बने।

ऋषभ पंत का नंबर तीन पर खेलना काफी सकारात्मक है: हरभजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी 20 विश्व कप में ग्रुप ए में अपना अभियान अपराजित रहते हुए ग्रुप में शीर्ष पर रहकर समाप्त किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने टूर्नामेंट में अब तक भारतीय अभियान की समीक्षा की और ऋषभ पंत के सुपर आठ में नंबर तीन पर बल्लेबाजी जारी रखने का समर्थन किया। पूर्व भारतीय स्पिनर ने पंत के तीसरे नंबर पर आने की व्याख्या करते हुए कहा कि इससे लेफ्ट-राइट संतुलन बना रहता है जो किसी भी गेंदबाजी इकाई के लिए कड़ी चुनौती पेश करता है। टूर्नामेंट में अब तक पंत भारतीय टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहे हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर तीन पारियों में 96 रन बनाये हैं जबकि आलराउंडर हार्दिक पांड्या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों ने सात-सात विकेट लिए हैं।

हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि ऋषभ पंत को नंबर 3 पर खेलाना एक बड़ी सकारात्मक बात है। जब ऋषभ पंत नंबर 3 पर खेलते हैं तो बाएं-दाएं संयोजन बनता है। इसमें बहुत सारी सकारात्मकताएं हैं। बेशक, चुनौतियाँ और कठिनाइयाँ हैं।

एक नजर

बाइक की चोरी में केस दर्ज

दाउदनगर (औरंगाबाद) (का.सं.)। दाउदनगर थाना क्षेत्र के करमा से एक बाइक चोरी की घटना घटने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में करमा खुर्द निवासी सुनील कुमार द्वारा एक प्राथमिकी थाना में दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि उनका मकान एनएच 139 से पश्चिम करमा ढलान पर है। इसी मकान पर वह हमेशा रहते हैं। रात में अपनी बाइक अपने घर के सामने लगाकर घर में चले गए और सो गए। जब सुबह निकले तो उनकी बाइक गायब थी। अज्ञात चोरों द्वारा उनकी बाइक को चुरा लिया गया है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

अवैध खनन के विरुद्ध छापेमारी जारी, ट्रैक्टर जब्त

दाउदनगर (औरंगाबाद) (का.सं.)। दाउदनगर में अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग के विरुद्ध पुलिस का अभियान जारी है। सोन तटीय क्षेत्र में पुलिस लगातार अभियान चला रही है। मंगलवार को दाउदनगर थाना की पुलिस ने सोन नदी से अवैध बालू खनन करते चार ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान के नेतृत्व में पुलिस द्वारा की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि जिस ट्रैक्टर को जब्त किया गया है, वह सोन नदी में अवैध तरीके से बालू खनन करने के लिए गए हुए थे। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चारों ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस के आने से पहले ट्रैक्टर चालक और बालू माफिया यहां से भाग निकले। इस संबंध में विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

बिजली तार की चोरी का प्रयास करते तीन गिरफ्तार

दाउदनगर (औरंगाबाद) (का.सं.)। दाउदनगर थाना की पुलिस ने मौलाबाग-बारुण नहर रोड ब्रजधाम कॉलोनी के पास से बिजली का तार काट कर चोरी करने का प्रयास करते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में रोहतास जिले के अगरेर थाना क्षेत्र के रामगढ़ निवासी भोला शंकर चौधरी, जितेंद्र चौधरी और भूखन चौधरी शामिल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि बारुण नहर रोड ब्रज धाम कॉलोनी के पास तीन व्यक्ति ऑटो लगाकर बिजली का तार काट रहे हैं। जब पहुंची तो एक व्यक्ति बिजली के पोल पर चढ़ा हुआ मिला और दो व्यक्ति पोल के पास खड़े थे। पुलिस को देखते ही तीनों ऑटो छोड़कर भागने लगे जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तीनों ने पूछताछ करने पर पुलिस को बताया है कि वे लोग बिजली का तार काटकर चोरी करते हैं और उसे बेच देते हैं। इन लोगों के पास से मोबाइल और एक लोहे का बना बड़ा कटर और एक ऑटो जब्त किया गया है।

पंच-सरपंच संघ के प्रदेश सचिव बने मुनीन्द्र

दाउदनगर (औरंगाबाद) (का.सं.)। बिहार प्रदेश पंच-सरपंच संघ के अध्यक्ष ने नवीनगर प्रखंड के सोनौरा पंचायत के सरपंच मुनीन्द्र कुमार को बिहार प्रदेश सचिव के रूप में मनोनीत किया है। जिला सरपंच संघ ने इसके लिए आभार जताया है। पंच-सरपंच संघ के प्रधान महासचिव सह जिला संरक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष पप्पू ज्वाला सिंह सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है। कहा कि मुनीन्द्र कुमार के प्रदेश सचिव बनने से संगठन मजबूत होगा।

युवती को भगाने की प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (का.सं.)। रफीगंज शहर के अब्दुलपुर मुहल्ले से 18 वर्षीय एक युवती के गायब होने की प्राथमिकी युवती की मां ने रफीगंज थाना में दर्ज कराई है। उल्लेख किया है कि शनिवार को सुबह करीब 10 बजे लड़की घर से निकली। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। शक है कि एक लड़के के मोबाइल पर यह बात करती थी और वही बहला फुसला करके शादी की नियत से भगा ले गया है। रिश्तेदार एवं संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की। इस संबंध में प्रशिक्षु एसडीपीओ चंदन कुमार ठाकुर ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की तहकीकात की जा रही है।

मोटर चोरी की प्राथमिकी दर्ज

दाउदनगर (औरंगाबाद) (का.सं.)। दाउदनगर-गया रोड के जेल से पश्चिम निर्माणाधीन मकान से मोटर चोरी जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में सिहाडी निवासी सतीश कुमार पंकज द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है जेल से पश्चिम निर्माणाधीन मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं मोटर लगाया था जिसे अज्ञात लोगों ने चुरा लिया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला स्तरीय हिट एंड रन केस के द्वितीय त्रैमासिक बैठक की गयी आहुत

मृत्यु की स्थिति में दो लाख रूपया एवं घायलों को पचास हजार रूपया का भुगतान का निर्णय

- समिति ने श्रीकांत शास्त्री के नेतृत्व में सघन सीट बेल्ट एवं हेलमेट जांच अभियान का निर्देश दिया
- सड़क दर्घटना में प्रभावित परिवारों के लिए सभी थानाध्यक्षों को अपलोड करने के लिए निर्देश दिया गया

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। मंगलवार को जिला पदाधिकारी-सह- अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति औरंगाबाद श्रीकांत शास्त्री के अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला स्तरीय हिट एंड रन केस के द्वितीय त्रैमासिक बैठक आहुत किया गया। बैठक में जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के द्वारा यातायात पुलिस एवं जिला परिवहन पदाधिकारी, औरंगाबाद को सघन सीट बेल्ट एवं हेलमेट जंच अभियान चलाने का निदेश दिया गया। आये दिन हो रहे सड़क दूर्घटना में प्रभावित परिवार पर संवेदना व्यक्त करते हुए सभी थानाध्यक्ष को सड़क दर्घटना को अविलम्ब जॉचकर आईआरएडी पर अपलोड करने तथा सीएस को सड़क दर्घटना वाले अंत्येय परीक्षण आईआरएडी पर प्रतिदिन अपलोड करने का निदेश दिया गया। साथ ही के एनएच पदाधिकारीगण को पीयूपी एवं भीयूपी का निर्माण अविलम्ब कराने का निर्देश दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी, औरंगाबाद के द्वारा सड़क सुरक्षा अध्यक्ष जिला माह 2024 के अंतर्गत जिला में आयोजित होने वाले विभिन गतिविधियों / कार्यक्रमों के विषय में उपस्थित सभी सदस्य को अवगत करातें हुए जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के आदेश से निर्गत निदेशों को अक्षरशः अनुपालन करने हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों से अनुरोध किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार पटना से प्राप्त निदेश के आलोक में हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जांच किया जाता रहा है। वर्तमान में भी हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष जाँच अभियान इस जिला में जारी है। इसके लिए मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक एवं सभी थाना औरंगाबाद जिला द्वारा नियमि रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जाँच किया जाता है तथा जांच में जप्त वाहनों से जुर्माने की राशि वसूली जाती है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं हिट एण्ड रन के लिए सड़क सुरक्षा के प्रति माननीय सर्वोच्च न्यायालय काफी गंभीर है एवं परिवहन विभाग दुर्घटना को रोकने के लिए प्रयासरत है। दुर्घटना से ग्रसित व्यक्तियों को ससमय अस्पताल पहुंचाने वाले गुड सेमेरिटन (अच्छे मददगार) को पुरस्कृत करने की व्यवस्था की गई है।

डीएम की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

पेयजल की समस्या का समाधान के लिए वार्डों में टैंकर, वाटर एटीएम और प्याऊ की व्यवस्था करने का निर्देश

- सिविल सर्जन को भी बताया गया कि अस्पतालों में हीट वेव से प्रभावित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, इसे ध्यान में रखते हुए अस्पतालों में समुचित व्यवस्था की मांग की गई

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। मंगलवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागर में आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने गर्मी के मौसम में संभावित आपदा से सुरक्षा हेतु विभागवार समीक्षा की। गर्मी के कारण जिले में हो रहे हीट वेव (लू),सुखाड़,पीने का पानी की कमी, लू जैसे आपदा से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पदाधिकारी के द्वारा सिविल सर्जन को बताया गया कि भीषण गर्मी के मौसम में जिले के अस्पतालों में हीट वेव से पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होने की सूचना मिल रही है जो गंभीर चिंता का विषय है इससे निपटने के लिए हमें तत्परता से तैयार रहनी होगी। उनके द्वारा सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल, दवाइयां, मरीज के लिए बेड, डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ती, कुलर आदि का समुचित व्यवस्था हो। जिला पदाधिकारी के द्वारा यह भी बताया गया कि किसी भी परिस्थिति लू से ग्रसित मरीजों के इलाज में कोताही नहीं बरती जाए। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी कार्यपालक पदाधिकारी से संबंधित वार्डो में पेयजल की समस्या का समाधान किस प्रकार कर रहे हैं इसकी बिंदुवार जानकारी ली एवं जिन वार्डो में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था टैंकर, वाटर एटीएम एवं पेआउ के माध्यम से माध्यम से करने का निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी महोदय के ने सभी अंचल अधिकारी से जिले में आपदा से हुए मौत के मुआवजा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त करते हुये पूछा कि अबतक कुल कितने आश्रितों के मुआवजा का भुगतान किया गया है। बाकी बचे आश्रितों को जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी के द्वारा जिले में संभावित बाढ़ एवं सुखाङ की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई आवश्यक दिशा संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिये। उक्त बैठक मैं अपर समाहर्ता ललित रंजन भूषण, सदर एसडीओ संतन कुमार सिंह, दाउदनगर एसडीओ, सदर डीसीएलआर श्वेतांक लाल आपदा प्रभारी रत्ना प्रियदर्शनी, कार्यपालक अभियंता पीएचडी, सिविल सर्जन, सभी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएम ने डा. अनुग्रह नारायण सिंह की 137वीं पर किया माल्यार्पण

कार्यालयसंवाददाता

औरंगाबाद। मंगलवार को जिला पदाधिकारी औरंगाबाद श्रीकांत शास्त्री के द्वारा बिहार विभूति डॉ अनुग्रह नारायण सिंह की 137वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में अनुग्रह नारायण मेमोरियल भवन अवस्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा अनुग्रह बाबू के योगदान पर संबोधन किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि अनुग्रह नारायण सिंह आधुनिक बिहार के निर्माताओं में से एक थे। भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद तथा राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी पहचान है। उन्होंने इस राज्य को कृषि राज्य बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनके द्वारा बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान खोला गया तथा उनके द्वारा विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लिए भूमि दान में दिए गए। बिहार में उनका जो योगदान है। कभी उन्हें भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी लोकप्रियता के कारण ही उन्हें बिहार विभूति के रूप में जाना जाता है। जिला पदाधिकारी महोदय ने अनुग्रह बाबू के सभी कार्यों के भूरी भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर सचिव, अनुग्रह नारायण सिंह स्मारक समिति के अभिषेक प्रताप सिंह, समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भी डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

आधुनिक बिहार के निर्माण में अनुग्रह बाबू का रहा है बड़ा योगदान

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। आधुनिक बिहार के निर्माण में बिहार विभूति डा. अनुग्रह नारायण सिंह का बड़ा योगदान रहा है। ये बातें अनुग्रह स्मारक परिसर में आयोजित उनकी 137वीं जयंती समारोह पर वक्ताओं ने कही। उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बतौर अतिथि डीएम श्रीकांत शास्त्री, एसपी स्वप्ना जी मेश्राम, डीडीसी अभ्येन्द्र मोहन सिंह व एसडीओ संतन कुमार सिंह मौजूद थे। अध्यक्षता स्मारक समिति के उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा ने की तथा सभा का संचालन प्रो. डॉ. विजय कुमार सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि अनुग्रह बाबू ने आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई थी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे चंपारण सत्याग्रह में उन्होंने हिस्सा लिया था। अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने को लेकर कई बार जेल गए। आजादी के बाद वे बिहार के पहले उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री बने। राज्य के नवनिर्माण में भी उन्होंने बड़ी भूमिका अदा की। जिले के विकास में भी उनका योगदान अहम रहा है। धन्यवाद ज्ञापन सचिव अभिषेक प्रताप सिंह चुलबुल सिंह ने किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, श्याम बिहारी सिंह, मृत्युंजय सिंह, शैलेंद्र दुबे, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सुबोध सिंह, मकबूल, सुजीत कुमार सिंह, रामराज सिंह, हसन सिद्दीकी, अजीम खान, नवीन शर्मा, संतन सिंह, सत्येंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, धनंजय पांडेय, देवीदयाल सिंह, बच्चा सिंह, रवि कुमार, प्रदीप सिंह, सत्तू खान, उदय पासवान, रामाधार शर्मा, रामविलास सिंह, गायत्री देवी, श्यामबली पासवान, व्यास राम, इरफान अंसारी, रामराज सिंह, श्रीराम पांडेय, रामपूजन पांडेय, सरोज शर्मा आशुतोष सिंह, मनीष कुमार आदि थे। सभा में नवीनगर की श्रेया के निधन पर मौन भी रखा गया।

चार लोग आए लू की चपेट में, दो रेफर

निज संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड में अलग-अलग जगहों पर लू की चपेट में चार लोग आये। उनका इलाज रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। डॉ ए. के. केसरी ने बताया की सोमवार की शाम में करमडीह गांव के सूरजदेव यादव की 55 वर्षीय पत्नी मीना देवी, शहर के लोहार गली निवासी 60 वर्षीय मो. रिजवान, सरावक गांव के 45 वर्षीय नंदलाल दास, अरथुआ गांव के 65 वर्षीय मो. हकीम लू की चपेट में आ गए। डॉक्टर ने बताया कि सरावक गांव के 45 वर्षीय नंदलाल दास, अरथुआ गांव गांव के 65 वर्षीय मो. हकीम को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि बढ़ती गर्मी में तापमान के कारण लू की चपेट में ज्यादातर बच्चे एवं बूढ़े आ रहे हैं। लू से बचने के लिए घर में ही रहें और समय-समय पर पानी पीते रहें।

आपसी समन्वय बनाकर करें काम : बीडीओ

दाउदनगर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। दाउदनगर प्रखंड कार्यालय सभा कक्ष में प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक बीडीओ योगेंद्र पासवान की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जिसमें विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी देते ब्योरा प्रस्तुत किया। बीडीओ ने कहा कि आपसी समन्वय बनाकर कार्य करना है।

आर्द्रा मेले में आभूषण पहनकर न आने की अपील

निज संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। अंबा के सतबहिनी मंदिर के समीप लगने वाले आर्द्रा मेले में आभूषण पहनकर न आने की अपील सतबहिनी मंदिर न्यास समिति ने की है। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि प्रतिवर्ष यहां मेला लगता है और इसमें लाखों श्रद्धालु आते हैं। भीड़ काफी होती है। भीड़ को देखते हुए चेन स्नेचरों का ग्रुप सक्रिय हो जाता है। पिछले वर्षों कई महिलाओं के आभूषण भीड़ में स्नेचरों द्वारा उड़ा लिए गए। भीड़ इतनी अधिक होती है कि श्रद्धालुओं के बीच ऐसे लोगों को चिन्हित कर पाना संभव नहीं होता है। चेन कटने की घटना के बाद अफसोस करने के सिवा कोई विकल्प नहीं रह जाता है। इस स्थिति में यहां आने वाले श्रद्धालुओं से यह अपील की गई है कि आभूषण पहनकर मेले में न आएं। यदि आते हैं तो सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी होगी। विदित हो कि यह मेल 22 जून से शुरू होगा और पूरे नक्षत्र चलेगा।

दो बाइकों की टक्कर में दो लोग हुए घायल

निज संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज-गोह पथ के मखदुमपुर पेट्रोल पंप के पास सोमवार की रात बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइक सवार गोह थाना के रामडीह मोथा गांव निवासी गरीबन दास के 24 वर्षीय पुत्र सनोज कुमार व गुरुआ थाना के नादौरा गांव निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा के 23 वर्षीय पुत्र प्रकाश कुमार घायल हो गया। दोनों बाइक सवार घायलों को 112 की पुलिस ने रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया। डॉ ए. के. केसरी द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए प्रकाश कुमार को गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया। घायल प्रकाश कुमार ने बताया कि मखदुमपुर से रफीगंज बाजार करने आ रहे थे तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक चालक ने टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार घायल हो गए।

मोटर चोरी की प्राथमिकी दर्ज

दाउदनगर(औरंगाबाद)(नि.सं.)। दाउदनगर-गया रोड के जेल से पश्चिम निर्माणाधीन मकान से मोटर चोरी जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में सिहाडी निवासी सतीश कुमार पंकज द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है जेल से पश्चिम निर्माणाधीन मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं मोटर लगाया था जिसे अज्ञात लोगों ने चुरा लिया।

रफीगंज में निकाला गया कैंडल मार्च

निज संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रफीगंज इकाई द्वारा नगर मंत्री किशू गुप्ता के नेतृत्व में छात्रा श्रेया सिंह हत्याकांड में आक्रोश मार्च के साथ कैंडल मार्च निकाला गया। अभाविप प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हार्दिक सिंह राजपूत ने बताया कि 16 वर्षीय 11वीं की छात्रा श्रेया सिंह की अपराधियों के द्वारा निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। जिला प्रशासन सभी दरिंदों को अति शीघ्र ही चिन्हित कर इसका उद्भेदन करें नहीं तो विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करेगी। इस मौके पर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह, भाजपा महामंत्री बाल गोविंद साहू, अभाविप जिला सोशल मीडिया संयोजक प्रांशु सिंह राजपूत, नगर सह मंत्री प्रकाश गुप्ता, पिंटू कुमार, राहुल कुमार, रोशन कुमार, आदर्श कुमार, रिशु कुमार, सूरज गुप्ता, अतुल मिश्रा, अभिषेक कुमार उपस्थित थे।

युवाओं को रोजगार देने का वादा पूरा करेगी सरकार

दाउदनगर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। बिहार सरकार युवाओं को रोजगार देने का वादा पूरा करेगी। प्रखंड जदयू प्रवक्ता पप्पु गुप्ता ने बताया सरकार इस ओर कदम बढ़ा रही है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए सरकार बनते ही नौकरी और रोजगार देने का घोषणा किया था जिसे पूरा करने की ओर अग्रसर है। अगले साल तक 5 लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। बेरोजगार युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का वादा एनडीए सरकार पूरा करेगी ।

दो सरपंचों के आकस्मिक निधन पर शोक सभा

निज संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा प्रखंड के चंदा ग्राम कचहरी सरपंच नीलम देवी व गोह प्रखंड के मलहद ग्राम कचहरी सरपंच रामस्वरूप तथा रफीगंज सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष के भाई के आकस्मिक निधन पर जिला मुख्यालय में मंगलवार को संघ के द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष पप्पू ज्वाला सिंह ने की। उन्होंने कहा कि दो सरपंचों के निधन से संघ के साथ क्षेत्र के लोगों को भी अपूरणीय क्षति हुई है। कहा कि चंदा की सरपंच का अल्पआयु में ही चले जाना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। वे महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल थीं। उनकी मौत लू से होने की बात बताई जा रही है। उनके परिजनों को राजकीय प्रावधानों के अनुरूप मुआवजा दिलाने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिवंगत सरपंचों का कार्यकाल बेहतर रहा। उन्होंने अपने काम की बदौलत पंचायत क्षेत्र में लोगों के साथ समन्वय स्थापित किया। उनकी आत्मा की शांति के लिए यहां मौन रखा गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष हृदय नारायण मेहता, गौतम कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार आदि थे।

आपसी विवाद को लेकर मारपीट

दाउदनगर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। दाउदनगर गोला रोड निवासी असलम खां के साथ मार-पीट किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। प्राथमिकी के अनुसार आपसी विवाद को लेकर उनके साथ मार पीट की गई।

दुर्घटना में जदयू जिला सचिव की मौत, एक घायल

मदनपुर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। मदनपुर थाना क्षेत्र के पिपरौरा निवासी जदयू जिला सचिव 35 वर्षीय गौरव आनंद उर्फ़ टिंकू सिंह की मौत सड़क हादसे में रविवार की रात हो गई। वहीं महुआवां निवासी प्रवीण कुमार सिंह उर्फ़ टूना सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार दोनों बोलेरो से नेतरहाट जा रहे थे। लातेहार जिला के महुआदाढ़ के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, जिसमें गौरव आनंद की मौत हो गई। उनका शव सोमवार को पिपरौरा पहुंचा। उनकी मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। पत्नी प्रियंका देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके निधन पर पूर्व विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, विशाल प्रताप सिंह, रफीगंज जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुनील मेहता, लल्लू सिंह, मोहन सिंह आदि ने शोक जताया है।

अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने से परेशानी

निज संवाददाता

मदनपुर (औरंगाबाद)। मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं रहने से मरीजों को परेशानी हो रही है। इसका भरपूर फायदा निजी अल्ट्रासाउंड संचालक उठा रहे हैं। ये संचालक बगैर रेडियोलॉजिस्ट व विशेषज्ञ के रिपोर्ट तैयार करते हैं। इसी रिपोर्ट के आधार पर मरीजों का इलाज होता है। ऐसे में मरीज की जान भगवान भरोसे होती है। चिकित्सा पदाधिकारी डा. संजय कुमार व स्वास्थ्य प्रबंधक ललन प्रसाद सिंह ने बताया कि अल्ट्रासाउंड मशीन के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक व रेडियोलॉजिस्ट की भी जरूरत होगी।

गंदे पानी के जमाव से बीमारी फैलने की आशंका

मदनपुर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। मदनपुर में नाली के गंदे पानी के जमाव से बीमारी फैलने की आशंका है। लोगों को इस रास्ते से आवागमन में भी काफी परेशानी हो रही है। दुर्गंध इतनी है कि आस-पास के लोगों का जीना मुहाल है। यहां नाली बनाई गई थी जो अब पूरी तरह टूट चुकी है। इसके कारण घरों के नाली का पानी पानी सड़क पर ही बहता है। मुखिया ने बताया कि राशि की उपलब्धता नहीं होने के चलते नाली का निर्माण नहीं हो पा रहा है है। जैसे ही राशि उपलब्ध होगी, इसे दुरुस्त कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसकी दुर्गंध से कई लोग बीमार पड़ चुके हैं। उन्होंने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।

देव में श्रेया के इंसाफ को लेकर निकला कैंडल मार्च

निज संवाददाता

देव(औरंगाबाद)। देव के सोमवार की देर शाम नवीनगर की श्रेया के इंसाफ को लेकर लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। शहरवासी कैंडल लेकर सीआरपीएफ कैंप से सूर्य कुंड तक गए। इस दौरान इंसाफ दिलाने के लिए कई तरह के नारे लगाए। स्थानीय निवासी आलोक सिंह व वार्ड पार्षद रवि रंजन सिट्टु ने कहा कि इस मामले में एसआइटी गठित कर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस के द्वारा मामले को रफादफा करने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि जांच में कोई निर्दोष फंसे नहीं और दोषी बचे नहीं, इसके लिए प्रशासन निष्पक्षता से कार्रवाई करे।

निधन पर जताई संवेदना

अंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। पूर्व मंत्री डॉ सुरेश पासवान ने समाजवादी नेता भरत ठाकुर के निधन पर गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने बताया कि उनके निधन से समाज को बड़ी क्षति हुई है। समाजवादी आंदोलनों में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और आजीवन समाज की सेवा की। मगही भाषा की मजबूती के लिए भी उन्होंने आजीवन प्रयास किया।

श्रेया के इंसाफ को लेकर बन्द रहा बाजार

- मेडिकल से जुड़ी दुकानों को छोड़कर सभी दुकानें बंद रहीं, जिसमें श्रेया के इंसाफ के लिए दुकानदारों का एक समूह ने किया आग्रह।
- कोई विरोध-प्रदर्शन नहीं हुआ और बाजार में वाहनों का आवागमन सामान्य रहा।
- लोगों ने मांग की कि पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच हो, और मामले में संलिप्त दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।
- श्रेया 11 जून को घर से निकली थी और दो दिन के बाद उसका शव इंद्रपुरी नहर से बरामद हुआ था।

निज संवाददाता

नवीनगर (औरंगाबाद)। नवीनगर की श्रेया के इंसाफ को लेकर मंगलवार को अंबा बाजार पूरी तरह बंद रहा। मेडिकल से जुड़ी दुकानों को छोड़कर तकरीबन अन्य सभी दुकानें बंद रही। इस दौरान कोई विरोध-प्रदर्शन नहीं हुआ और वाहनों का आवागमन भी सामान्य रहा। विदित हो कि अंबा बाजार में कैंडल मार्च भी निकाला गया था। सोमवार की देर शाम स्थानीय लोगों ने श्रेया के इंसाफ को लेकर मंगलवार को दुकान बंद करने का निर्णय लिया था। बहुत सारे लोगों इसकी जानकारी नहीं थी। मंगलवार की सुबह जानकार दुकानदार इस उहापोह में रहे कि दुकान बंद करनी है या नहीं। इसी उहापोह में तकरीबन सभी दुकानें खुली पर थोड़ी ही देर में युवाओं का एक समूह बाजार में पहुंचा और व्यवसाईयों से श्रेया के इंसाफ को लेकर दुकान बंद करने का आग्रह किया। देखते ही देखते पूरा बाजार बंद हो गया और सन्नाटा पसर गया। लोगों का कहना था कि पुलिस को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। मामले में संलिप्त दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। कहा कि श्रेया मामले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रशासन का सहयोग भी आवश्यक है। विदित हो की श्रेया 11 जून को घर से निकली थी और दो दिन के बाद उसका शव इंद्रपुरी नहर से बरामद हुआ था। इस मौके पर रवि कुमार सिंह, विकास कुमार सिंह, संतोष पांडेय, अभिषेक सिंह, कुश सिंह, कंचन गुप्ता, अमरेश पांडेय, छोटू शर्मा, चंदन कुमार, शैलेंद्र कुमार सिंह, मोनू मालाकार, विशाल स्वर्णकार, संतोष कुमार, मोंटी गुप्ता, रवि गुप्ता आदि थे।

विधिक संघ ने शोकसभा कर दिवंगत अधिवक्ता को दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिक संघ, औरंगाबाद में मंगलवार को एक शोकसभा आयोजित कर दिवंगत अधिवक्ता नागेंद्र कुमार सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि श्रद्धांजलि समारोह में सर्वप्रथम उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि नागेंद्र सिंह 1990 से विधि व्यवसाय में थे। अच्छे और सरल स्वभाव के धनी नागेंद्र सिंह पूर्व में जिला विधिज्ञ संघ की कार्यसमिति के सदस्य भी रहे। वर्तमान में वें नोटरी पब्लिक भी थे। शोकसभा में सभी अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। साथ ही सर्वसम्मति से न्यायिक कार्यों से विरत रहने का निर्णय लिया। शोकसभा की अध्यक्षता जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय ने की जबकि संचालन महासचिव जगनारायण सिंह ने किया। इस दौरान लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, पूर्व महासचिव नागेंद्र सिंह, योगेन्द्र प्रसाद योगी, कामता प्रसाद सिंह, प्रदीप कुमार, प्रदीप सिंह, अशोक सिंह एवं अनील सिंह सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

अनुग्रह बाबू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों से सीख लें : अखिलेश

- अनुग्रह नारायण सिंह की 136वीं जयंती पर सदाकत आश्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

निज संवाददाता

पटना। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को सदाकत आश्रम में बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की 136वीं जयंती मनाई। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं देखी वे भाजपा सरकार में गुलामी की प्रक्रिया देख रहे हैं। उन्हें अनुग्रह बाबू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुग्रह बाबू उन बिरले विभूतियों में थे, जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई भी लड़ी और आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण में भी योगदान दिया। बिहार के प्रथम वित्तमंत्री के तौर पर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के साथ आधुनिक बिहार की पटकथा लिखी। अनुग्रह बाबू स्पष्ट वक्ता थे। वे सादा जीवन उच्च विचार की प्रतिमूर्ति थे। उनका दरवाजा गरीबों, पिछड़ों तथा असहायों के लिए हमेशा खुला रहता था। मौके पर डॉ. मदन मोहन झा, डॉ. समीर कुमार सिंह, लाल बाबू लाल, आनन्द माधव, राजेश राठौर, दिनेश कुमार, उदय शंकर पटेल, प्रद्युमन कुमार, राहुल पासवान, सुदय शर्मा, विश्वनाथ बैठा, राजनन्दन कुमार, राज छविराज, निधि पाण्डेय, अमित यादव, मो. अब्दुल बाकी, संतोष कुमार, सत्येन्द्र सिंह और मृत्युंजय कुमार मौजूद थे।

निधन पर सांत्वना देने पहुंचे सांसद

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। दाउदनगर एकौनी ग्राम में दो अलग-अलग घरों में एक महिला एवं पुरुष वृद्ध रामेश्वर यादव के आकस्मिक मृत्यु हो गई। मंगलवार को सांसद राजाराम सिंह शोकाकुल परिवारों से मिलकर शोक संवेदना के लिए एकौनी पहुंचे। कहा कि उनके शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मौके पर पिंटू कुमार, जयराम साव, रामप्रवेश यादव, रामदिनेश सिंह, रामजीत सिंह आदि उपस्थित थे।